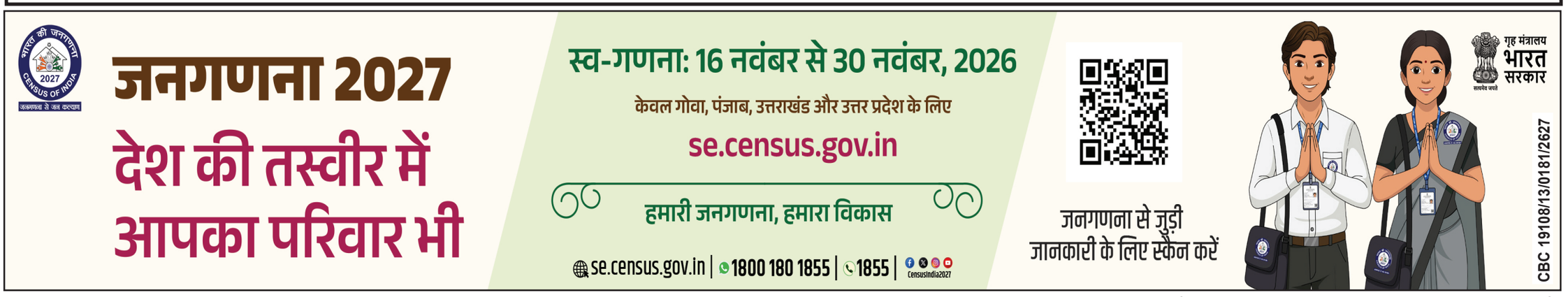
@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 20 नवंम्बर 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 20 अंक 12 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)



नौकरी छूटने पर पीएफ निकासी का इंतजार खत्म

ईपीएफओ ने 12 महीने की बंदिश घटाई

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के संगठित क्षेत्र में काम करने वाले करोड़ों वेतनभोगी कर्मचारियों और नौकरी छूटने का सामना कर रहे कामगारों के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) ने नियमों में बड़ा और राहत भरा बदलाव किया है। केंद्रीय न्यासी बोर्ड (Central Board of Trustees - CBT) की बैठक में भविष्य निधि की पूर्ण निकासी, खातों में अनिवार्य न्यूनतम बैलेंस और रिटायरमेंट के बाद किस्तों में निकासी से जुड़े अहम प्रस्तावों को हरी झंडी दे दी गई है। इस नीतिगत फैसले से उन कर्मचारियों को फौरी राहत मिलेगी जो रोजगार संकट या आपातकालीन वित्तीय जरूरतों के समय अपनी ही जमा पूंजी के लिए लंबे समय तक इंतजार करने को मजबूर थे।



नौकरी छूटने के बाद पीएफ निकासी के नियमों में क्या बदलाव हुआ है?

ईपीएफओ ने नौकरी छूटने की स्थिति में भविष्य निधि का पूरा पैसा निकालने की प्रतीक्षा अवधि (वेटिंग पीरियड) को घटाकर फिर से 2 महीने कर दिया है।

पिछला फैसला वापस: गौरतलब है कि अक्तूबर 2025 में ईपीएफओ ने अंतिम पीएफ सेटलमेंट के लिए बेरोजगारी की न्यूनतम अवधि को 2 महीने से बढ़ाकर 12 महीने कर दिया था। इस कारण कर्मचारियों को पूरा पैसा निकालने के लिए एक साल तक इंतजार करना पड़ रहा था।

नई व्यवस्था: बोर्ड ने उस फैसले को वापस लेने की मंजूरी दे दी है। अब कोई भी सदस्य नौकरी छूटने के बाद दो महीने तक बेरोजगार रहने पर अपने अंतिम पीएफ सेटलमेंट के लिए क्लेम दाखिल कर सकेगा। पेंशन निकासी की शर्तः हालांकि, पेंशन फंड की पूरी रकम निकालने के लिए तय न्यूनतम 36 महीने की प्रतीक्षा अवधि में कोई बदलाव नहीं किया गया है और वह पूर्ववत जारी रहेगी।

पीएफ खाते में न्यूनतम बैलेंस की सीमा कितनी घटी है?

बोर्ड ने पीएफ खाते से आंशिक या आवश्यकता-आधारित निकासी करने वाले सदस्यों के लिए न्यूनतम बैलेंस का दायरा काफी लचीला कर दिया है:

- पहले सदस्यों को अपने पीएफ खाते में कम से कम 25 फीसदी रकम रखना अनिवार्य होता था।
- नए फैसले के तहत इस अनिवार्य न्यूनतम बैलेंस की सीमा को घटाकर मात्र 10 फीसदी कर दिया गया है।

इस कटौती के बाद अब सदस्य अपनी कुल जमा पूंजी का 90 फीसदी तक हिस्सा जरूरत पड़ने पर निकाल सकेंगे, जिससे अचानक आई वित्तीय दिक्कतों के समय ज्यादा नकदी उपलब्ध हो सकेगी।

रिटायरमेंट के बाद किस्तों में पैसा निकालने का क्या विकल्प है?

ईपीएफओ ने सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के लिए एक नया सिस्टमैटिक विड्रॉल प्लान (स्क्रुक्क्) शुरू करने का प्रस्ताव मंजूर किया है:

ब्याज का निरंतर लाभ: अब 58 वर्ष की आयु में रिटायर होने वाले सदस्यों को अपना पूरा फंड एक साथ निकालना अनिवार्य नहीं होगा। वे अपनी रकम को ईपीएफओ के पास रखकर तय अंतराल पर किस्तों में निकाल सकेंगे।

शेष राशि पर रिटर्न: खाते में बची हुई शेष रकम पर ईपीएफ की मौजूदा तय ब्याज दर के हिसाब से ब्याज मिलता रहेगा।

निकासी के कई विकल्प: इसमें पूरी रकम को किस्तों में लेना, आंशिक एकमुश्त लेकर शेष किस्तों में लेना या सिर्फ अर्जित ब्याज की निकासी करने का विकल्प शामिल जरूरत पड़ने पर सदस्य इस प्लान को बीच में बंद करके एकमुश्त पैसा भी निकाल सकते हैं।



तीन देशों के दूतों ने राष्ट्रपति मुर्मु को अपने परिचय-पत्र प्रस्तुत किए



एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में ग्रीस, स्पेन और नेपाल के दूतों से परिचय-पत्र स्वीकार किए। राष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार परिचय-पत्र प्रस्तुत करने वाले दूतों में ग्रीस के राजदूत जार्जियोस पेटमेज़ाकिस, स्पेन के राजदूत अल्फ्रेडो मार्टिनेज़ सेरानो और नेपाल के राजदूत डॉ. निश्चल नाथ पाण्डे शामिल हैं।

सार संक्षेप

प्रधानमंत्री मोदी 20 नवंबर को पहले एससीओ सभ्यतागत संवाद मंच का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 नवंबर को नई दिल्ली के पुराना किला में पहले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सभ्यतागत संवाद मंच का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर वह कार्यक्रम को संबोधित भी करेंगे। तीन दिवसीय इस मंच का उद्देश्य एससीओ देशों की साझा सभ्यतागत विरासत को सामने लाना और सदस्य देशों के बीच सांस्कृतिक संवाद एवं सहयोग को बढ़ावा देना है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी 20 नवंबर को शाम करीब 5:30 बजे इस मंच का उद्घाटन करेंगे। यह आयोजन 20 से 22 नवंबर 2026 तक चलेगा।

बिहार में दूरसंचार क्षेत्र के विकास को लेकर केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

पटना। केन्द्रीय संचार तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुरुवार को लोक सेवक आवास स्थित 'संकल्प' सभागार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री के बीच बिहार में दूरसंचार क्षेत्र के विकास, आधुनिक संचार सुविधाओं के विस्तार तथा इस क्षेत्र में राज्य की संभावनाओं को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। साथ ही बिहार में दूरसंचार अवसंरचना को और सुदृढ़ बनाने तथा संचार सेवाओं के विस्तार के माध्यम से विकास की नई संभावनाओं को गति देने से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर भी विचार-विमर्श हुआ।

चक्रवात 'अकवान' के शुक्रवार को आंध्र-ओडिशा तट से टकराने के आसार

नई दिल्ली। पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में बना भीषण चक्रवाती तूफान 'अकवान' तेजी से तटीय इलाकों की ओर बढ़ रहा है। इसके 20 नवंबर की दोपहर तक नरसपुर और पुरी के बीच गोपालपुर के निकट उत्तरी आंध्र प्रदेश, यनम तथा दक्षिणी ओडिशा के तटों को पार करने की संभावना है। जमीन से टकराने के दौरान 90-100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

विकसित भारत को आगे रख दीर्घकालिक निवेश पर विचार करे उद्योग जगत: मोदी

'देश के आत्मनिर्भर बनने पर व्यापार के नए अवसर खुलेंगे।'

प्रधानमंत्री मोदी ने जगत से कहा कि वे सुधारों पर बिना झिझक अपनी राय प्रकट करें।



एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को देश के उद्योग जगत से विकसित और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि अब समय यह तय करने का है कि भारतीय उद्योग अगले 20 वर्षों में क्या हासिल कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें अपने दीर्घकालिक निवेश निर्णय में भारत प्रथम को सोच का आधार बनाना होगा। देश के आत्मनिर्भर बनने पर व्यापार के नए अवसर खुलेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने आज उद्योग संघ फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) की वार्षिक आम बैठक और वार्षिक सम्मेलन का दिल्ली के भारत मंडप में उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार को दोस्त सरकार के तौर पर प्रस्तुत करते हुए उद्योग जगत से कहा कि वे सुधारों पर बिना झिझक अपनी राय प्रकट करें। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों के अनुभव के कारण उद्योग जगत अपनी राय प्रकट करने में संकोच करता है। उन्होंने कहा, 'पुरानी सरकारों का उद्योग जगत का अनुभव इतना खट्टा है कि उसका खामियाजा मुझे भुगतना पड़ रहा है। यह पुरानी सरकार नहीं है, यह दोस्त सरकार है। यह दोस्ती निभाना जानती है और आप मेरे सच्चे दोस्त हैं। इसलिए बिना संकोच, बिना झिझक, मुझे खुलकर लिखकर भेजिए कि अभी भी क्या सुधार जरूरी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उद्योग जगत को यह विचार करना चाहिए कि भारत में कौन-से ऐसे निर्माण घटक हैं जिनका भारत में ही निर्माण एवं उत्पादन संभव है। उन्होंने इस संदर्भ में फार्मा उद्योग का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि भारत को दुनिया में 'फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड' कहते हैं, इसके बावजूद भारत हर साल एपीआई, बल्क ड्रग्स और ड्रग्स इंटरमीडिएट्स का बिलियंस ऑफ डॉलर का इंपोर्ट करता है। उन्होंने कहा, 'ऐसी सैकड़ों कैटेगरी हैं, जिनमें हम आज इंपोर्ट पर निर्भर हैं। हमारी फार्मा इंडस्ट्री को समझना होगा कि ऐसे कौन-से इंग्रेडिएंट्स हैं, जिन्हें हम भारत में बना सकते हैं। किन क्षेत्रों में नई टेक्नोलॉजी और बड़े प्रोडक्शन प्लांट में इन्वेस्ट करके हम दूसरे देशों के सामने कॉम्पिटिटिव बन सकते हैं? '

पंजाब पीसीएस भर्ती पर भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर भाजपा का आआपा पर हमला



- चयनित उम्मीदवारों में चार तरह के लोगों की मौजूदगी को लेकर सवाल उठ रहे हैं।
- एक ही केंद्र से इतनी बड़ी संख्या में उम्मीदवारों का सफल होना अपने आप में संदेह पैदा करता है।

एजेंसी

नई दिल्ली। पंजाब लोक सेवा आयोग (पीपीसीएस) की भर्ती प्रक्रिया को लेकर भाजपा ने आम आदमी पार्टी की सरकार पर गंभीर सवाल उठाए हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने पंजाब पीसीएस परीक्षा के हालिया परिणामों का हवाला देते हुए भर्ती प्रक्रिया में कथित भ्रष्टाचार और पक्षपात के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि 4 नवंबर को घोषित परिणामों में 331 पदों के लिए 751 उम्मीदवारों को इंटरव्यू के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। इस पूरी प्रक्रिया पर कई स्तरों पर सवाल खड़े हो रहे हैं। त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि चयनित उम्मीदवारों में चार तरह के लोगों की मौजूदगी को लेकर सवाल उठ रहे हैं। पहली श्रेणी में नेताओं और मंत्रियों के परिवारों से जुड़े लोग हैं, दूसरी में सरकार के करीबी माने जाने वाले अधिकारियों के परिजन, तीसरी में भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे लोगों के परिवारों से जुड़े उम्मीदवार और चौथी श्रेणी में ऐसे लोग हैं, जिन्होंने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आम आदमी पार्टी के प्रति समर्थन जताया है। भाजपा सांसद ने परीक्षा परिणामों में एक परीक्षा केंद्र से करीब 24 फीसदी उम्मीदवारों के सफल होने की खबरों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एक ही केंद्र से इतनी बड़ी संख्या में उम्मीदवारों का सफल होना अपने आप में संदेह पैदा करता है। उन्होंने चार परीक्षा केंद्रों में अलग-अलग कमरों में उम्मीदवारों के चयन से जुड़े कथित पैटर्न पर भी सवाल उठाए। त्रिवेदी के मुताबिक, परीक्षा और चयन प्रक्रिया में सामने आ रही इन जानकारियों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, ताकि भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके।

गृह मंत्री शाह ने 'सीमा पार आतंकवाद' पर छठे वार्षिक आतंकवाद रोधी सम्मेलन का किया उद्घाटन

गृह मंत्रालय के अनुसार सम्मेलन के सत्र विभिन्न विषयों पर केंद्रित होंगे।



एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को नई दिल्ली में 'सीमा पार आतंकवाद' विषय पर छठे वार्षिक आतंकवाद रोधी सम्मेलन का उद्घाटन किया। सम्मेलन राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) की ओर से आतंकवाद के विरुद्ध राष्ट्र की सामूहिक प्रतिक्रिया को सुदृढ़ करने के निरंतर प्रयासों के अंतर्गत आयोजित किया गया है। गृह मंत्रालय के अनुसार सम्मेलन के सत्र विभिन्न विषयों पर केंद्रित होंगे। इसमें विदेशी न्यायाधिकारों से साक्ष्य प्राप्त करना, आतंकवादी मामलों की जांच में डिजिटल फॉरेंसिक और डेटा विश्लेषण का इस्तेमाल और मुकदमों का प्रभावी प्रबंधन शामिल हैं। सम्मेलन के सत्रों में कट्टरता का मुकाबला करने और राष्ट्रीय सुरक्षा के सामने आ रहे हाइब्रिड खतरों पर भी चर्चा होगी। अन्य सत्रों में आतंकवादी फंडिंग के नेटवर्कों को रोकने से जुड़े साधनों, तकनीकों और केस के अनुभवों की समीक्षा के साथ-साथ भविष्य के लिए तैयार आतंकवाद-निरोधक रणनीतियों के विकास एवं उभरती राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए संस्थागत क्षमताओं को सुदृढ़ करने पर विचार किया जाएगा। इस वर्ष होने वाले सम्मेलन में राज्य पुलिस कर्मियों और पेशेवर लोगों के लिए एक क्षमता-निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को कई क्षेत्रों में सक्षम बनाने के लिए तैयार किया गया है। इनमें आतंकवादी मामलों की जाँच में नए आपराधिक कानूनों के इस्तेमाल, अभियोजन में डिजिटल साक्ष्य का उपयोग और ट्रायल रणनीति एवं प्रबंधन शामिल हैं।

भारत-जापान टू प्लस टू: मनमाने निर्यात प्रतिबंधों पर चिंता

विवादों के शांतिपूर्ण समाधान पर जोर



एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर तथा जापान के विदेश मंत्री मोटेगी तोशिमित्सु और रक्षा मंत्री कोइजुमी शिंजीरो ने गुरुवार को टोक्यो में चौथी भारत-जापान टू प्लस टू विदेश एवं रक्षा मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लिया।

बैठक में मंत्रियों ने मनमाने निर्यात प्रतिबंधों सहित आर्थिक दबाव और गैर-बाजार नीतियों एवं प्रथाओं के बारे में अपनी गंभीर चिंताओं को दोहराया। इनके कारण महत्वपूर्ण उद्योगों में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं बाधित होती हैं। मंत्रियों ने एक स्वतंत्र, खुले और कानून के शासन पर आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बनाए रखने और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। साथ ही बल प्रयोग या धमकी का सहारा लिए बिना विवादों के शांतिपूर्ण समाधान पर जोर दिया। वार्ता के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य में कहा गया कि मंत्रियों ने क्वाड पहलों को पूरक और सुदृढ़ बनाने तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साझेदारों को ठोस लाभ पहुंचाने के लिए द्विपक्षीय सहयोग का लाभ उठाने की अपनी प्रतिबद्धता पर बल दिया। मंत्रियों ने भारत में फायरिंग रेंज के इस्तेमाल को लेकर आशय पत्र (एलओआई) पर हस्ताक्षर का स्वागत किया। इसके तहत जापान की आत्मरक्षा सेना पहली बार भारत की फायरिंग रेंज में सतह से जहाज पर मार करने वाली मिसाइलों सहित अन्य हथियारों का लाइव फायरिंग अभ्यास करेगी। दोनों पक्षों ने रक्षा क्षेत्र में औद्योगिक सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने यूनिकॉर्न से जुड़ी व्यवस्थाएं जल्द तैयार करने और फरवरी 2027 तक भारत से आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) मिलने की उम्मीद जताई।

दोनों पक्षों ने रक्षा क्षेत्र में औद्योगिक सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने यूनिकॉर्न से जुड़ी व्यवस्थाएं जल्द तैयार करने और फरवरी 2027 तक भारत से आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) मिलने की उम्मीद जताई। इसके लिए 'जापान में डिजाइन, भारत में निर्माण' के ढांचे को आगे बढ़ाया जाएगा।

'गुंडों को ढूंढकर ऐसी सजा देंगे, कई पीढ़ियां याद रखेंगी', सपा के रोड शो में नाबालिग की मौत पर बोले योगी

एजेंसी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में सपा प्रमुख अखिलेश यादव के रोड शो के दौरान एक किशोर की मौत पर कड़ा प्रहार करते हुए इसे निर्मम हत्या करार दिया है। उन्होंने प्रशासन को सख्त निर्देश दिया कि सड़क पर अराजकता फैलाने वाले गुंडों को ढूंढ निकालें और उन्हें ऐसी कठोर सजा दिलाएं, जिसे उनकी कई पीढ़ियां याद रखें। गोरखपुर में एक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'बुधवार को समाजवादी पार्टी का एक रोड शो था। उन्होंने एक नाबालिग लड़के को अपने रोड शो का शिकार बना दिया। सपा गुंडागर्दी, दंगे, अराजकता और कर्फ्यू की प्रायः है। यह माफिया सपा का सगा है और जनता के साथ इस पार्टी ने हमेशा धोखा दिया है।'

सीएम योगी ने कहा, 'उस मासूम की गलती क्या थी? जैसे कुत्ते की पूंछ कभी सीधी नहीं हो सकती, वैसे ही ये गुंडे और माफिया डंडे के बल पर ही सीधे होंगे। यही समाजवादी पार्टी कर रही है। हमने इनकी गुंडागर्दी को ठीक किया है। उसी को ठीक करने के लिए एक बार फिर लगाम



कसने की तैयारी हम कर रहे हैं। ' उन्होंने कहा कि जिन गुंडों ने कल सड़कों पर अराजकता फैलाई, हमने अधिकारियों को उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कहा है।

हमने प्रशासन से कहा है कि गुंडों को ढूंढ निकालो और ऐसी सजा मिलनी चाहिए कि कई पीढ़ियां याद रख सकें। सीएम योगी ने कहा, 'प्रदेश की सड़कें आम जनमानस के सुगम आवागमन के लिए बनी हैं, न कि सपा और कांग्रेस के गुंडों की अराजकता के लिए। अगर किसी ने दोबारा माफियागिरी दिखाने का दुस्साहस किया, तो उस माफिया को भी मिट्टी में मिलाने में देर नहीं लगेगी। ' मुख्यमंत्री ने कहा कि झंगहा से गोरखपुर पढ़ने आए किशोर को सपा के रोड शो का शिकार बना दिया गया। वह अपने परिवार और पिता के साथ रहता था। उसकी निर्मम हत्या कर दी गई।

माफिया-पोषक और गुंडागर्दी व अराजकता के पोषक तत्व मौन रहे। उन्होंने संवेदना का एक शब्द नहीं बोला। इस दौरान, मुख्यमंत्री योगी ने संवेदना जताते हुए पीड़ित परिवार से मिलने की घोषणा की।

दिल्ली में महिला इन्फ्लुएंसर के घर में घुसने पर पिटाई के बाद चेन्नई के व्यक्ति की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली के मधु विहार इलाके में एक महिला 'इन्फ्लुएंसर' से मिलने के लिए चेन्नई से आए एक व्यक्ति की महिला के घर में घुसने पर उसके परिजनों और पड़ोसियों द्वारा की गई कथित पिटाई के बाद मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि यह घटना सात नवंबर को हुई, जब चेन्नई की एक निजी कंपनी में काम करने वाला व्यक्ति कथित तौर पर महिला के घर में घुस गया, जिसके बाद उसके परिजनों और पड़ोसियों के साथ विवाद हो गया और उन्होंने उसकी पिटाई कर दी। इस मामले में महिला के पिता और एक पड़ोसी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि पुलिस अन्य संदिग्धों की तलाश कर रही है। जांच के अनुसार, चेन्नई निवासी यह व्यक्ति सोशल मीडिया पर महिला के संपर्क में आया था और नियमित रूप से उसके वीडियो लाइक करता था। पुलिस का कहना है कि वह महिला से एक तरफा प्यार करने लगा और उससे मिलने के लिए चेन्नई से दिल्ली आ गया। विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर महिला के 29 लाख से अधिक 'सब्सक्राइबर' हैं। एक पुलिस सूत्र ने कहा, ''सात नवंबर को वह घर में घुसने की कोशिश कर रहा था, जिससे विवाद शुरू हो गया। महिला के पिता और कुछ पड़ोसियों ने उसे पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी, जिससे उसे गंभीर अंदरूनी और बाहरी चोटें आईं।' सूत्र ने बताया कि घायल व्यक्ति को पहले लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल ले जाया गया, जहां से चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे गुरु तेग बहादुर अस्पताल रेफर कर दिया। हालत में सुधार न होने पर उसे बाद में एक अन्य अस्पताल में स्थानांतरित किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उसकी मौत के बाद, मधु विहार पुलिस ने गैर-इरादतन हत्या से संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया और महिला के पिता व एक पड़ोसी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान महिला के भाई और अन्य पड़ोसियों की भूमिका भी सामने आई है। शेष संदिग्धों की पहचान करने और हमले में उनकी भूमिका तय करने के लिए पुलिस की टीमें घटनास्थल और उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर रही हैं।

दिल्ली : कश्मीरी गेट इलाके में फॉर्च्यूनर ने मारी टक्कर, दो लोगों की मौत, पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तरी दिल्ली के कश्मीरी गेट इलाके में 17 और 18 नवंबर की दरमियानी रात एक तेज रफ्तार सफेद फॉर्च्यूनर गाड़ी की टक्कर से घायल हुए दो युवकों की मौत हो गई। फिलहाल, दिल्ली पुलिस ने आरोपी फॉर्च्यूनर चालक के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, कश्मीरी गेट थाना क्षेत्र में युधिष्ठिर सेतु पर 17 और 18 नवंबर की दरमियानी रात एक तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर और टीएसआर (ऑटो) के बीच जोरदार टक्कर हुई। इस हादसे में कुल 8 लोग घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। कुछ घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। दो लोगों की हालत गंभीर होने पर उनका उपचार शुरू किया गया था। उधर, पुलिस ने मामले में शुरुआत में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 281 और 125ए के तहत एफआईआर दर्ज की। हालांकि, हादसे में घायल हुए दो लोगों ने बुधवार को इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इसके बाद पुलिस ने मामले में दर्ज एफआईआर में बीएनएस की धारा 105 (गैर-इरादतन हत्या) जोड़ी है। मृतकों की पहचान के बारे में आधिकारिक जानकारी सामने आनी बाकी है। फिलहाल पुलिस आरोपी वाहन चालक की तलाश में जुटी है और उसे पकड़ने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उधर, उत्तर पूर्वी दिल्ली के भजनपुरा इलाके में गुरुवार सुबह एक व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल दिल्ली पुलिस की टीम इस मामले में आगे की जांच में जुटी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह करीब 8 बजे व्यक्ति का शव भजनपुरा थाना क्षेत्र अंतर्गत गमरी गांव में मिला। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना दिल्ली पुलिस को दी। इसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम भी मौके पर पहुंची और जांच पड़तालर की। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।



लोन दिलाने के नाम पर ठगने वाले गिरोह का पर्दाफाश

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोहिणी जिले के विजय विहार इलाके में सस्ते और जीरो ब्याज दर पर लोन दिलाने का झांसा देकर लोगों से ठगी करने वाले एक फर्जी कॉल सेंटर का पुलिस ने पर्दाफाश किया। पुलिस ने रमेश नगर मेट्रो स्टेशन के पास छापेमारी कर कॉल सेंटर के मैनेजर और एक महिला टीम लीडर समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर इनके पूरे नेटवर्क को खंगाल रही है। पुलिस ने बताया कि विजय विहार फेज-2 निवासी विकास की शिकायत पर 17 नवंबर को मामला दर्ज किया था। जांच में सामने आया कि यह गिरोह एक कॉर्पोरेट दफ्तर की तरह काम करता था, जिसमें बकायदा फ्लोर मैनेजर, टीम लीडर और टेली-कॉलर रखे गए थे। आरोपियों में शाहदरा निवासी एक महिला टीम लीडर, रघुबीर नगर निवासी कॉल सेंटर का मैनेजर जतिन व चार टेलीकॉलर उत्तम नगर निवासी नीरज,द्वारका निवासी आकाश, विकास नगर निवासी सनी और वजीरपुर निवासी दया प्रसाद शामिल हैं।

दिल्ली में 9 जनवरी को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

नई दिल्ली (एजेंसी)। 9 जनवरी 2027 को राष्ट्रीय लोक अदालत लगेगी। यह निर्णय दिल्ली उच्च न्यायालय के माननीय कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश और डीएसएलएसए के कार्यकारी अध्यक्ष की स्वीकृति से लिया गया है, क्योंकि 12 दिसंबर 2026 को अदालतों के लिए बैठक दिवस घोषित किया गया है। दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएसएलएसए) ने एक अधिसूचना जारी करके जानकारी दी कि पहले 12 दिसंबर 2026 को प्रस्तावित राष्ट्रीय लोक अदालत को स्थगित करके यह नई तिथि तय की गई है।

पार्क में खुले सीवर में गिरकर दो बच्चों की मौत के लिए डीडीए व डीजेबी जिम्मेदार : हाई कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीतमपुरा के एक पब्लिक पार्क में खुले सीवर में गिरकर दो बच्चों की मौत के मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) और दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) को लापरवाही का दोषी ठहराया है। मृतक बच्चों के माता-पिता की याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने कहा कि डीडीए-डीजेबी ने सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में नाकाम रहे हैं और दुर्घटना रोकने के लिए पर्याप्त सावधानी नहीं बरती।

'उपाय नाकाफी थे'

पीठ ने कहा कि दो बच्चों का खुले सीवर में गिरकर जान गंवाना बताता है कि सुरक्षा उपाय नाकाफी थे। उक्त टिप्पणियों के साथ पीठ ने इसके साथ ही डीडीए व डीजेबी को प्रत्येक पीड़ित परिवार को नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर के साथ 11.01 लाख रुपये मुआवजा व एक लाख रुपये मुकदमे का खर्च देने का आदेश दिया। 16 अप्रैल 2010 को करीब साढ़े ग्यारह साल के रोबियाल और लगभग 12 साल के अर्जुन की पीतमपुरा में डबल टंकी के पास डीडीए पार्क के एसयू-ब्लाक में खुले सीवर/मैनहोल में गिरने से मौत हो गई थी। बच्चों के माता-पिता ने पार्क और सीवर के काम के लिए जिम्मेदार डीडीए व डीजेबी से मुआवजे की मांग की थी।

अब रेस्टोरेंट वाले बिल में मनमर्जी से नहीं वसूल सकेंगे सर्विस चार्ज, दिल्ली हाई कोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि रेस्टोरेंट को ग्राहकों से अनिवार्य सर्विस चार्ज वसूलने की अनुमति देने वाली कोई अंतरिम राहत नहीं दी गई है। दिल्ली हाई कोर्ट कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नितिन वासुदेव साम्ब्रे व न्यायमूर्ति संजय शर्मा की पीठ ने कहा कि रेस्टोरेंट एसोसिएशन को 28 मार्च 2025 के फैसले के खिलाफ अंतरिम सुरक्षा नहीं मिली है।

एकल पीठ के फैसले को रखा बरकरार-उक्त निर्णय में एकल पीठ ने सर्विस चार्ज पर रोक लगाने वाले केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) के दिशानिर्देश को बरकरार रखा था।

दिल्ली: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और अभिनेता जैकी श्रॉफ ने छठ घाट की सफाई अभियान में हिस्सा लिया

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अभिनेता जैकी श्रॉफ के साथ बृहस्पतिवार को उत्तर दिल्ली में मुनक नहर छठ घाट पर सफाई अभियान में हिस्सा लिया।
मुख्यमंत्री ने कहा कि 'स्वच्छता संकल्प' के तहत सभी को अपने आसपास के वातावरण को साफ रखना चाहिए।
गुप्ता ने संवाददाताओं से कहा, 'जब हम त्योहार मनाते हैं और अपनी संस्कृति व परंपराओं को भव्यता से निभाते हैं, तो हर आयोजन के बाद अपने आसपास के क्षेत्रों और शहर को साफ रखना भी हमारी जिम्मेदारी है। यह केवल मुनक नहर की बात नहीं है, बल्कि पूरी दिल्ली की बात है।'
उन्होंने कहा कि सरकार अपना काम करेगी, लेकिन लोगों को भी एक साथ आकर राष्ट्रीय राजधानी को स्वच्छ रखना चाहिए।
इस साल, दिल्ली सरकार ने मुनक नहर के एक सूखे हिस्से के किनारे 11 किलोमीटर लंबा छठ घाट बनाया था। इस कार्यक्रम का आयोजन भामला फाउंडेशन और मॉडर्न पब्लिक स्कूल द्वारा किया गया था।



दिल्ली की पांचों भाषा अकादमियों की शासी परिषद का पुनर्गठन, सीएम रेखा गुप्ता ने दी बधाई

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति एवं भाषा विभाग ने हिंदी, संस्कृत, पंजाबी, मैथिली-भोजपुरी और गढ़वाली, कुमाऊंनी एवं जौनसारी अकादमी की शासी परिषदों का पुनर्गठन कर दिया है।
सभी अकादमियों के लिए 18 नवंबर को अलग-अलग अधिसूचनाएं जारी की गईं, जिनमें पूर्व अधिसूचनाओं को निरस्त कर नई परिषदों का गठन किया गया। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए सभी नवनियुक्त उपाध्यक्षों एवं सदस्यों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।
मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, ÷दिल्ली केवल देश की राजधानी नहीं, बल्कि भारत की विविध भाषाओं, परंपराओं और संस्कृतियों का जीवंत संगम है। आप सभी के नेतृत्व में दिल्ली की सांस्कृतिक पहचान और समृद्ध होगी, हमारी गौरवशाली विरासत को नया विस्तार मिलेगा और युवा पीढ़ी का अपनी भाषा, साहित्य और सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ाव और मजबूत होगा।÷
उन्होंने सभी को सफल एवं यशस्वी कार्यकाल की मंगलकामनाएं दीं। हिंदी अकादमी की शासी परिषद में मंत्री (कला, संस्कृति एवं भाषा) अध्यक्ष होंगे, जबकि अनिल अग्रवंशी उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। परिषद में गजेंद्र सोलंकी, रितु गोयल, भुवनेश सिंघल, प्रवीण आर्य, रितु दुबे तिवारी, प्रो. कृष्णा शर्मा, प्रो. ममता वालिया, सोनाली मिश्रा, जय सिंह आर्य, मनोज शर्मा, जितेंद्र वीर कालरा, मुकेश अग्रवाल, डॉ. कीर्ति काले, डॉ. नवीन गुप्ता और अनंत विजय को सदस्य बनाया गया है। संस्कृत अकादमी में प्रो. यशवीर सिंह को उपाध्यक्ष बनाया गया है। परिषद में पं. गिरधारी लाल, संजय शर्मा, रेनू अग्रवाल, हर्षित उपाध्याय, डॉ. दुर्गेश मिश्रा, कौशल किशोर तिवारी, प्रो. सुधीर कुमार आर्य, प्रो. रंजीत बेहरा, प्रो. जयप्रकाश नारायण, डॉ. जीवन शर्मा, आचार्य सुधीर शर्मा, डॉ. अमोल मणि मिश्रा और डॉ. सुशील कुमार सदस्य होंगे। पंजाबी अकादमी के उपाध्यक्ष सरदार इमप्रीत सिंह बख्शी होंगे। इसमें डॉ. जसविंदर कौर बिंद्रा, सरदार बलबीर सिंह, डॉ. गुरमीत सिंह सुरा, जैसमीन सिंह नाउनी, के.एस. दुग्गल, हरीश हरजाई, गुरमीत कोहली, हरजेंद्र सोढी, संकेश सिद्धू, अवतार साहनी, सरदार कुलवंत सिंह बाठ, सचिन भसीन, राजीव गुगलानी, सुमित सेठ, शशि जेटली, सरदार जगदीश सिंह, सरदार चरणजीत सिंह लवली, सरदार इसप्रीत सिंह और सरदारनी सतबीर कौर शामिल हैं।

दिल्ली-एनसीआर रोबोटिक हार्ट सर्जरी में बना देश का सबसे बड़ा केंद्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोबोट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से होने वाली हार्ट सर्जरी के मामले में दिल्ली-एनसीआर देश का सबसे बड़ा केंद्र बनकर उभरा है। विशेषज्ञों के अनुसार, भारत में रोबोटिक हार्ट सर्जरी का तेजी से विस्तार हो रहा है। माना जा रहा कि यही रफ्तार रही तो 2031 तक भारत कम चीरा लगाकर की जाने वाली हार्ट बाईपास सर्जरी के मामले में कई बड़े देशों को भी पीछे छोड़ सकता है। यह चर्चा सोसाइटी ऑफ मिनिमली इनवेसिव कार्डियोवैस्कुलर एंड थोरेसिक सर्जन्स ऑफ इंडिया के 10वें वार्षिक सम्मेलन के अवसर पर हुई। तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 20 से 22 नवंबर तक दिल्ली के यशोभूमि में आयोजित होगा। इसमें 30 से अधिक देशों के करीब 1,200 डॉक्टरों, विशेषज्ञों और प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है। विशेषज्ञों के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में फिलहाल रोबोटिक हार्ट सर्जरी के 21 सिस्टम मौजूद हैं। 2025 में यहां करीब 1,800 रोबोटिक हार्ट सर्जरी की गई, जो देश के दूसरे प्रमुख शहरों से अधिक हैं। इस मामले में बेंगलुरु दूसरे स्थान पर है। 2026 में रोबोटिक हार्ट सर्जरी की संख्या में करीब 40 प्रतिशत बढ़ोतरी होने का अनुमान है। फिलहाल देश में मौजूद इन रोबोटिक सिस्टम में 87 प्रतिशत निजी और 13 प्रतिशत सरकारी अस्पतालों में हैं। सम्मेलन की आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. युगल के मिश्रा ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में बेहतर अस्पतालों, आधुनिक मशीनों और अनुभवी डॉक्टरों की उपलब्धता के कारण रोबोटिक हार्ट सर्जरी तेजी से बढ़ रही है। इस तकनीक से डॉक्टर छोटे चीरे लगाकर जटिल ऑपरेशन कर सकते हैं। इससे मरीज को कम दर्द होता है और वह पारंपरिक सर्जरी की तुलना में जल्दी ठीक होकर सामान्य जीवन में लौट सकता है।

डीटीसी बेड़े में 100 नई इलेक्ट्रिक बसें होगी शामिल, दिल्ली-हापुड़ बस सेवा होगी शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के बेड़े में 100 नई शून्य-उत्सर्जन इलेक्ट्रिक बसें शामिल होने जा रही है। इन बसों के शामिल होने के बाद दिल्ली में बसों की कुल संख्या बढ़कर लगभग 7,088 हो जाएगी, जिसमें 5,338 इलेक्ट्रिक और 1,750 सीएनजी बसें शामिल होंगी। इसके साथ ही दिल्ली देश में सबसे बड़े इलेक्ट्रिक बस बेड़े वाले शहर के रूप में अपनी स्थिति को और मजबूत करेगी।
उन्होंने गुरुवार को एक विज्ञप्ति जारी कर बताया कि इन 100 नई इलेक्ट्रिक बसों में 50 नौ मीटर और 50 बारह मीटर लंबाई वाली बसें शामिल होंगी। सुरक्षित, आरामदायक और सुलभ सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तैयार ये लो-फ्लोर, वातानुकूलित बसें सीसीटीवी कैमरे, पैनिक बटन, रियल-टाइम ट्रैकिंग सिस्टम और दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्थाओं सहित आधुनिक यात्री सुविधाओं से लैस होंगी।
मंत्री पंकज कुमार सिंह ने कहा कि 100 नई इलेक्ट्रिक बसों को बेड़े में शामिल करना दिल्ली की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को अधिक सुगम और स्वच्छ मोबिलिटी समाधानों के माध्यम से बदलने की दिल्ली सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन के बस बेड़े का व्यापक और चरणबद्ध विस्तार किया जा रहा है। वित्त वर्ष 2028-29 तक दिल्ली में बसों की कुल संख्या लगभग 14,000 तक पहुंचाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक मोबिलिटी पर आधारित यह विस्तार सार्वजनिक परिवहन की कनेक्टिविटी को मजबूत करने, बस सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाने और स्वच्छ एवं टिकाऊ शहरी परिवहन के दीर्घकालिक विजन को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।
मंत्री बताया कि इलेक्ट्रिक बस बेड़े के विस्तार के साथ-साथ दिल्ली सरकार आनंद विहार आईएसबीटी और उत्तर प्रदेश के हापुड़ के बीच इलेक्ट्रिक बस सेवा शुरू कर अंतरराज्यीय सार्वजनिक परिवहन कनेक्टिविटी को भी मजबूत करने जा रही है। प्रस्तावित सेवा से दिल्ली, गाजियाबाद और हापुड़ के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को निर्धारित समय-सारिणी वाली, आरामदायक और पर्यावरण अनुकूल परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी। इस व्यवस्था के तहत डीटीसी द्वारा आनंद विहार आईएसबीटी-हापुड़ मार्ग पर 12 पूरी तरह इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जाएगा।
उन्होंने कहा कि अंतरराज्यीय बस सेवा के तहत आनंद विहार आईएसबीटी से बसें सुबह 5ः15 बजे से 8ः55 बजे तक तथा इसके बाद सुबह 11ः55 बजे से दोपहर 3ः35 बजे तक उपलब्ध होंगी। दोनों समयावधियों में बसों का संचालन 20 मिनट के अंतराल पर किया जाएगा। वापसी में हापुड़ से बसें सुबह 8ः05 बजे से 11ः45 बजे तक तथा इसके बाद दोपहर 2ः45 बजे से शाम 6ः25 बजे तक 20 मिनट के अंतराल पर संचालित होंगी।
इस मार्ग पर आनंद विहार आईएसबीटी से हापुड़ बस स्टेशन तक बसें घड़ौली-उत्तर प्रदेश बॉर्डर, डाबर, मोहन नगर, न्यू बस स्टैंड गाजियाबाद, ओल्ड गाजियाबाद बस स्टैंड, हापुड़ चुंगी, आईएमएस कॉलेज गाजियाबाद (डासना), मसूरी, छिजारसी-कुलीच नगर, पिलखुवा और निजामपुर सहित प्रमुख स्थानों से होकर गुजरेंगी। क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मजबूत करने के महत्व पर जोर देते हुए मंत्री ने कहा कि डीटीसी की अंतरराज्यीय इलेक्ट्रिक बस सेवाओं का विस्तार दिल्ली की सीमाओं से बाहर भी यात्रियों को सुगम और भरोसेमंद सार्वजनिक परिवहन कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रस्तावित आनंद विहार-हापुड़ बस सेवा से विशेष रूप से दैनिक यात्रियों, विद्यार्थियों, कामकाजी पेशेवरों और दिल्ली, गाजियाबाद तथा हापुड़ के बीच आवागमन करने वाले अन्य यात्रियों को लाभ मिलेगा। मौजूदा संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए अंतरराज्यीय मार्गों पर इलेक्ट्रिक बसों का संचालन कर हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि टिकाऊ परिवहन व्यवस्था प्रभावी, सुलभ और यात्रियों की जरूरतों के अनुरूप भी हो।

हरी नगर के गुरुद्वारे में गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी की कोशिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। साहिबपुरा, तिलक नगर के बाद अब हरी नगर स्थित गुरुद्वारा साहिब में भी गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी की कोशिश का मामला सामने आया है। गुरुद्वारों में बेअदबी की लगातार सामने आ रहीं घटनाओं को लेकर दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने चिंता जताई है। कमेटी ने इसे गहरी साजिश की आशंका बताते हुए पुलिस से विस्तृत जांच कराने और आरोपियों को बेनकाब करने की मांग की है। कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलों ने कहा कि तीन दिन पहले साहिबपुरा के गुरुद्वारे में घटना हुई थी और अब हरी नगर में भी ऐसी कोशिश की गई। हालांकि, गुरुद्वारे के प्रबंधकों और संगत की सतर्कता से इस प्रयास को विफल कर दिया गया। उन्होंने कहा कि लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं को सामान्य रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। इनके पीछे क्या कारण हैं और कौन लोग इस तरह की गतिविधियों में शामिल हैं, इसकी गहराई से जांच होनी चाहिए। उन्होंने आशंका जताई कि इन घटनाओं के जरिए सिख कौम में बेचैनी पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है। कालका और काहलों ने कहा कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी की कोशिशें मानवता के खिलाफ हैं और इनकी कड़ी निंदा की जानी चाहिए। कमेटी पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर मामले की निष्पक्ष जांच कराने और वास्तविक दोषियों को सामने लाने की मांग करेगी।

इंदिरा गांधी की जयंती पर प्रदेश कांग्रेस नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न इंदिरा गांधी की 109वीं जयंती पर गुरुवार को दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इससे पहले पार्टी नेताओं ने शक्ति स्थल पहुंचकर भी उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव अनिल भारद्वाज ने कहा कि इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने स्वतंत्र भारत में देश की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी ने प्रधानमंत्री रहते हुए देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई। बांग्लादेश की मुक्ति में भारत की भूमिका और 1969 में बैंकों का राष्ट्रीयकरण उनके कार्यकाल के प्रमुख फैसलों में शामिल रहे।भारद्वाज ने कहा कि इंदिरा गांधी ने गरीबों, वंचितों और जरूरतमंदों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं लागू कीं। दिल्ली में झुग्गी-झोपड़ी बस्तियों और पुनर्वास कॉलोनियों को बसाने में भी उनकी भूमिका रही।

दिल्ली में 40 लाख से अधिक इमारतों के प्रारंभिक सुरक्षा सर्वेक्षण में लगेंगे 40 लाख कार्यघंटे-एमसीडी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) द्वारा सरकार को सौंपी गई रिपोर्ट में बताया गया है कि राष्ट्रीय राजधानी में 40 लाख से अधिक इमारतों का प्रारंभिक सुरक्षा सर्वेक्षण करने में करीब 40 लाख कार्य घंटे लगने का अनुमान है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एमसीडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस कवायद में संपत्ति कर और पर्यावरण प्रबंधन सेवा विभाग (डीईएमएस) सहित अन्य विभागों की मदद ली जाएगी, ताकि इमारतों से जुड़ी जानकारियां जुटाकर उनका एक व्यापक डेटाबेस तैयार किया जा सके। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देशों के बाद नगर निगम ने एक सप्ताह से अधिक समय पहले दिल्ली सरकार को रिपोर्ट सौंपी थी। इस रिपोर्ट में प्रस्तावित शहरव्यापी सर्वेक्षण के लिए आवश्यक श्रमशक्ति, संसाधनों और समय का विवरण दिया गया था। अधिकारी ने कहा, ''इस कवायद के लिए विस्तृत प्रश्नावली तैयार करने के वास्ते हम संपत्ति कर और सफाई सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। इसका उद्देश्य इमारतों से जुड़ी सभी जरूरी जानकारियां जुटाना और उनकी संरचनात्मक सुरक्षा तथा अग्नि सुरक्षा के आकलन के लिए एक समान मानदंड तय करना है।'' उन्होंने कहा कि इस प्रश्नावली में इमारतों कितनी पुरानी है, निर्मित क्षेत्रफल, मंजिलों की संख्या, स्वीकृत भवन योजनाएं, अग्नि सुरक्षा मंजूरी और ढांचागत कमजोरी के प्रत्यक्ष संकेतों (जैसे दरारें या झुकी हुई दीवारें) के साथ-साथ स्वच्छता से जुड़े पहलुओं जैसे कचरा प्रबंधन, जल निकासी और आसपास के इलाकों की स्थिति को शामिल किए जाने की उम्मीद है।

दिल्ली : लाजपत नगर में चार मंजिला इमारत में आग लगने से एक कर्मचारी की मौत, दूसरा घायल

नई दिल्ली, एजेंसी।
दक्षिण दिल्ली के लाजपत नगर-दो इलाके में चार मंजिला इमारत के बेसमेंट में आग लगने से एक कर्मचारी की मौत हो गई, जबकि एक अन्य झुलस गया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, घटना बुधवार दोपहर करीब एक बजकर 17 मिनट पर हुई। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके की घेराबंदी कर इमारत में मौजूद लोगों को बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू की।
एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दमकल की गाड़ियां भी मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया।
पुलिस ने बताया कि बेसमेंट से गौरव नामक कर्मचारी को निकाल कर सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, प्रेम सिंह शर्मा आग में झुलस गया और उसे अस्पताल के गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में भर्ती किया गया है। पुलिस के मुताबिक, चार मंजिला इमारत के बेसमेंट में इमारत के मालिक द्वारा संचालित मीडिया हाउस है, जबकि ऊपरी मंजिलों पर मालिक के रिश्तेदार और अन्य लोग रहते हैं।
प्रारंभिक जांच में पता चला है कि घटना के समय बेसमेंट में संभवतः अग्नि सुरक्षा उपकरण लगाने के सिलसिले में वेल्डिंग का काम किया जा रहा था। इस दौरान दो कर्मचारी वेल्डिंग का काम कर रहे थे और इमारत के दोनों कर्मचारी भी वहां मौजूद थे।
पुलिस ने बताया कि अग्नि सुरक्षा उपकरण लगाने के लिए श्रमिक उपलब्ध कराने वाले ठेकेदार को भी पूछताछ और सत्यापन के लिए बुलाया गया है।
पुलिस ने कहा कि आग पर काबू पा लिया गया है और घटना के सटीक कारण का अभी पता नहीं चला है।
अधिकारी ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और इमारत के मालिक, ठेकेदार तथा संबंधित श्रमिकों की भूमिका की जांच की जा रही है।



दिल्ली सरकार ने बच्चों, युवाओं के लिए मानसिक स्वास्थ्य नीति पेश की

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली सरकार ने बृहस्पतिवार को अपनी मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण नीति पेश की, जिसका उद्देश्य बच्चों और युवाओं के भावनात्मक एवं मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का समाधान करना है। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने बताया कि यह नीति छात्रों के लिए भावनात्मक सहयोग को लेकर जताई गई चिंताओं के मद्देनजर तैयार की गई है।
नीति की शुरुआत के मौके पर दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, आध्यात्मिक नेता श्री श्री रविशंकर और पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा मौजूद थे।
सूद ने कहा कि कुछ दिन पहले एक स्कूली छात्र ने आत्महत्या की कोशिश की, जिसके बाद सरकार का ध्यान इस मुद्दे पर गया और उन्होंने स्कूल के प्रधानाचार्यों को पत्र लिखकर एक व्यापक नीति बनाने की दिशा में काम करने के लिए उनके तथा मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों के साथ चर्चा की।
सूद ने कहा कि बच्चे अक्सर खुद को अकेला महसूस करते हैं, क्योंकि माता-पिता परिवार की आर्थिक जरूरतें पूरी करने के लिए काम में व्यस्त रहते हैं।
उन्होंने कहा कि बच्चे अपने भविष्य, अकादमिक प्रदर्शन और बेहतर करने की अभिभावकों की उम्मीदों को लेकर दबाव का सामना करते हैं।
सूद ने कहा, 'लोग अक्सर मानसिक स्वास्थ्य को एक वर्जित विषय मानते हैं। इसी के मद्देनजर हमने यह कार्यक्रम आयोजित किया, ताकि समाज में संदेश दिया जा सके कि मानसिक स्वास्थ्य के बारे में बात करना और इसे लेकर जागरूकता फैलाना जरूरी है।'
उन्होंने कहा कि इस नीति का उद्देश्य एक ऐसा माहौल बनाना है, जहां बच्चे अपनी भावनात्मक भलाई के बारे में खुलकर बात कर सकें और बिना किसी झिझक के मदद मांग सकें।
सूद के मुताबिक, यह नीति सीएम श्री स्कूल, सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल, उच्च शिक्षण संस्थान, निजी शिक्षण संस्थान और दिव्यांग बच्चों से जुड़े संस्थानों में लागू होगी।
उन्होंने कहा कि इस नीति का उद्देश्य 29 साल तक के युवाओं तक अपनी पहुंच बढ़ाना है, जिनमें वे लोग भी शामिल हैं, जो औपचारिक शिक्षा प्रणाली से बाहर हैं।
सूद के अनुसार, नीति में शिक्षण, गैर-शिक्षण और परिवहन कर्मचारियों के लिए मनोमितीय आकलन की भी परिकल्पना की गई है, जो नियमित रूप से बच्चों के साथ बातचीत करते हैं।



उन्होंने बताया कि नीति के तहत ऐसी पुस्तिकाएं भी तैयार की जाएंगी, जिनमें व्यवस्थित प्रश्न, अभ्यास और गतिविधियां शामिल होंगी, ताकि कर्मचारी बच्चों के साथ संवेदनशीलता और समझदारी से संवाद कर सकें।

हमने अपने दुश्मन को मार दिया, जो भी मदद को आएगा उसे भी नहीं छोड़ेंगे

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद के थाना एका क्षेत्र के उड़ेसर सिंहपुर गांव में रविवार तड़के जमीन के विवाद और मुकदमे की रंजिश में फाइनेंसकर्मी की गोली मारने के बाद पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। गांव के मुख्य मार्ग पर घेरकर हत्या के बाद हमलावर गांव में घुसे और मृतक के घर पर फायरिंग कर मुनादी की। वारदात के बाद गांव निवासी आरोपी अपने घरों पर ताले डालकर भाग गए। मृतक के भाई योगेश की तहरीर पर 13 आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर हमलावरों की तलाश शुरू कर दी गई है। गांव निवासी बज्रसिंह के पुत्र प्रदीप कुमार यादव तीन भाइयों में से दूसरे नंबर के थे और एटा में एक निजी फाइनेंस कंपनी में नौकरी करते थे। रविवार तड़के साढ़े तीन बजे करीब उनकी पत्नी सरिता की तबीयत खराब हो गई थी। सरिता का भाई राहुल निवासी नगला सेवा, अपने साथ झाड़-फूंक करने वाले भगत वीरपाल निवासी नगला चित्तर को साथ लाया था। झाड़-फूंक के बाद प्रदीप भगत वीरपाल को बाइक से उनके गांव छोड़ने गया था। आरोप है सुबह करीब 5:15 बजे वह अपने घर लौट रहा था। तभी उसे घर से करीब एक किलोमीटर पहले गांव के मुख्य मार्ग पर आर्यन उर्फ सोबी, विकास कुमार, इंद्रपाल सिंह, राकेश, देवेंद्र, रवेंद्र, ओपेंद्र, राजेश कुमार तथा रवेंद्र के बेटे रोबी व प्रशांत, राजेश के बेटे निशांत, देवेंद्र के बेटे विपिन उर्फ हिमांशु ने प्रदीप को घेर लिया और फायरिंग की। उसके हाथ में एक गोली लगी और बाइक से गिर गया। इसके बाद हमलावरों ने धारदार हथियार और लोहे की रॉड, डंडे से पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी गांव में पहुंचे और प्रदीप कुमार के घर पर फायरिंग करते हुए हत्या कर देने की मुनादी की। मृतक की पत्नी सरिता, भाई योगेश घटनास्थल की ओर दौड़े। पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने प्रदीप को तत्काल अस्पताल भेजा, अस्पताल पहुंचने पर उसकी मौत हो गई। मृतक प्रदीप के भाई योगेश ने बताया कि आरोपी एक सफेद रंग की हुंडई ओरा कार और कुछ मोटरसाइकिलों पर सवार थे। उनके हाथों में हथियार थे। हत्या की वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी बेखौफ होकर उनके घर पर आ धमके और वहां तांडव मचाते हुए जोर-जोर से गाली-गलौज करने लगे। उन्होंने खुलेआम कहा कि आज हमने अपने दुश्मन को मार दिया, जो भी मदद को आएगा उसे भी नहीं छोड़ेंगे... । योगेश ने बताया कि 13 नवंबर को आरोपी पक्ष ने मारपीट पथराव किया था, उसका मुकदमा शनिवार को दर्ज कराया था। पहले से जमीन का विवाद भी चल रहा है। इसी रंजिश में हत्याकांड को अंजाम दिया गया है। फिरोजाबाद के थाना एका क्षेत्र के उड़ेसर सिंहपुर गांव में हुई प्रदीप कुमार यादव की पीट-पीटकर हत्या के मामले में पुलिस रंजिश की गहराई और खतरे को समय रहते नहीं भांप सकी। हत्या की इस बड़ी वारदात से दो दिन पहले शुक्रवार को भी संघर्ष हुआ था। पत्नी मृतक प्रदीप कुमार यादव की पत्नी सरिता ने थाने में दी गई तहरीर में बताया था कि जब उनके पति और जेठ खेत पर काम कर रहे थे, तब वह हार पर अकेली थीं। उनकी ट्रैक्टर की ट्रॉली नहर की पटरी पर खड़ी थी। उसी बात को लेकर आरोपी गंगा सिंह के बेटे ओपेंद्र, राजेश, राकेश, देवेंद्र के अलावा रवेंद्र के बेटे रोबी, प्रशांत, इनके साथी विपिन उर्फ हिमांशु, निशांत और सरिता, नीरेश, मिथलेश, लवी और बेबी आ धमके और गंदी गालियां देते हुए घर पर ईंट-पत्थर फेंके। इस पथराव में चोटें भी आईं थीं। यह पूरी घटना घर पर लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई थी। इस घटना में 14 नवंबर को थाना एका में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। लेकिन पुलिस ने इस गंभीर मामले में एहतियात बरतने के बजाय नामजद आरोपियों में से राजेश, देवेंद्र और प्रशांत को केवल शांतिभंग की आशंका में पाबंद कर इतिश्री कर ली। एसडीएम कोर्ट से उसी दिन उन्हें जमानत भी मिल गई। ग्राम प्रधान प्रदीप यादव ने बताया कि इंद्रपाल और गंगा सिंह दबंग किस्म के व्यक्ति हैं। इनके सामने गांव का कोई भी व्यक्ति बोल तक नहीं पाता है। जैसे ही शनिवार शाम राजेश, देवेंद्र, प्रशांत शांतिभंग में जमानत पाकर गांव आए उन्होंने पुलिस को आगाह किया था कि दोनों पक्षों के बीच चल रहा यह विवाद किसी बड़े खूनी संघर्ष या बवाल का रूप ले सकता है, इसलिए पुलिस को मामले में सख्त कदम उठाने चाहिए। इ्र बावजूद इसके, स्थानीय पुलिस ने मामले की गंभीरता को नजरअंदाज कर दिया। नतीजा यह रहा कि आरोपियों के हौसले बुलंद हो गए और उन्होंने अगले ही दिन सुबह घात लगाकर प्रदीप की लाठी-डंडों से गोली, धारदार हथियार से हमला और लाठी-डंडों, सरिया से पीट-पीटकर निर्मम हत्या कर दी। मृतक के भाई योगेश ने थाने के एक दरोगा और एक सिपाही पर आरोप लगाया है कि ये आरोपी पक्ष से मिले हुए हैं। आरोपी पक्ष मिट्टी खनन का काम भी करता है। इसके चलते थाने में इनका लेन-देन रहता है। फिरोजाबाद। मृतक प्रदीप के भाई योगेश ने थाने के एक दरोगा और एक सिपाही पर सीधा आरोप लगाया है कि ये पुलिसकर्मी आरोपी पक्ष से मिले हुए थे, जिसके चलते आरोपियों के हौसले बुलंद थे। योगेश ने बताया कि आरोपी पक्ष मिट्टी खनन का अवैध काम करता है और इसी के चलते उनका थाने के कुछ पुलिसकर्मियों के साथ लगातार लेन-देन और उठना-बैठना रहता है। जून 2026 में आरोपी पक्ष के खिलाफ गांव के ही एक तालाब से अवैध रूप से मिट्टी खनन करने की शिकायत की गई थी। मामले में क्षेत्रीय लेखपाल ने भी मौके की जांच कर अपनी रिपोर्ट प्रशासन को सौंपी थी। इस रिपोर्ट के आधार पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की गई थी लेकिन कोई भी प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। मृतक प्रदीप के बहनोई शीलेश यादव निवासी मिरहची, एटा उप्र में हेड कांस्टेबल हैं। वर्तमान में मथुरा के बल्देव थाने में तैनात हैं। उन्होंने बताया कि प्रदीप ही कानूनी रूप से तेज-तर्रार था और जमीनी प्रकरण में पैरवी करता था। बीए तक उसने पढ़ाई कर रखी थी। फाइनेंस कंपनी में काम करने के चलते उसकी आर्थिक स्थिति भी ठीक थी। इसी बात की और ज्यादा खुन्नस आरोपियों को थी और वह उसे ही निशाना बनाने थे। चार माह से पहले भी आरोपी पक्ष ने प्रदीप को निशाना बनाया था और मारपीट की थी। उस मामले में खुद उन्होंने दोनों पक्षों में समझौता कराया था। प्रदीप के दो बच्चे हैं, जिनमें पांच साल की बेटी किट्टू और तीन साल के बेटा वेद है। दोनों बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया। पत्नी सरिता व भाइयों का भी रो-रोकर बुरा हाल है। पोस्टमार्टम तक गांव तक डटी रही पुलिस हत्या की सनसनीखेज वारदात के बाद पोस्टमार्टम हाउस शव को भेजते ही एसएसपी स्तर से सीओ सिटी संतोष कुमार सिंह, इंस्पेक्टर उत्तर रवि त्यागी, पांच चौकी इंचार्ज व अन्य फोर्स की तैनाती यहां कर दी। इसके अलावा गांव में थाना एका, जसराना फोर्स की तैनाती की गई। किसी भी विवाद, हंगामे की आशंका को देखते हुए पुलिस लगातार पीड़ति पक्ष को कड़ी कार्रवाई के लिए आश्वस्त करती रही। पोस्टमार्टम हाउस पर मृतक के भाई योगेश के द्वारा दी गई तहरीर पर ही थाना एका में प्राथमिकी 13 नामजदों के खिलाफ दर्ज की गई। आरोपी और पीड़ति पक्ष एक ही खानदान के हैं। पुलिस को गांव वालों से मिली जानकारी के अनुसार जमीन की रंजिश में दोनों पक्षों की एक-दूसरे से बोलचाल बंद हो गई थी। बात-बात पर विवाद हो जाता था। पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद मृतक के भाई योगेश और संदीप ने साफ तौर पर कह दिया कि आरोपी पक्ष से उनका कोई रिश्ता-नाता नहीं है। उन्होंने भाई की जान ले ली है। आरोपी इंद्रपाल फौज में था। वह गांव में ही खेती करता है। मृतक के परिजन का आरोप है कि इंद्रपाल दबंगई करता है और हमेशा हत्या की धमकियां परिवार को देता था। मृतक प्रदीप तीन भाई और दो बहन हैं। इनमें प्रदीप तीसरे नंबर का था। उसके बड़े भाई योगेश शिक्षक हैं और संदीप पिता बज्र सिंह के साथ खेती करता है। योगेश ने बताया कि मामला जून 2026 का है। हत्यारोपी पक्ष के दो सगे भाई इंद्रपाल और गंगा सिंह गांव में उनके घर से कुछ दूरी पर रहते हैं। योगेश ने बताया कि उनका खेत, हमारे खेत सटा हुआ है। जून 2026 में इन्होंने खेत पर कब्जे का प्रयास किया था। इसका विरोध किया था। इसके बाद एसडीएम कोर्ट में पैमाइश की अर्जी दाखिल कर दी थी। आरोप है कि गंगा सिंह और इंद्रपाल ने उनके हिस्से के खेत संख्या में से करीब आधा बीघा खेत कब्जा लिया। तहसील प्रशासन और पुलिस की टीम ने भी उनका ही सहयोग किया और पैमाइश ठीक से करने के बजाए इनका तरफदारी की। पुलिस-प्रशासन ने जबरन खड़े होकर बाउंड्रीवॉल लगवाते हुए कब्जा भी उसी पक्ष को करा दिया। इसकी शिकायत प्रदीप लगातार अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाते हुए कर रहा था। 13 नवंबर की घटना में तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। विधिक रूप से कार्रवाई करते हुए शांतिभंग में पाबंद कर एसडीएम कोर्ट में पेश किया था। वहां से निजी मुचलके पर आरोपियों को जमानत मिली थी। जमानत की शर्तों का उल्लंघन करते हुए आरोपियों ने यह घटना की है। इसकी रिपोर्ट कोर्ट को भेजी जाएगी।

फैक्टरी में शुरू हुई प्रेम कहानी पहुंची मंदिर तक, तमन्ना परवीन बनीं मुस्कान

सीतापुर। प्रेम, विश्वास और आपसी सहमति के चलते बिहार की रहने वाली तमन्ना परवीन पुत्री शमशाद ने जनपद सीतापुर निवासी अभिषेक वर्मा के साथ वैवाहिक जीवन की शुरुआत की। विवाह के उपरांत तमन्ना परवीन ने अपना नाम मुस्कान वर्मा रखा और हिंदू धर्म में अपनी आस्था व्यक्त करते हुए हिंदू धर्म अपनाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार तमन्ना परवीन हरियाणा की एक फैक्टरी में काम करती थीं, जहां उनकी मुलाकात सीतापुर निवासी अभिषेक वर्मा से हुई। साथ काम करते-करते दोनों के बीच प्रेम संबंध स्थापित हो गए। दोनों बालिग होने के साथ ही अपने फैसले लेने में स्वतंत्र थे। आपसी सहमति और एक-दूसरे के प्रति विश्वास के आधार पर दोनों ने विवाह करने का निर्णय लिया। राष्ट्रीय हिन्दू शेर सेना के प्रमुख विकास हिन्दू की उपस्थिति में सीतापुर की कांशीराम कॉलोनी स्थित काली माता मंदिर में वैदिक रीति-रिवाजों के साथ दोनों का विवाह संपन्न कराया गया। इसके साथ ही दोनों ने कानूनी प्रक्रिया के तहत कोर्ट मैरिज भी की। इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय महासचिव प्रदीप शुक्ला, सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। गौरतलब है कि राष्ट्रीय हिन्दू शेर सेना के नेतृत्व एवं सहयोग से संपन्न होने वाला यह 68वां विवाह है। संगठन की ओर से बताया गया कि बालिग युवक-युवतियों के आपसी प्रेम, सहमति और वैधानिक अधिकारों का सम्मान करते हुए विवाह संपन्न कराने में सहयोग किया जाता रहा है। संगठन ने नवविवाहित जोड़े के सुखद एवं उज्ज्वल वैवाहिक जीवन की मंगलकामना की।

25 लाख रुपये न देने पड़े इसलिए की थी युवक की हत्या, मुठभेड़ में दो आरोपी गिरफ्तार, गोली लगने से घायल

आंवला (बरेली)। बरेली में आंवला थाना पुलिस ने सोमवार सुबह मुठभेड़ के बाद युवक की हत्या के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान दोनों आरोपी गोली लगने से घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने उनके कब्जे से दो तमंचे, चार कारतूस और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार, रविवार रात करीब 8:45 बजे आंवला कस्बे में गोली चलने की सूचना मिली थी। अकरम (22) और उनके पिता अशरफ (55) अपने फार्म हाउस से घर लौट रहे थे, तभी उन पर हमला हुआ। रास्ते में तौफीक और उसके दो साथियों ने जान से मारने की नीयत से उन पर फायरिंग कर दी। फायरिंग में अकरम के सिर में गोली लगी, जिससे उनकी मौत हो गई। इस मामले में अशरफ अली की तहरीर पर आंवला थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई। पुलिस के मुताबिक जांच में अशफाक उर्फ चौड़ा व विकास यादव के नाम प्रकाश में आए। एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तीन पुलिस टीमें गठित की थीं। आंवला पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि हत्या के आरोपी बंजरिया के जंगल में छिपे हैं। पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर घेराबंदी की और आरोपियों से आत्मसमर्पण के लिए कहा। इस पर आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। आरोपियों की फायरिंग में हेड कांस्टेबल कामेश्वर सिंह और उपनिरीक्षक शुभम कुमार के बाजू को गोली रगड़ती हुई निकली। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें तौफीक कुरैशी (23) और अशफाक उर्फ चौड़ा (20) घायल हो गए। जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उनका तीसरा साथी विकास यादव जंगल की झाड़ियों का फायदा उठाकर फरार होने में सफल रहा। पूछताछ में तौफीक ने बताया कि उसने अकरम से 25 लाख रुपये के भैंस के पड्डु खरीदे थे, जिनके रुपये उसे देने थे। रुपये न देने पड़े, इस उद्देश्य से उसने अपने साथियों के साथ मिलकर अकरम की हत्या की साजिश रची थी। 15 नवंबर को गोली मारने के बाद तीनों फरार हो गए। 16 नवंबर को छिपते-छिपाते भागने की फिराक में थे, तभी पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

NAME CHANGE

I,Rinku Kumar S/O Jagdish Kumar R/O H.No-E-632/7 C, Sangam Vihar Pushpa Bhawan Delhi-110062 I Have Changed My Name Rinku Kumar To Rinku All Future Purpose

NAME CHANGE

It is for general information that I SARTHAK SINGH S/O PRITHVI SINGH C-44, Arya Nagar Apartment, Plot No-91, I.P Extn. Patparganj, Shakarpur, East Delhi, Delhi-110092 declare that name of my father has been wrongly written as PRATHVI SINGH in my Pan Card No-IPIPS5598G, Driving Licence No-DL-1320130150806 and all educational documents. The actual name of my father is PRITHVI SINGH. which may be amended accordingly

NAME CHANGE

I, RAKHI D/O ARJUN SINGH R/O WZ-810 PLOT NO-16A/18 NAVYUG BLOCK VISHNU GARDEN TILAK NAGAR DELHI-110018 have changed my name to RAKHI KAUR for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Abhishek Kotnala S/o Anil Kotnala R/o RZ-52, Gali No-6, Kailash Puri, Palam Village, Delhi-110045, hereby undertake that I, Abhishek Kotnala want to change my name to Ayesha and Gender as FEMALE

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Mr. Satya Pal Singh Choudhary & Mr. Abhishek are the owner and in possession of a Freehold Residential Residential Property No. WZ-1390C, area measuring 100 Sq. Yds., out of Khasra No. 263(6-2), Khewat No. 9, Khatoni No. 29 Situated at Nangal Raya, New Delhi, Our client acquired the said property by virtue of Relinquishment Deed Dated 21.05.2013 duly registered in the SRO- IX New Delhi/Delhi, Vide Doc No. 5278, in Book No. 1, Vol. No. 7104, on Pages 177 to 181, dated 21.05.2013.., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. (1) SMC of Late Mr. Jitendra Kumar S/o Mr. Rattan Singh died on dated 21.10.2006., (2) SMC of Late Mr. Satyaveer Singh S/o Mr. Rattan Singh died on dated 22.09.2008 & (3) SMC of Late Mr. Rattan Singh S/o Mr. Handa Ram died on dated 06.11.2012 Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property., and Second Floor, without roof rights, sold to be Mrs. Geetanjali and the said property to be financed/ mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch: Pitampura New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
1/566-A, Ground Floor,
Sector-1, Vaishali,
Ghaziabad, Uttar
Pradesh-201010.
Contact at
09958871432

NAME CHANGE

I, Army No. 15737237N Rank-NK Name-SATENDRA SINGH TOMAR legal father of KARTIK R/o ENDORI, PO-GOHAD, DIST-BHIND, MADHYA PRADESH-477116, have changed my minor son's name from KARTIK to KARTIK SINGH TOMAR for all future purposes vide affidavit dated 13/11/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I SHANKAR LAL CHOUDHARY S/O LUXMI DUTT CHOUDHARY R/O B-1, 2ND FLOOR, KRISHNA APARTMENT, KISHANGARH, VASANT KUNJ, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110070. have changed my name to SHANKAR CHOUDHARY for all purposes.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mohammad Dilshad S/o Mr. Aslam Ahmed is the owner of Freehold Residential House of land area measuring 50 Sq. Yds., i.e., 41.805 Sq. Mtrs., out of Khasra No. 18, Sitauted at Shankar Vihar, Khoda Colony, Pargana Loni, Tehsil & District Ghaziabad, U.P. by virtue of Regd. GPA dated 08.02.2022, duly regd. Vide Doc. No. 809, in Book No. 4, Vol. No. 1236, on Pages No. 37-54, on dated 08.02.2022, in the office of SR- Sadar II, Ghaziabad., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. Death Certificate & SMC of Late Mr. Hukam Chand., now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and Same Property sold to Mr. Kaushal Kumar and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Laxmi Nagar New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 15 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
1/566-A, Ground Floor,
Sector-1, Vaishali,
Ghaziabad, Uttar
Pradesh-201010.
Contact at
09958871432

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 (2) (ii) Cr. P.C. देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **देवेन्द्र पुत्रः** नन्दू, **निवासः** गली नं. 06, राज नगर कॉलोनी, गाज़ियाबाद, यूपी एवं 913, ब्लॉक–डी, राज नगर लोनी, गाज़ियाबाद, यूपी ने **FIR No. 26710/2021 U/s 379/411 IPC., थानाः कृष्णा नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **देवेन्द्र** मिल नही रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **देवेन्द्र** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 26710/2021 U/s 379/411 IPC., थानाः कृष्णा नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **देवेन्द्र** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **22.01.2027** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
पी. भार्गव
एमएम-01, (एसएचडी), कमरा नं. 03
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/15391/SHD/2026
(Court Notice)

NAME CHANGE

I, Army No.-6502535A, Rank-NK/ASH Name- BHIM BAHADUR LAMA permanent resident of VILL-NATHUN MAITHONG, PO-CHIKRAJAN, TEHSIL-DIGBOI, DISTT-TINSUKIA, ASSAM-786160, have changed my mother's name from PURNIMA LAMA to PANMATI TAMANG for all future purposes vide Affidavit dated 19/11/2026 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE

I, Km Vinita Paliwal W/O Rupendra Sharma R/O Flat No-C-403,Stellar Mi Citihomes, Sector Omicron-3,greater Noida, Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh 201310 Have Changed My Name to Vinita Sharma for All Future Purposes.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि स्वर्गीय श्री कुंदन लाल बजाज की सुपुत्री सुश्री द्रौपदी देवी बजाज और श्री हीरा लाल अरोड़ा की पत्नी श्रीमती दर्शन अरोड़ा, फ्रीहोल्ड संपत्ति (संख्या 9-7/46, प्लॉट संख्या 46, क्षेत्रफल 161 वर्ग गज, ब्लॉक 9-A, खसरा संख्या 924/761, W.E.A., करोल बाग, नई दिल्ली) के पूरे दूसरी मंजिल (बिना छत/टेरेस के अधिकारों के) की मालकिन हैं। यह स्वामित्व 18.05.2009 की सेल डीड (बिक्री विलेख) के आधार पर है, जिसे रूह्ा चड्ढा ब्रदर्स (P) लिमिटेड के निदेशक श्री मंजीत सिंह द्वारा निष्पादित किया गया था। यह दस्तावेज 18.05.2009 को SRO-III, नई दिल्ली में पंजीकृत है (दस्तावेज संख्या 3543, बुक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 13210, पृष्ठ 129-136)। संपत्ति की इस श्रृंखला से संबंधित 18.05.2009 की मूल सेल डीड खो गई है (खोने की तिथि: 14.01.2016, स्थान: ॥ 9/46, दूसरी मंजिल]। इस संबंध में 18.11.2026 को ऑनलाइन FIR (L.A.R. संख्या: 806688/2026) दर्ज कराई जा चुकी है। इस संपत्ति के लिए SMFG इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा फाइनेंस (ऋण) दिया जा रहा है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति का इस संपत्ति पर कोई दावा, अधिकार, हक या किसी प्रकार का विवाद है, तो कृपया इस सूचना के 15 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot no. 20, Koushambhi
near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL:
sgassociatespl@gmail.com,
Ph: 8130309204

NAME CHANGE

I,Indu Bhati alias Indra Nagar D/o Rampat Singh Nagar W/o Narender Kumar R/o D D- 222, Avantika, Ghaziabad, Kavi Nagar, Uttar Pradesh - 201002 have changed my name and shall hereafter be known as Indra Nagar

NAME CHANGE

I Jitander Singh Anand s/o Bhagat Singh R/o Plot No 398, Ground Floor ,Kohat Enclave,Pitampura ,Delhi -110034 ,India ,have changed my name to Jitender Singh Anand for all future purposes

NAME CHANGE

I Arleen Anand D/o Swinder Singh Sethi R/o Plot No 398, Ground Floor ,Kohat Enclav ,Pitampura ,Delhi -110034 ,India ,have changed my name to Arleen Kaur for all future purposes .

NAME CHANGE

I, Kartikay S/O Saroj Tripathi, Flat 1521 Floor 15, Block D , Hind Apartment Near Mansa Devi temple Pocket 1B Sector A1 -A4 Narela Dist : North West Delhi Pin:110040 Have Changed My Name To Kartikay Tripathi For All The Future Purposes.

NAME CHANGE

I hitherto known as BHUVA LABHUBEN W/O KANJIBHAI B BHUVA R/O C-141, S/F, Block-C, Pandav Nagar, Laxmi Nagar, East Delhi, Delhi-110092 have changed my name and shall hereafter be known as LABHUBEN KANJIBHAI BHUVA.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Sonam D/O Ramesh, R/O HNo -154, Mubarak Pur Dabas, North West Delhi, Delhi, 110081, have changed my name and shall hereafter be known as, SONAM SANGWAN.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती अनुपमा (पत्नी श्री घन श्याम शर्मा) खसरा नंबर 21/2 में से 46 वर्ग गज के भूखंड की मालकिन थीं। यह अधिकार उन्हें श्री जगत सिंह (पुत्र श्री शिव करण) द्वारा निष्पादित और SRO-दिल्ली में पंजीकृत (दस्तावेज संख्या 36631, बुक संख्या 4, वॉल्यूम संख्या 5951, पृष्ठ 76-77, दिनांक 09.07.1999) पंजीकृत GPA, ATS और वसीयत के माध्यम से प्राप्त हुआ था। इस प्रॉपर्टी चेन में 09.07.1999 की मूल पंजीकृत GPA ओर 15.06.2006 की नोटरीकृत GPA खो गई हैं। इसके अलावा, श्री अवधेश कुमार (पुत्र श्री स्वामी दयाल) खसरा नंबर 21/2 में स्थित 46 वर्ग गज की निर्मित संपत्ति के मालिक थे। यह संपत्ति गांव करावल नगर, गली नंबर 7, हनुमान मंदिर के पास, वेस्ट करावल नगर, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110094 में स्थित है। यह अधिकार उन्हें श्री परवीन कुमार (पुत्र श्री ओम प्रकाश) द्वारा निष्पादित नोटरीकृत GPA, ATS और वसीयत के माध्यम से प्राप्त हुआ था। इस प्रॉपर्टी चेन में श्री परवीन कुमार (पुत्र श्री ओम प्रकाश) द्वारा श्री अवधेश कुमार (पुत्र श्री स्वामी दयाल) के पक्ष में बनाई गई मूल नोटरीकृत वसीयत (दिनांक 15.06.2006) खो गई है। यह दस्तावेज़ 08.01.2021 को, मकान नंबर- 388, गली नंबर 7, वेस्ट करावल नगर, उत्तर-पूर्व दिल्ली के पास खो गए हैं। इस संबंध में पहले ही ऑनलाइन FIR (L.A.R. के तहत) दर्ज कराई जा चुकी है। संख्या: 806221/2026, दिनांक 18.11.2026, जिसके लिए SMFG इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा वित्तपोषण (फाइनेंस) किया जाना है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि उक्त संपत्ति पर किसी का कोई दावा/हित/अधिकार है, या कोई विवाद है, तो कृपया इस सूचना के जारी होने के 15 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें.

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot no. 20, Koushambhi
near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL:
sgassociatespl@gmail.com,
Ph: 8130309204

NAME CHANGE

I, Badailey S/o Abdul Hakim, R/o M - 104/ B - 306, Janata Majdoor Colony, Babbar Pur, North East Delhi - 110053 have changed my name to Baddule for all future.

Public Notice

I,ARABINDA PROSAD SINGH is legally F/O No JC392029Y Rank SUB Name AMARENDRA NATH SINGH of unit FORCE SIGNAL UNIT (55th ROTATION), C/o 56 APO have changed my name from ARABINDA PROSAD SINGH To ARVIND PRASAD SINGH & Incorrect DOB is 01-07-1955 Correct DOB is 01-03-1956 Affidavit Dtd - 13-11-2026 Delhi.

PUBLIC NOTICE

This is for information of General Public that My client Mr. Siddhant Singhal is purchasing the Freehold Residential Private Flat bearing No. S-2 on Second Floor without roof/terrace rights (Front Side/Left Portion), area measuring 1000 sq. ft. (approx.), built on Built-up Property bearing 50 now known as 50-A, Out of Khewat No. 62 & Khasra No. 75 situated at Mauja Humayun Pur Colony known as Arjun Nagar, New Delhi-110029. (said property). from Mr. Anil Kumar Singh S/o Mr. Jai Govind Singh, who has lost Original Sale Deed dated 12.07.2006 executed by M/s Times Buildcon Limited, in favour of (1) Mr. Ravi Shankar S/o Mr. Kulanand Mathpal, (2) Mr. Kulanand Mathpal S/o Late Mr. Damodar Prashad & (3) Mrs. Mamta Mathpal W/o Mr. Ravi Shankar having Serial No. 9178 in Bahi No. 1, Jild. No. 2984 on pages 148/158, on dated 12.07.2006 registered with the office of the Sub Registrar-III, Ghaziabad, in relation to said property. In case anybody finds the above said documents and any person having any claim/s in respect of the above said property in any manner whatsoever are hereby required to give notice of the same to the undersigned at the address given below within 7 days from the date of publication hereof together with copies of documents on the basis of which such claim be deemed and if there is no claim received against the said property then my client may proceed with its intended object as mentioned above.

RAJESH K GUPTA Advocate
F-42 & 43, Dilshad Colony,
Delhi- 110095.
9911440912..
rgadvpnprime21@gmail.com

NAME CHANGE

It is for general information that I, MONIKA JAGAT W/o SANDEEP KUMAR R/o A-086, XU3, Greater Noida, Budh Nagar, Greater, Gautam, Greater Noida, Po: Knowkdge Park-I, Dist,: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201310, declare that name of mine has been wrongly written in my minor Daughter namely TANISHI SINGH aged 16 years in her 10th Class Educational Documents Roll No. 19191884 and in her Birth Certificate Registration No. 887 as MONIKA.The actual name of mine is MONIKA JAGAT, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I,CHETANYA PRATAP SINGH S/o NAWAB SINGH R/o H. No-9 A, Gali No-1, New Friends Colony Sector - 23 Sanjay Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh -201002, have changed the name of my minor daughter AIKANSHI SINGH aged 02 years and she shall hereafter be known as AISHWARYA SINGGH

NAME CHANGE

I hitherto known as SAMAD S/o Ali Hasan, R/o House No. 542, Gali No. 5, Vijay Nagar Nai Rori Modinagar, Rori, PO Govindpuri, Distt. Ghaziabad, Uttar Pradesh-201201, have changed my name and shall hereafter be known as MANISH. I have changed my name only, not my religion.

NAME CHANGE

I Km Neelam Tomar D/o Randhir Singh R/o Villege Santnagar, Binauli, Baghpat, Uttar Pradesh-250645 inform that Km Neelam Tomar and Neelam Tomar Both name are one and the same person.

NAME CHANGE

I,hitherto known as sanjeev Rustogi S/O Dharam Chand Rustogi, R/O C-8/88, KESHAV PURAM, North West Delhi, Delhi -110035, have changed my name and shall hereafter be known as Sanjeev Rustagi.

NAME CHANGE

I hitherto known as SHANTANU SAMDARSHI S/O UMESH CHANDRA PANDEY R/O FLAT NO-11110, TOWER 7, SOCIETY GH-7, CROSSING REPUBLIC, GHAZIABAD, PO-CROSSING REPUBLIK, DIST-GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201016, have changed my name and shall hereafter be known as SHANTANU PANDEY.

NAME CHANGE

I, hitherto known as MADHULIKA SINHA alias MADHU RANI PRASAD W/O AJAY KUMAR SINHA D/O RADHA KRISHN PRASAD R/O FLAT NO -1202, TOWER-10, Exotica , Dreamville, Sector -16C, Greater Noida West, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201009 have changed my name and shall hereafter be known as MADHU RANI PRASAD.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी / 84–भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **फरीदुज्जमां खान, पता 35–ए, पहली मंजिल, गली नंबर 6, राजेंद्र नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश ने सीसी एनआई एक्ट सं. 2758/2021 धारा 138 एनआई एक्ट के तहत** थानाः लाहोरी गेट, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **फरीदुज्जमां खान** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **फरीदुज्जमां खान** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **सीसी एनआई एक्ट 2758/2021 धारा 138 एनआई एक्ट के तहत** थानाः लाहोरी गेट, दिल्ली **के उक्त फरीदुज्जमां खान** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष

संक्षिप्त डायरी

लेजरवैली पार्क में सौंदर्यीकरण को लेकर लगी ग्रिल चोरी

एजेंसी

गुरुग्राम। सेक्टर-29 स्थित लेजरवैली पार्क में सौंदर्यीकरण को लेकर लगाई ग्रिल चोरी हो चुकी है। इस सिलसिले में नगर निगम के उप महापौर अनूप सिंह ने जीएमडीए सीईओ को शिकायत दी है। उनसे आग्रह किया है कि पार्क का सौंदर्यकरण करवाया जाए। साथ ही साथ सुरक्षा कर्मी को नियुक्त किया जाए। नगर निगम के उप महापौर अनूप सिंह के मुताबिक लेजरवैली पार्क की सुरक्षा व्यवस्था और सरकारी संपत्ति के संरक्षण में गंभीर लापरवाही और अनियमितता सामने आई है। इस पार्क में सौंदर्यकरण के लिए हाल ही में लोहे के ग्रिल लगाए गए थे, जिन्हें उखाड़ा जा चुका है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जिस कंपनी को इस ग्रिल को लगाने का ठेका दिया था, उसकी कार्यप्रणाली की भी जांच की जानी चाहिए। ग्रिल को मजबूती के साथ नहीं लगाया गया, जिससे वह आसानी से उखड़ गए। इससे ऐसा लग रहा है कि कंपनी और चोरों के बीच मिलीभगत थी। जांच और ग्रिल मजबूत लगाने की मांग सिंह के मुताबिक उन्होंने सीईओ से मांग की है कि इस मामले की जांच करवाई जाए। कंपनी को आदेश दिए जाएं कि ग्रिल को मजबूती से लगाया जाए। कंकरीट की फाउंडेशन तैयार की जाए। इन ग्रिलों को वेल्डिंग के माध्यम से जोड़ा जाए। कंपनी की भूमिका और कार्य की गुणवत्ता की जांच कराई जाए। जांच में दोषी पाए जाने पर कंपनी को ब्लेकलिस्ट किया जाए। सिंह ने बताया कि उन्होंने मांग की है कि पार्क में सुरक्षा कर्मी की नियुक्ति की जाए, जिससे की चोरी की वारदातों से भविष्य में बचा जा सके। केओडी का मुख्य गेट भी चोरी केओडी भी चोरों के निशाने पर लेजरवैली पार्क के बिल्कुल समीप स्थित केओडी भी चोरों के निशाने पर है। पिछले महीने तक केओडी का मुख्य गेट था, जिसे भी अब चोर काटकर ले गए हैं। केओडी परिसर में चोरों का जमावड़ा रहता है। इसकी जानकारी होने के बावजूद एचएसवीपी के संपदा अधिकारी दो कार्यालय की तरफ से इस सिलसिले में गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है।

कम मुआवजा मिलने के विरोध में महापंचायत 22 को

एजेंसी

गुरुग्राम। ग्रेटर एसपीआर के लिए जमीन अधिग्रहण की एवज में कम मुआवजा मिलने के विरोध में 22 नवंबर को छह गांवों की महापंचायत होगी। यह पंचायत सुबह 10 बजे राजेश पायलेट चौक पर होगी। बुधवार को भी महापंचायत का आयोजन किया था। करीब 100 लोग मौके पर पहुंच गए थे, लेकिन गांव कादरपुर में युवक की मौत होने की वजह से इसे स्थगित कर दिया गया। गत 13 नवंबर को भूमि अधिग्रहण विभाग ने ग्रेटर एसपीआर के लिए गांव बहरामपुर में करीब 5.26 करोड़ रुपये, उल्लावास में करीब 4.96 करोड़, कादरपुर में 4.92 करोड़, मैदावास में 6.17 करोड़, धुमसपुर में 5.19 करोड़ और बादशाहपुर में 8.25 करोड़ रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा घोषित किया था। ग्रामीणों का आरोप है कि इतनी राशि में तो मेवात में भी प्रति एकड़ जमीन नहीं मिलेगी। इसके विरोध में महापंचायत बुलाई गई थी। ग्रामीणों ने मांग की है कि साल 2026 के रेट के हिसाब से मुआवजा दिया जाए। यदि ऐसा नहीं हो सकता है कि मुआवजा देने की बजाय साल 2013 में एचएसवीपी प्लॉट के रेट के मुताबिक वैकल्पिक प्लॉट दिए जाएं। इस महापंचायत में किसानों को आमंत्रित किया है।

स्कूलों में पीने के पानी की परखी जाएगी गुणवत्ता

एजेंसी

गुरुग्राम। साइबर सिटी गुरुग्राम के नागरिकों और नौनिहालों को पूरी तरह स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में नगर निगम ने एक अहम कदम उठाया है। जलापूर्ति व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से निगम आयुक्त डॉ. पंकज ने इंजीनियरिंग विंग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे नगर निगम के अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी वाटर बूस्टिंग स्टेशनों का शीघ्र निरीक्षण करें और वहां की व्यवस्थाओं की बारीकी से जांच सुनिश्चित करें। इसके अलावा शहर के सभी स्कूलों में पीने के पानी के नमूने लेकर उसकी गुणवत्ता की जांच करने के निर्देश दिए हैं। निगमायुक्त ने विशेष रूप से सभी वाटर बूस्टिंग स्टेशनों पर नियमित क्लोरिनेशन करवाने के कड़े निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट किया है कि बूस्टिंग स्टेशनों के परिसरों में साफ-सफाई, स्वच्छता और रख-रखाव पर विशेष ध्यान दिया जाए। निरीक्षण के दौरान यदि किसी भी प्रकार की खामी या सुधार की आवश्यकता पाई जाती है, तो संबंधित अधिकारी समयबद्ध तरीके से उसे दूर करें, ताकि आपूर्ति होने वाले पानी की शुद्धता में कोई कमी न आए। स्कूलों के पेयजल की गुणवत्ता जांच प्रशासन ने बच्चों के स्वास्थ्य को सर्वोपरि रखते हुए शहर के स्कूलों में भी पेयजल की गुणवत्ता की जांच करने का निर्णय लिया है। इसके तहत स्कूलों से पेयजल के नमूने (सैंपल) एकत्र कर उनकी जांच कराई जाएगी, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि विद्यार्थियों को मिलने वाला पानी पूरी तरह सुरक्षित है। यदि जांच में किसी प्रकार की कमी पाई जाती है, तो तत्काल सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। निगम आयुक्त डॉ. पंकज ने अधिकारियों को चेतावनी दी है कि जलापूर्ति से जुड़े इन कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नगर निगम का यह निरंतर प्रयास है कि शहर के बुनियादी ढांचे का बेहतर रख-रखाव कर नागरिकों को उच्च स्तर की जनसुविधाएं प्रदान की जाएं।

कॉलेजों में उच्च शिक्षा की वास्तविक स्थिति जानने के लिए जुटाया जाएगा डेटा

एजेंसी

गुरुग्राम। साइबर सिटी गुरुग्राम में उच्च शिक्षा का दायरा लगातार बढ़ रहा है। यहां सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों के साथ बड़ी संख्या में महाविद्यालयों में विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे हैं। ऐसे में जिले में उच्च शिक्षा की वास्तविक स्थिति, विद्यार्थियों की संख्या, शिक्षकों की उपलब्धता, पढ़ाए जा रहे पाठ्यक्रम और संस्थानों में मौजूद सुविधाओं का आकलन करने के लिए नया कदम उठाया है। इसके तहत गुरुग्राम समेत प्रदेश के सभी पात्र उच्च शिक्षण संस्थानों को अपना पूरा ब्योरा ऑनलाइन उपलब्ध कराना होगा। आंकड़े जमा करने की अंतिम तिथि 10 जनवरी 2027 निर्धारित की गई है। सभी संस्थानों को एआईएसएचई पोर्टल पर उपलब्ध वेब आधारित डेटा संग्रह प्रपत्र भरना होगा। इसमें संस्थान से जुड़ी बुनियादी जानकारी, विद्यार्थियों के दाखिले, शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की संख्या, संचालित पाठ्यक्रम, परीक्षा परिणाम, वित्तीय स्थिति, आधारभूत सुविधाओं, छात्रवृत्ति, शिक्षा ऋण और मान्यता से संबंधित जानकारी मांगी देनी है। सर्वेक्षण का उद्देश्य केवल कॉलेजों से आंकड़े जुटाना नहीं, बल्कि देश में उच्च शिक्षा की वास्तविक तस्वीर सामने लाना है। इसके आंकड़ों से पता चलेगा कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में संस्थानों की उपलब्धता कैसी है, कितने विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे हैं, शिक्षकों और विद्यार्थियों का अनुपात क्या है तथा संस्थानों में किस स्तर की सुविधाएं उपलब्ध हैं। इन जानकारियों के आधार पर उच्च शिक्षा से जुड़ी योजनाएं बनाने, उनकी निगरानी करने और शिक्षा व्यवस्था का मूल्यांकन करने में मदद मिलेगी। गुरुग्राम के लिहाज से भी यह सर्वेक्षण महत्वपूर्ण है। तेजी से बढ़ते शहर में उच्च शिक्षा के नए संस्थान खुल रहे हैं और अलग-अलग पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों की रुचि बढ़ रही है। ऐसे में जिले के संस्थानों से मिलने वाले आंकड़े यह समझने में मदद करेंगे कि उच्च शिक्षा का विस्तार किस दिशा में हो रहा है और आने वाले समय में किन क्षेत्रों में अधिक संसाधनों की जरूरत पड़ सकती है। शिक्षकों की उपलब्धता, विद्यार्थियों के दाखिलों और आधारभूत सुविधाओं से जुड़े आंकड़ों के आधार पर भी स्थिति का आकलन किया जा सकेगा। निदेशालय ने संस्थानों को अपने विश्वविद्यालय और महाविद्यालय स्तर के नोडल अधिकारियों की जानकारी सत्यापित करने के निर्देश दिए हैं। किसी अधिकारी का स्थानांतरण होने या जिम्मेदारी बदलने की स्थिति में पोर्टल पर विवरण अपडेट करना होगा। डेटा भरने के बाद संस्थान को सभी जानकारियों की जांच और पुष्टि करनी होगी। आंकड़ों में किसी तरह की गलती या विसंगति मिलने पर तत्काल सुधार करना होगा।

चार माह का इंतजार खत्म, कल से शुरू होंगे मांगलिक कार्य

एजेंसी

गुरुग्राम। शहर में एक बार फिर शादी-विवाह की रौनक लौटने वाली है। पिछले करीब चार महीने से शुभ मुहूर्त का इंतजार कर रहे परिवारों के घरों में अब शहनाई बजने की तैयारी है। 20 नवंबर यानी शुक्रवार को देवउठनी एकादशी के साथ चातुर्मास समाप्त होगा और मांगलिक कार्यों पर लगा विराम हट जाएगा। इसके बाद शहर में विवाह समारोहों का सिलसिला शुरू होगा। अब शादी वाले घरों में मेहमानों की आवाजाही, खरीदारी और आयोजन की तैयारियां बढ़ गई है। जिन परिवारों ने पहले से विवाह तय कर रखे हैं, वे अब आयोजन स्थल, सजावट, खानपान और अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटेंगे। ऐसे में एकादशी के दिन करीब 1500 शादियां शहर में होने की उम्मीद है। जिनके एडवांस बुकिंग पहले से ही की हुई है। देवउठनी एकादशी का धार्मिक महत्व करीब 123 दिन के अंतराल के बाद विवाह के शुभ मुहूर्त शुरू हो रहे हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, आषाढ़ शुक्ल पक्ष की देवशयनी एकादशी पर



भगवान विष्णु योगनिद्रा में चले जाते हैं। इसके बाद चातुर्मास के दौरान विवाह जैसे मांगलिक कार्य नहीं किए जाते। कार्तिक शुक्ल पक्ष की देवउठनी एकादशी पर भगवान विष्णु के जागने के साथ यह अवधि समाप्त होती है। इस बार एकादशी तिथि 20 नवंबर को सुबह 7:16 बजे शुरू होकर 21 नवंबर को सुबह 6:32 बजे तक रहेगी। ऐसे में 20 नवंबर को देवउठनी एकादशी मनाई जाएगी। शादी के सीजन से कारोबार को उम्मीद गुरुग्राम में इन तिथियों के चलते नवंबर के अंतिम सप्ताह और दिसंबर के पहले पखवाड़े में विवाह आयोजनों की गतिविधियां बढ़ने वाली है। खासकर शनिवार और रविवार के आसपास आयोजन करने वाले परिवारों के लिए विवाह स्थल और अन्य व्यवस्थाओं की योजना महत्वपूर्ण रहेगी। शहर में विवाह समारोहों का आकार बड़ा होने के कारण एक आयोजन से कई तरह के कारोबार जुड़े हैं। बैंक्वेट हॉल, होटल, मैरिज गार्डन, कैटरिंग, फूल विक्रेता, बैंड-बाजा, घोड़ी, मेकअप कलाकार और सजावट का काम करने वालों को इस सीजन से काम मिलने की उम्मीद है। विवाह आयोजनों से बाजार को लाभ शहर में होने वाले विवाह समारोहों में खानपान से लेकर सजावट तक पर बड़ी संख्या में लोग काम करते हैं। विवाह स्थलों में आयोजन के लिए टेंट, मंच, रोशनी, फूलों की सजावट और खाने की व्यवस्था की जाती है। इसके अलावा दूल्हा-दुल्हन के कपड़ों, आभूषणों, उपहारों और अन्य खरीदारी से बाजार को भी लाभ मिलेगा। ऐसे में शादी का सीजन शुरू होना केवल विवाह वाले परिवारों के लिए ही नहीं, बल्कि इससे जुड़े छोटे-बड़े कारोबारियों के लिए भी महत्वपूर्ण है। तुलसी विवाह की परंपरा 21 नवंबर को तुलसी विवाह, घरों में सजेगा गन्ने का मंडपः देवउठनी एकादशी के अगले दिन 21 नवंबर को तुलसी विवाह की परंपरा निभाई जाएगी। इस दिन घरों और मंदिरों में तुलसी के पौधे को दुल्हन की तरह सजाकर भगवान शालिग्राम के साथ विवाह कराया जाता है। गन्ने का मंडप बनाकर उसमें तुलसी और शालिग्राम की पूजा की जाती है। शाम को दीप जलाए जाते हैं

गुरुग्राम में होगा दो दिवसीय शहरी निकाय सशक्तिकरण राष्ट्रीय सम्मेलन

एजेंसी

नोएडा। हरियाणा में पंचायती राज संस्थाओं और शहरी स्थानीय निकायों को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन गुरुग्राम में आयोजित होगा। शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय द्वारा जारी ताजा आदेशों के अनुसार, अब यह प्रतिष्ठित सम्मेलन 18-19 नवंबर के स्थान पर 23 और 24 नवंबर को गुरुग्राम विश्वविद्यालय के परिसर में आयोजित किया जाएगा। स्थानीय निकायों से स्थानीय सरकारों की ओर विषय पर आधारित इस सम्मेलन का आयोजन पहले पंचकूला के रेड बिशप में प्रस्तावित था। स्वर्ण जयंती हरियाणा वित्तीय प्रबंधन संस्थान से प्राप्त सूचना के बाद निदेशालय ने इसमें संशोधन किया है। स्थान परिवर्तन के साथ ही प्रशासनिक जिम्मेदारियों में भी बदलाव किया गया है। पूर्व में पंचकूला नगर निगम के आयुक्त इसके नोडल अधिकारी थे, लेकिन अब सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति के बाद गुरुग्राम नगर निगम के आयुक्त को इस राष्ट्रीय सम्मेलन का नया नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उन्हें सम्मेलन की संपूर्ण व्यवस्थाओं के साथ शहरी स्थानीय निकायों के लगभग 120 निर्वाचित प्रतिनिधियों और निदेशालय के 15 वरिष्ठ अधिकारियों के ठहरने व अन्य लॉजिस्टिक प्रबंधों को समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। सम्मेलन में देश भर के निकायों से निर्वाचित लोग पहुंचेंगे। जिनको अपने निकाय को कैसे सशक्त बनाया जा सकता है इसको लेकर जागरूक किया जाएगा। इसको लेकर विभिन्न सफल निकायों के उदाहरण और कैसे आय बढ़ाते हैं क्या तरीके होंगे इसको लेकर भी जानकारी दी जाएगी। तकनीकी समन्वय के लिए नई नियुक्तियां सम्मेलन के यूएलबी ट्रैक के सुचारू संचालन के लिए अब गुरुग्राम नगर निगम के दो वरिष्ठ अधिकारियों संयुक्त आयुक्त प्रीतपाल और मुख्य अभियंता विजय ढाका को तकनीकी अधिकारी नामित किया गया है। वे एसजेएचआईएफएम के अधिकारियों के साथ मिलकर समन्वय स्थापित करेंगे। निगम की तरफ से इसको लेकर तैयारियां शुरू कर दी है।

अनाज मंडी में इस वर्ष 15 हजार क्विंटल कम हुई बाजरे की आवक

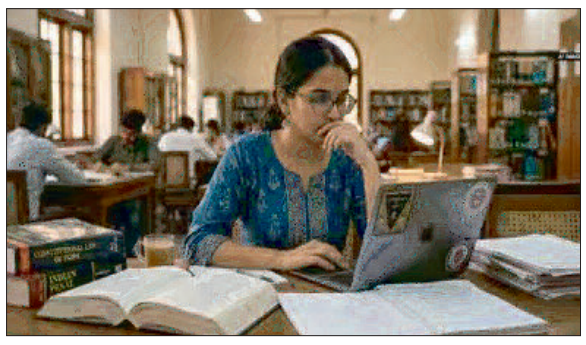
एजेंसी

सोहना। स्थानीय अनाज मंडी में इस वर्ष बाजरे की आवक में भारी गिरावट दर्ज की गई है। वर्ष 2025 की तुलना में 2026 में बाजरे की आवक 15 हजार क्विंटल कम रही है, जिससे मार्केट कमेटी को भी राजस्व का नुकसान उठाना पड़ा है। कृषि विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी अनिल वर्मा के अनुसार, इस सीजन में मंडी में करीब ढाई महीने तक चली सरकारी खरीद के दौरान कुल 50,900 क्विंटल बाजरे की आवक दर्ज की गई, जबकि बीते वर्ष 2025 में यह आंकड़ा करीब 65 हजार क्विंटल के आसपास रहा था। सोहना और बादशाहपुर तहसील क्षेत्र में कृषि पैदावार कम होने और अनाज मंडी में आवक घटने के पीछे कई मुख्य कारण जिम्मेदार माने जा रहे हैं। सबसे पहला सोहना और बादशाहपुर क्षेत्र में तेजी से बढ़ता शहरीकरण, कॉलोनियों और रिहायशी सोसाइटियों का विस्तार कृषि योग्य भूमि को लगातार निगल रहा है। क्षेत्र के 75 गांवों में कुल 30,590 हेक्टेयर कृषि भूमि है, जिसमें से 1,209 हेक्टेयर जमीन पर किसी प्रकार की पैदावार नहीं होती और केवल 18,500 हेक्टेयर जमीन पर ही विभिन्न फसलों की खेती की जा रही है। उपजाऊ जमीन का इस तरह कम होना भविष्य के लिए खतरे की घंटी है। दूसरा बाजरे की फसल की बिजाई के समय हुई रुक-रुक कर बारिश ने भी पैदावार को प्रभावित किया, जिससे कुल उत्पादन पर असर पड़ा। राजस्व विभाग के पटवारियों द्वारा बाजरे की फसल का सही से और पूर्ण पंजीकरण न किया जाना भी किसानों और विभाग के लिए घाटे का सौदा साबित हुआ। विशेषज्ञों का मानना है कि कृषि योग्य जमीन पर आवासीय क्षेत्रों और व्यावसायिक गतिविधियों का तेजी से कब्जा होना आने वाले समय में खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण दोनों के लिए एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।

अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए मिलेगा आर्थिक सहारा

एजेंसी

गुरुग्राम। कई बार प्रतिभा और पढ़ाई में अच्छे होने के बावजूद आर्थिक स्थिति विद्यार्थियों के सपनों के आगे दीवार बन जाती है। कोई छात्र मनचाहे कॉलेज में दाखिला नहीं ले पाता तो किसी को उच्च शिक्षा के लिए दूसरे शहर या विदेश जाने का सपना छोड़ना पड़ता है। अब ऐसे विद्यार्थियों के लिए शिक्षा का रास्ता आसान बनाने की पहल की गई है। कॉलेजों में अनुसूचित जाति वर्ग के पात्र विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए शिक्षा ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। इसके तहत गुरुग्राम के सरकारी और निजी कॉलेजों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को भी योजना की जानकारी दी जाएगी, ताकि आर्थिक परेशानी के कारण उनकी पढ़ाई प्रभावित न हो। हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम (एचएसएफडीसी) की ओर से संचालित शिक्षा ऋण योजना के माध्यम से पात्र विद्यार्थी भारत और विदेश में मान्यता प्राप्त व्यावसायिक एवं तकनीकी पाठ्यक्रमों की पढ़ाई के लिए आर्थिक



सहायता प्राप्त कर सकेंगे। खास बात यह है कि योजना का लाभ केवल कॉलेजों में पहले से पढ़ रहे विद्यार्थियों तक सीमित जागरूकता के तौर पर नहीं, बल्कि उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने की तैयारी कर रहे संभावित विद्यार्थियों तक भी पहुंचाने पर जोर दिया गया है। इससे जिले के उन विद्यार्थियों को फायदा मिल सकता है, जो आगे पढ़ना चाहते हैं, लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति उनके लिए चुनौती बनी हुई है। योजना के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए उच्चतर शिक्षा विभाग ने निजी विश्वविद्यालयों, सरकारी कॉलेजों, सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेजों और स्ववित्तपोषित कॉलेजों के प्राचार्यों को पत्र जारी किया है। इसमें संस्थानों को अपने यहां पढ़ने वाले अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों तक शिक्षा ऋण योजना की जानकारी पहुंचाने और उन्हें आवेदन प्रक्रिया के बारे में मार्गदर्शन देने के निर्देश दिए गए हैं। इससे गुरुग्राम के सेक्टर-9, सेक्टर-14, सेक्टर-52 समेत जिले के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित सरकारी और निजी उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को योजना के बारे में जानकारी मिल सकेगी। जिले में 10 सरकारी कॉलेज, एक सरकारी यूनिवर्सिटी और 10 प्राइवेट यूनिवर्सिटी हैं। जिसमें हजारों की संख्या में अनुसूचित जाति के छात्र-छात्राएं पढ़ते हैं। कॉलेज प्रबंधन और संबंधित अधिकारी ऐसे विद्यार्थियों की पहचान करेंगे, जिन्हें उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता की जरूरत है। इसके साथ ही उन्हें पात्रता की शर्तों और आवेदन की प्रक्रिया समझाने में मदद की जाएगी। योजना का दायरा व्यावसायिक और तकनीकी शिक्षा तक रखा गया है। इसके तहत पात्र अनुसूचित जाति के विद्यार्थी भारत के साथ विदेश में भी मान्यता प्राप्त संस्थानों में उच्च शिक्षा के लिए ऋण ले सकते हैं। ऐसे में गुरुग्राम के वे विद्यार्थी जो तकनीकी, व्यावसायिक या अन्य मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रमों में आगे बढ़ना चाहते हैं, उनके लिए यह योजना आर्थिक मदद का एक विकल्प बन सकती है।

प्रदूषण की रोकथाम के लिए विभागों में महामंथन होगा

एजेंसी

गुरुग्राम । एनसीआर में लगातार बढ़ते वायु प्रदूषण की रोकथाम और ग्रैप के नियमों को पूरी सख्ती से लागू करने के लिए गुरुग्राम जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। वायु प्रदूषण के इस गंभीर मुद्दे पर मंथन करने के लिए उपायुक्त की अध्यक्षता में गुरुवार को दोपहर तीन बजे लघु सचिवालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में एक उच्चस्तरीय संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय द्वारा जारी आधिकारिक नोटिस के अनुसार, इस बैठक में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के दिशा-निर्देशों, धूल नियंत्रण और ठोस कचरा प्रबंधन की जमीनी हकीकत की कड़ी समीक्षा की जाएगी। प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे पिछली बैठकों में लिए गए निर्णयों की एक्शन टेकन रिपोर्ट निर्धारित प्रारूप में अनिवार्य रूप से ई-मेल के जरिए भेज दें। प्रशासनिक कामकाज में सुगमता और बेहतर समन्वय के लिए वायु गुणवत्ता, प्री-विंटर तैयारियों, निर्माण एवं विध्वंस धूल, लैंडफिल आग, पटाखों पर प्रतिबंध और स्कूल-खेल से जुड़ी छह अलग-अलग बैठकों को एक ही संयुक्त मंच पर समाहित किया गया है। बैठक के मुख्य बिंदु और एजेंडा शहर में 500 वर्ग मीटर से बड़े सभी निर्माण प्रोजेक्ट्स का हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड पोर्टल पर पंजीकरण, लाइव डैशबोर्ड के साथ पीएम 2.5/10 सेंसर और वीडियो फेंसिंग अनिवार्य है। इसके अलावा, पांच हजार वर्ग मीटर से बड़े प्रोजेक्ट्स पर क्षेत्रफल के आधार पर 1 से 4 एंटी-स्मॉग गन की तैनाती की समीक्षा की जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने वाली निर्माण साइटों को सील करने और भारी पर्यावरणीय जुमार्ना वसूलने की रिपोर्ट भी तलब की गई है। सड़क की धूल और कचरा प्रबंधन सभी सड़क निर्माण एजेंसियों को अपने डस्ट कंट्रोल एंड मैनेजमेंट सेल की मासिक रिपोर्ट, मैकेनाइज्ड स्वीपिंग और पानी के छिड़काव का पूरा ब्यौरा देना होगा। साथ ही, बंधवाड़ी लैंडफिल साइट पर लीगेसी वेस्ट के बायोमाइनिंग की प्रगति, आग की रोकथाम के पुख्ता इंतजाम (जैसे सीसीटीवी, मीथेन डिटेक्टर और फायर टेंडर) तथा खुले में कचरा जलाने वालों पर की गई चालानी कार्रवाई का जवाब मांगा गया है। होटलों और रेस्तरां के तंदूर में कोयले व लकड़ी के उपयोग पर लगे प्रतिबंध की भी जांच होगी। इसके अलावा पटाखे, स्कूल और खेल गतिविधियां की समीक्षा की जाएगी। न्यायालयों के आदेशों की अनुपालना में पटाखों की अवैध बिक्री और भंडारण पर की गई छापेमारी की समीक्षा होगी। वहीं, सीएक्यूएम की एडवाइजरी के तहत नवंबर-दिसंबर 2026 के दौरान होने वाली शारीरिक खेल प्रतियोगिताओं को स्थगित कर नया कैलेंडर जारी करने तथा ग्रैप के तीसरे व चौथे चरण के तहत स्कूलों को हाइब्रिड (ऑनलाइन व ऑफलाइन) मोड में संचालित करने की तैयारियों का भी जायजा लिया जाएगा। यह विभाग होंगे बैठक में शामिल इस उच्चस्तरीय बैठक में नगर निगम गुरुग्राम, नगर निगम मानेसर, जीएमडीए, एचएसवीपी, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, एनएचएआई, पीडब्ल्यूडी, ट्रैफिक पुलिस, अग्निशमन विभाग, शिक्षा विभाग और निजी स्कूल संघों के प्रतिनिधियों सहित कुल 20 प्रमुख विभागों व एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों को तलब किया गया है।

द्वारका एक्सप्रेसवे पर फिर कार सवार परिवार को लूटा, महिला-बच्चों से मारपीट; सीमा विवाद में उलझी पुलिस

एजेंसी

गुरुग्राम । दिल्ली में द्वारका एक्सप्रेसवे लूटपाट की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। अब ताजा मामला महिपालपुर फ्लाईओवर के आगे एनएच-8 के पास का है। यहां 14 नवंबर की रात बदमाशों ने कार सवार एक परिवार को घेर लिया। आरोपियों ने जबरन कार रुकवाई और विरोध करने पर महिला व बच्चों सहित परिवार के सदस्यों से मारपीट की। बदमाश महिला के गले से सोने की चेन और कान की बालियां लूटकर फरार हो गए। इस दौरान परिवार के एक बच्चे के चेहरे पर भी गंभीर चोटें आईं। वारदात के बाद पीड़ित परिवार को दो थानों के बीच सीमा विवाद के कारण इनके चक्कर काटने पड़े। कापसहेड़ा और वसंत कुंज साउथ थाना पुलिस वारदात को एक-दूसरे के इलाके का बताती रहीं। हालांकि, बाद में वसंत कुंज साउथ थाने में एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस फिलहाल इस मामले की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित आलोक कुमार सिंह परिवार के साथ गुरुग्राम के सेक्टर-82 स्थित वाटिका सेवन लैम्प्स सोसाइटी में रहते हैं। परिवार में पत्नी शौर्या सिंह और दो बेटे शामिल हैं। वह निजी कंपनी में बड़े पद पर हैं। पुलिस को दिए बयान में उन्होंने बताया कि 14 नवंबर की रात वह पत्नी और दोनों बेटों के साथ कार से दिल्ली आ रहे थे। रात करीब 10:40 बजे उनकी कार



द्वारका एक्सप्रेसवे पर महिपालपुर फ्लाईओवर के आगे पहुंची ही थी कि तभी एक दूसरी कार उन्हें ओवरटेक करने लगी। कार सवार छह-सात बदमाशों ने जबरन रास्ते में अपनी गाड़ी आगे लगाकर उन्हें रोक लिया। इसके बाद आरोपियों ने परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित ने बताया कि आरोपियों ने उनकी पत्नी के गले से सोने की चेन और कानों की बालियां छीन लीं। विरोध करने पर उन्हें और परिवार के अन्य सदस्यों को जमकर पीटा। आरोपियों की पिटाई से बच्चों को गंभीर चोटें आईं। आरोपियों ने परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी और फरार हो गए। वारदात के बाद रात करीब 10:52 बजे उनके बेटे ने हेल्पलाइन नंबर पर कॉल कर पुलिस से मदद मांगी। पुलिस की पीसीआर वैन ने घायलों को इंदिरा गांधी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज किया गया।

महिलाओं के लिए एक भी पिंक शौचालय नहीं, 115 में से 50 शौचालय बदहाल

एजेंसी

गुरुग्राम। विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर मिलेनियम सिटी गुरुग्राम के सार्वजनिक और सामुदायिक शौचालयों की जमीनी हकीकत ने प्रशासन और स्वच्छता के सभी दावों की पोल खोल कर रख दी है। एक तरफ सरकारें और प्रशासन महिला सशक्तिकरण, महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण और विशेष पिंक बसें चलाने के बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं, वहीं हरियाणा की आर्थिक राजधानी कहे जाने वाले इस शहर की हकीकत इन दावों को पूरी तरह शर्मसार करने वाली है। शहर की सफाई व्यवस्था और रखरखाव पर हर साल करीब 350 करोड़ रुपये का भारी-भरकम बजट खर्च किया जाता है, इसके बावजूद गगनचुंबी इमारतों और कॉर्पोरेट संस्कृति वाले



इस शहर में महिलाओं के लिए एक भी समर्पित पिंक शौचालय मौजूद नहीं है। नगर निगम गुरुग्राम की ओर से पूरे शहर में कहने को तो करीब 114 सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण कराया गया है, लेकिन इनमें से अधिकांश शौचालयों की स्थिति बेहद दयनीय है। इनमें से लगभग 50 शौचालय ऐसे हैं जो पूरी तरह कंडम हो चुके हैं या उनकी हालत इतनी खराब है कि उनका उपयोग नहीं किया जा सकता। संयुक्त रूप से बनाए गए इन शौचालयों में महिलाओं के हिस्से वाले अधिकांश कमरों पर ताले लटके रहते हैं या वहां गंदगी का अंबार लगा रहता है। निगम द्वारा करोड़ों रुपये के रखरखाव और मरम्मत के टेंडर निजी एजेंसियों को सौंपे जाने के बावजूद जमीनी स्तर पर कोई सुधार देखने को नहीं मिल रहा है। कायदे से सार्वजनिक शौचालयों में पानी, तौलिया, बाल्टी, मग, साबुन, वॉशबेसन और नियमित साफ-सफाई के लिए अटेंडेंट का रजिस्टर होना चाहिए, लेकिन अधिकांश जगहों पर न तो पानी की बूंद है और न ही टूटी-फूटी सीटें व गायब टोंटियां बची हैं। शहर के कई बड़े और अति-व्यस्त बाजारों में सार्वजनिक शौचालयों का नामोनिशान तक नहीं है। राजेंद्रा पार्क बाजार, न्यू कॉलोनी बाजार, सेक्टर-14 मार्केट, सूरत नगर, द्वारका एक्सप्रेसवे के आसपास का क्षेत्र, तथा सेक्टर-4, 5 और 9 के कई हिस्सों में महिलाओं के लिए दूर-दूर तक कोई शौचालय उपलब्ध नहीं है। बाजार में खरीदारी या अन्य कार्यों के लिए आने वाली महिलाओं को भारी मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। शहर के सबसे पुराने और व्यस्त सदर बाजार में स्थिति सबसे ज्यादा भयावह है। रोजाना हजारों की संख्या में महिलाएं यहां खरीदारी के लिए पहुंचती हैं। बाजार के डाकखाना चौक पर बने सार्वजनिक शौचालय के ठीक बाहर स्थानीय दुकानदारों और रेहड़ी-पटरी वालों ने बड़े पैमाने पर अवैध कब्जा कर रखा है। इस भारी अतिक्रमण और भीड़भाड़ के कारण महिलाओं के लिए उस शौचालय तक पहुंचना भी किसी चुनौती से कम नहीं है। मजबूरन महिलाओं को बिना शौचालय के ही घंटों बिताना पड़ता है या घर लौटने का इंतजार करना पड़ता है। रेलवे रोड पर दयानंद कॉलोनी के पास बना सार्वजनिक शौचालय पूरी तरह बदहाल स्थिति में है। इसके बाहर गंदगी के बड़े-बड़े ढेर लगे हैं, अंदर सीटें टूटी हुई हैं और रखरखाव के अभाव में यह असामाजिक तत्वों का अड्डा बन चुका है, जिससे राहगीर खुले में शौच करने को मजबूर हैं। विडंबना यह है कि जिस शहर का पूरा शासन और प्रशासन लघु सचिवालय और जिला कोर्ट परिसर से संचालित होता है, वहां भी स्थिति अलग नहीं है। जिला कोर्ट के गेट नंबर-3 और लघु सचिवालय के प्रवेश द्वार के बाहर बने शौचालयों की हालत बेहद खराब है। यहां हर दिन हजारों की संख्या में महिला वकील, महिला कर्मचारी और महिला फरियादी आती हैं, लेकिन महिलाओं के लिए कोई विशेष और सुरक्षित सुविधा न होने के कारण उन्हें रोज जिल्लत उठानी पड़ती है। शहर में शौचालयों की मरम्मत करवाई जा रही है।

एंथ्रोपिक ने आईपीओ से रचा इतिहास, निवेशकों का एआई पर गहरा भरोसा

नई दिल्ली ।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनी एंथ्रोपिक ने दुनिया का सबसे बड़ा आईपीओ पेश कर शेयर बाजार में इतिहास रचा है। निवेशकों की जबरदस्त मांग के चलते कंपनी के शेयर शुरुआती अनुमानित मूल्य 70-78 डॉलर से कहीं अधिक, 83 डॉलर प्रति शेयर पर अलॉट किए गए हैं। यह एआई तकनीक में बढ़ते वैश्विक भरोसे का स्पष्ट संकेत है, हालांकि कंपनी के सामने अब भी कई बड़ी चुनौतियां हैं।

नैस्डैक पर एएनटी टिकर के तहत कारोबार शुरू करने जा रहे एंथ्रोपिक के एआई मॉडल क्लॉड, विशेषकर क्लॉड कोड की सॉफ्टवेयर डेवलपर्स के बीच लोकप्रियता ने इस सफलता में अहम भूमिका निभाई है। कंपनी की फाइलिंग के अनुसार, 31 अक्टूबर 2026 तक उसका सालाना राजस्व रन रेट 81 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, और 1 लाख डॉलर से अधिक राजस्व वाले ग्राहकों की संख्या में भारी वृद्धि देखी गई है। हालांकि, इस अभूतपूर्व वृद्धि के साथ बड़ी लागतें भी जुड़ी हैं। एआई मॉडल बनाने और चलाने के लिए आवश्यक विशाल कंप्यूटिंग क्षमता व डेटा सेंटर इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च लगातार बढ़ रहा है। 2026 की पहली छमाही में लगभग 9 अरब डॉलर और तीसरी तिमाही में 5 अरब डॉलर के खर्च के कारण कंपनी को तीसरी तिमाही में 567 मिलियन डॉलर का ऑपरेटिंग लॉस हुआ। अमेज़ॉन व गूगल के साथ 900 अरब डॉलर के कंप्यूटिंग खर्च की प्रतिबद्धता भविष्य में भी बड़े निवेश की आवश्यकता दर्शाती है। साथ ही, एंथ्रोपिक को एआई सुरक्षा व तकनीक के तेजी से विकास से जुड़े सवालों से भी निपटना है। अब निवेशकों की नजर नैस्डैक पर एंथ्रोपिक के शेयरों की लिस्टिंग और उनके शुरुआती प्रदर्शन पर टिकी है।

कार्नेलियन का फ्लेक्सी कैप फंड जल्द,निवेशकों को मिलेगा निवेश का मौका

सेबी के पास ड्राफ्ट जमा, 500 रुपए से शुरू कर सकेंगे निवेश

नई दिल्ली ।

म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए खुशखबरी! कार्नेलियन म्यूचुअल फंड एक नई फ्लेक्सी कैप स्कीम कार्नेलियन फ्लेक्सी कैप फंड लाने की तैयारी में है।

इसके लिए ड्राफ्ट दस्तावेज बाजार नियामक सेबी को सौंप दिए गए हैं। यह फंड निवेशकों को विभिन्न बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों- लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप में निवेश का व्यापक अवसर प्रदान करेगा। यह एक ओपन-एंडेड स्कीम होगी, जिसका अर्थ है कि निवेशक अपनी सुविधा अनुसार इसमें कभी भी पैसा लगा या निकाल सकते हैं। फंड मैनेजर के पास बाजार की परिस्थितियों के अनुसार लार्ज, मिड और स्मॉल कैप कंपनियों के शेयरों के बीच निवेश आवंटित करने का पूरा लचीलापन होगा। निवेशक इस स्कीम में न्यूनतम 500 रुपये से शुरुआत कर सकेंगे, जिसके बाद एक रुपये के गुणक में अतिरिक्त निवेश संभव होगा। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) की न्यूनतम राशि भी 500 रुपये रखी गई है, जिसमें दैनिक, साप्ताहिक, मासिक और तिमाही जैसे कई विकल्प उपलब्ध होंगे। दैनिक एसआईपी के लिए कम से कम 30 किस्तों और अन्य विकल्पों के लिए 12 किस्तों की आवश्यकता होगी।

चंदा कोछड़ को बड़ी राहत, हाई कोर्ट ने मुकदमे की मंजूरी रद्द की

निदेशक मंडल को नहीं था अधिकार, आरबीआई के पास है मुकदमा चलाने की मंजूरी देने का हक

नई दिल्ली ।

बंबई उच्च न्यायालय ने आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व प्रबंध निदेशक चंदा कोछड़ को वीडियोकॉन ऋण मामले में बड़ी राहत प्रदान की है।

न्यायालय ने उन पर मुकदमा चलाने के लिए बैंक के निदेशक मंडल द्वारा दी गई मंजूरी को रद्द कर दिया है, यह कहते हुए कि यह अधिकार निदेशक मंडल के पास नहीं बल्कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पास था। अदालत ने स्पष्ट किया कि भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम (पीसी एक्ट) के तहत किसी बैंक के प्रबंध निदेशक के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी देने का अधिकार बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के तहत केवल भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पास है, न कि बैंक के निदेशक मंडल के पास। न्यायालय ने यह भी पाया कि 15 मई, 2023 के मंजूरी आदेश में तथ्यों पर उचित विचार नहीं किया गया था और सबूतों की स्वतंत्र जांच नहीं हुई थी। इसके परिणामस्वरूप, उच्च न्यायालय ने मंजूरी और मामले में विशेष सीबीआई अदालत की ओर से की गई आगे की सभी कार्रवाइयों को रद्द कर दिया। सीबीआई की ओर से इस फैसले पर 8 सप्ताह की रोक लगाने की मांग को भी अदालत ने खारिज कर दिया। चंदा कोछड़ ने पीसी एक्ट की धारा 19 के तहत दी गई इस मंजूरी को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी।

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 989, निफ्टी 286 अंक उछला

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। आज वाहन और बैंक शेयरों में में हुई खरीदारी से भी बाजार को बल मिल मिला। विदेशी फंड्स की लगातार आवक और कमोडिटी की कीमतों में नरमी से भी बाजार ऊपर आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 989.94 अंक उछलकर 83,021.75 पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 286.35 अंक बढ़कर 25,514.30 पर बंद हुआ था।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स पैक में सबसे ज्यादा मारुति सुजुकी के शेयर 7.58 फीसदी उछले। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा , एक्सिस बैंक , हिंदुस्तान यूनिलीवर , भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयर भी उछले। वहीं दूसरी तरफ, आईटी शेयरों में गिरावट रही। , टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और इंटरग्लोब एविएशन (इंडिगो) के शेयर सबसे अधिक गिरे। बाजार की इस तेजी के पीछे विदेशी संस्थागत निवेशकों की खरीदारी का भी बड़ा हाथ रहा। विदेशी निवेशकों ने बुधवार को 5,866.78 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे।

वहीं आज एशियाई बाजारों में मिलाजुला रुख रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी और जापान का निक्केई 225 बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि चीन का शंघाई एएसएफ कंपोजिट और हॉन्गकॉन्ग



का हैंगसेंग गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजारों में भी ज्यादातर तेजी रही।

अमेरिकी बाजारों की बात करें तो उसमें मिला-जुला रुख रहा। डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज 1.11 फीसदी गिरा, एसएंडपी 500 में 0.23 फीसदी की गिरावट आई, जबकि नैस्डैक कंपोजिट 0.42 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ था। वहीं इससे पहले आप सुबह भारतीय शेयर बाजारों में मुनाफावसूली का दबाव देखने को मिल रहा। बेंचमार्क इंडेक्स लगातार दूसरे सेशन में गिर गया है। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 81700 के नीचे फिसल गया है। निफ्टी भी कमजोरी के चलते 25100 तक फिसला।

सोने के भाव में गिरावट,चांदी भी फिसली

सोने का भाव 1,28,858, चांदी का भाव लगभग 1,60,325 रुपए

नई दिल्ली ।

अमेरिकी डॉलर में लगातार मजबूती और फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में तेज बढ़ोतरी की आशंका से सोने-चांदी की कीमतों पर दबाव पड़ रहा है। खबर लिखे जाने के समय दोनों के भाव गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 1,494 रुपये की गिरावट के साथ 1,28,320 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1,29,814 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 956 रुपये की गिरावट के साथ 1,28,858 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 1,59,700 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 2,401 रुपये की गिरावट के साथ 1,60,325 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,60,734 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 997 रुपये की गिरावट के साथ 1,59,737 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के भाव सुस्ती के साथ कारोबार कर रहे हैं। कॉमेक्स पर सोना 3,730.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,741.90 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 26.80 डॉलर की गिरावट के साथ 3,715.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

ईपीएफओ की नई योजना, रिटायरमेंट के बाद पीएफ किस्तों में मिलेगा

- सेवानिवृत्ति के बाद भी खाते में रहेगा पैसा, मिलेगा ब्याज

नई दिल्ली।

रिटायरमेंट के बाद भविष्य निधि (पीएफ) का पैसा एक साथ निकालने के बजाय अब धीरे-धीरे निकालने की सुविधा मिल सकती है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) इसके लिए सिस्टमैटिक विदड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी) लाने पर विचार कर रहा है, जिससे सेवानिवृत्ति के बाद भी आपके पैसे पर ब्याज मिलता रहेगा और नियमित आय सुनिश्चित होगी। ईपीएफओ रिटायरमेंट फंड से पैसा निकालने के लिए अपने सदस्यों को अधिक विकल्प देने की तैयारी में है। प्रस्तावित एसडब्ल्यूपी योजना के तहत, कर्मचारी अपनी जरूरत के अनुसार पीएफ खाते से किस्तों में पैसा निकाल सकेंगे। यह मौजूदा व्यवस्था से अलग होगा, जहां कर्मचारी 55 साल की उम्र में रिटायर होने पर पूरी राशि एकमुश्त निकाल सकते हैं। एसडब्ल्यूपी से यह सुनिश्चित होगा कि रिटायरमेंट के बाद भी आपका फंड निवेशित रहे और उस पर ब्याज मिलता रहे, जिससे आपको नियमित आय का विकल्प मिलेगा। इन अहम प्रस्तावों पर अंतिम निर्णय लेने के लिए ईपीएफओ के सर्वोच्च निर्णय लेने वाले निकाय, सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज की बैठक 19 नवंबर को होने वाली है।

म्यूचुअल फंड निवेशकों का रुझान बदला, लार्जकैप फंडों ने स्मॉलकैप को पछाड़ा

बीते एक महीने में लार्जकैप फंडों ने दिया 9.8 फीसदी का शानदार रिटर्न

नई दिल्ली ।

बीते एक महीने में भारतीय म्यूचुअल फंड बाजार में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है, जहां लार्जकैप फंडों ने निवेशकों को शानदार रिटर्न देकर स्मॉलकैप और मिडकैप फंडों को काफी पीछे छोड़ दिया है। इस अवधि में लार्जकैप फंडों ने जहां 9.8 फीसदी का प्रभावशाली रिटर्न दिया, वहीं स्मॉलकैप फंडों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और उन्हें केवल 0.7 फीसदी का रिटर्न मिला। मिडकैप फंडों ने 4 फीसदी का रिटर्न दर्ज किया। रिटर्न के साथ-साथ, निवेशकों के रुझान में भी स्पष्ट बदलाव आया है, जिसमें लार्जकैप फंडों में शुद्ध निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जबकि स्मॉलकैप फंडों से निवेश घटा है। अक्टूबर 2026 की एक रिपोर्ट के अनुसार बीते एक महीने में भारतीय शेयर बाजार ने शानदार वापसी की और भारतीय इक्विटी फंड का औसत प्रदर्शन 6 फीसदी रहा। इसके विपरीत, वैश्विक इक्विटी फंड और सोने-चांदी में निवेश करने वाले फंडों में गिरावट देखी गई। रिपोर्ट बताती है कि लार्जकैप म्यूचुअल फंड में शुद्ध निवेश 9,634 करोड़ रुपये से बढ़कर 13,887 करोड़ रुपये हो गया, जो लगभग 44 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। वहीं, स्मॉलकैप फंड में शुद्ध निवेश 8,071 करोड़ रुपये से घटकर 5,152 करोड़ रुपये रह गया, जिसमें लगभग 36 फीसदी की गिरावट आई। जानकारों का मानना है कि इस



तेजी के पीछे विदेशी निवेशकों की भारतीय बाजार में वापसी और उनका बड़ी कंपनियों के शेयरों पर केंद्रित ध्यान एक प्रमुख वजह रहा। वैश्विक स्तर पर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)से जुड़ी कंपनियों में अत्यधिक निवेश पर सवाल उठने और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण ब्याज दरों में वृद्धि की आशंकाओं ने सोने-चांदी जैसी परिसंपत्तियों पर दबाव डाला।

ऐसे माहौल में निवेशकों ने भारत जैसे उभरते बाजारों का रुख किया, जहाँ उन्हें स्थिर बड़ी कंपनियों में निवेश सुरक्षित लगा।

डीएसपी और यूनियन म्यूचुअल फंड में आईडीसीडब्ल्यू का ऐलान, मिलेगा आय वितरण

नई दिल्ली ।

म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए अच्छी खबर है। डीएसपी म्यूचुअल फंड और यूनियन म्यूचुअल फंड ने अपनी दो लोकप्रिय स्कीम्स में इनकम डिस्ट्रीब्यूशन कम कैपिटल विदड्रॉल (आईडीसीडब्ल्यू) के तहत भुगतान करने की घोषणा की है। यह कदम निवेशकों को आय वितरण का एक अवसर प्रदान करेगा। डीएसपी म्यूचुअल फंड ने अपनी डीएसपी ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड स्कीम के रेगुलर और डायरेक्ट, दोनों प्लान के आईडीसीडब्ल्यू विकल्प में 0.55 रुपये प्रति यूनिट देने का ऐलान किया है। वहीं यूनियन म्यूचुअल फंड ने यूनियन अग्रेसिव हाइब्रिड फंड के रेगुलर और डायरेक्ट प्लान के आईडीसीडब्ल्यू विकल्प में 0.10 रुपये प्रति यूनिट देने की घोषणा की है। इन दोनों स्कीम्स के लिए रिकॉर्ड डेट 19 नवंबर निर्धारित की गई है। गौरतलब है कि बाजार नियामक सेबी ने अप्रैल 2021 से लाभांश (डिविडेंड) का नाम बदलकर आईडीसीडब्ल्यू कर दिया था। उदाहरण के तौर पर, डीएसपी ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड की 10,000 यूनिट पर 5,500 रुपये और यूनियन अग्रेसिव हाइब्रिड फंड की उतनी ही यूनिट पर 1,000 रुपये का भुगतान होगा।

खुदरा कर्ज में बूम, पर कुछ श्रेणियों में बढ़ रही डिफॉल्ट की चिंता

नई दिल्ली ।

देश में खुदरा कर्ज का बाजार तेजी से फल-फूल रहा है, पर इसकी चमक के पीछे कुछ श्रेणियों में बढ़ते डिफॉल्ट (किस्त चुकाने में देरी) की चिंताएं भी मंडरा रही हैं। एक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, खासकर गोल्ड लोन, कंज्यूमर ड्यूरेबल लोन और पर्सनल लोन में शुरुआती दबाव के संकेत मिल रहे हैं। सितंबर के अंत तक देश का कुल खुदरा कर्ज पोर्टफोलियो सालाना आधार पर 18.8 फीसदी बढ़कर 185.2 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। गोल्ड लोन 60.6 फीसदी की वृद्धि के साथ सबसे तेजी से बढ़ने वाली कर्ज श्रेणी बनकर उभरा। इसके बाद सिक्योर्ड बिजनेस लोन (45.2 फीसदी) और कंज्यूमर ड्यूरेबल लोन (44.5 फीसदी) का स्थान रहा। हालांकि, इस वृद्धि के साथ ही कुछ चिंताजनक रुझान भी सामने आए हैं।

गोल्ड लोन में 31 से 90 दिन तक किस्त बकाया रहने के मामले



जून के 0.9 फीसदी से बढ़कर सितंबर में 1.3 फीसदी हो गए हैं। वहीं, 31 से 180 दिन तक की बकाया कर्ज की हिस्सेदारी भी 1.3 फीसदी से बढ़कर 1.6 फीसदी हो गई है।

यह स्थिति बढ़ती आर्थिक अनिश्चितता के बीच कर्ज लेने वालों पर बढ़ते वित्तीय दबाव को उजागर करती है।

यूपीआई लेनदेन पर एमडीआर लागू करने के प्रस्ताव फिलहाल टला

आगामी चुनावों और व्यापारी विरोध के चलते केंद्र का निर्णय

नई दिल्ली ।

डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने वाले यूपीआई ग्राहकों और दुकानदारों के लिए बड़ी राहत की खबर है।

केंद्र सरकार ने यूपीआई लेनदेन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) यानी पेमेंट प्रोसेसिंग फीस लागू करने के प्रस्ताव को फिलहाल टालने का फैसला किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार आगामी विधानसभा चुनावों और देशभर में व्यापारी संगठनों के मुखर विरोध के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया है। यह प्रस्ताव 2,000 रुपये से अधिक के चुनिंदा मर्चेंट ट्रांजैक्शन पर 0.4 फीसदी एमडीआर लगाने का था। 75,000 रुपये या अधिक के लेनदेन पर यह शुल्क अधिकतम 300 रुपये तक सीमित रखने का प्रावधान था। हालांकि, 2,000 रुपये तक के मर्चेंट पेमेंट और व्यक्ति-से-व्यक्ति ट्रांसफर पर कोई शुल्क नहीं लगना था। छोटे व्यापारियों (मासिक 1 लाख रुपए तक क्यूआर कोड भुगतान) को भी एमडीआर से छूट का प्रस्ताव था। सरकार इस फैसले को 2027 के विधानसभा चुनावों के बाद तक टाल सकती है, जिसमें अगले साल उत्तर प्रदेश, पंजाब जैसे राज्यों में चुनाव हैं। दिवाली से पहले 15 अक्टूबर को इसे लागू करने की योजना भी टल गई थी। व्यापारी संगठनों ने नो यूपीआई डे का ऐलान कर विरोध किया था, जिसे वित्त मंत्री से बातचीत के बाद वापस ले लिया गया। एनपीसीआई छोटे व्यापारियों को डिजिटल पेमेंट से जोड़ने के लिए यूपीआई व्यापार सक्षम योजना भी चला रहा है।

वेतन वृद्धि से मांग बढ़ाएं, निजी निवेश को गति द-डीईए सचिव

विकसित भारत 2047 के लक्ष्य हेतु सार्वजनिक-निजी भागीदारी पर भी दिया जोर

नई दिल्ली।

आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) की सचिव अनुराधा ठाकुर ने गुरुवार को उद्योग जगत से वेतन में ठहराव की स्थिति दूर करने का आग्रह किया। फिक्की के वार्षिक सम्मेलन में उन्होंने कहा कि वेतन बढ़ने से मांग को प्रोत्साहन मिलेगा और अर्थव्यवस्था के विस्तार का सकारात्मक चक्र मजबूत होगा। ठाकुर ने देश की आर्थिक वृद्धि बनाए रखने के लिए निजी निवेश बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया, यह देखते हुए कि अप्रैल से निवेश गतिविधियों में तेजी दिख रही है और विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक सुधार के संकेत मिल रहे हैं। उन्होंने भारत को अपनी विकास यात्रा के महत्वपूर्ण दौर में बताया, जहां सार्वजनिक-निजी भागीदारी और उद्योग, सरकार व समुदायों के बीच सहयोग से आर्थिक वृद्धि को गति मिल सकती है। विकसित भारत 2047 के लक्ष्य का जिक्र करते हुए उन्होंने मौजूदा आर्थिक परिस्थितियों को इसे हासिल करने का अवसर बताया। ठाकुर ने पिछले दशक के सुधारों, जैसे जीएसटी, की सराहना की और सुधारों की प्रक्रिया जारी रखने पर जोर दिया। डीईए सचिव ने उद्योग जगत से सरकार के साथ मिलकर काम करने और सार्वजनिक-निजी भागीदारी, मांग बढ़ाने व कर्मचारियों की स्थिति बेहतर बनाने जैसे क्षेत्रों में सहयोग का आग्रह किया। विश्व बैंक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए ठाकुर ने बताया कि अत्यधिक गरीबी 2011 के 27.1 फीसदी से घटकर 2023 में 2.6 फीसदी रह गई है, जो सरकारी प्रयासों की सफलता को दर्शाता है। उन्होंने उद्योगों से विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में सरकार के साथ साझेदारी मजबूत करने का आह्वान किया।

मस्क का हुआंग को समर्थन, प्रतिभाशाली सीईओ बताया

जेनसेन हुआंग को हटाना, एन वि डिया की बड़ी भूल- उनकी जगह कोई नहीं ले सकता

ऑस्टिन ।

स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने एनवीडिया के पूर्व प्रमुख जेन्सेन हुआंग के समर्थन में खुलकर बात की है, उन्हें माइकल जॉर्डन जैसा प्रतिभाशाली उद्यमी बताते हुए अपनी कंपनी में काम पर रखने तक की पेशकश कर डाली।

हालांकि, एनवीडिया का बोर्ड हुआंग को वापस लाने के किसी भी विचार के खिलाफ अडिग है, खासकर राष्ट्रीय सुरक्षा और कथित चीनी जासूस के साथ उनके संबंधों को लेकर बढ़ते विवाद के बीच। मस्क ने यहां एक स्थानीय अखबार के डील बुक समिट में बोलते हुए एनवीडिया के इस कदम की तुलना शिकागो बुल्स द्वारा माइकल जॉर्डन को जीत के बीच टीम से निकाले जाने से की, और हुआंग को इतिहास के सबसे प्रतिभाशाली उद्यमी सीईओ में से एक बताया। उन्होंने कहा कि हुआंग अकेले ही कई लोगों का काम संभालते हैं, सप्लाई चेन का प्रबंधन करते हैं और उनके पास दशकों के गहरे व मजबूत संबंध हैं।

मस्क ने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो वह निश्चित रूप से हुआंग को काम पर रखेंगे, क्योंकि उनकी जगह कोई नहीं ले सकता। इसके विपरीत, एनवीडिया बोर्ड ने हुआंग की बहाली की संभावना को सिरे से खारिज कर दिया है और एक स्थायी उत्तराधिकारी की तलाश शुरू कर दी है।

अमेरिकी कांग्रेस के सदस्यों, जिनमें हाउस लीडर हकीम जेफ़रीज़ भी शामिल हैं, ने एनवीडिया के फैसले का समर्थन किया है।

जेफ़रीज़ ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए हुआंग की वापसी को अस्वीकार्य बताया। यह घटनाक्रम ऐसे समय में आया है जब जेन्सेन हुआंग कथित चीनी जासूस ऐलिस हुआंग के साथ अपने संबंधों को लेकर 1 दिसंबर को हाउस की तीन कमेटियों के सामने गवाही देने वाले हैं।

बोर्ड ने पूर्व प्रमुख से जुड़े विवाद के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा नीतियों और निर्यात नियंत्रण नियमों के अनुपालन की निगरानी के लिए एक नई समिति बनाने की भी घोषणा की है।

कृषि क्षेत्र में महिला शक्ति की भारत की गरीबी उन्मूलन में निर्णायक भूमिका

आईसीएआर का मुख्य जोर महिला सशक्तीकरण और नवाचार पर



भुवनेश्वर ।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने हाल ही में विश्व बैंक की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए खुलासा किया कि पिछले 12-13 वर्षों में भारत में 50 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठे हैं। इस अभूतपूर्व उपलब्धि में कृषि क्षेत्र से जुड़ी ग्रामीण महिलाओं का योगदान असाधारण रहा है, जिसे दुनिया में अपनी तरह का सबसे तेज और बड़ा प्रयास बताया गया है। जाट ने केंद्रीय महिला कृषि संस्थान (सीआइडब्ल्यूए) द्वारा आयोजित पूर्वी क्षेत्रीय कृषि मेले को ऑनलाइन संबोधित करते हुए कहा कि आईसीएआर का मुख्य जोर महिला सशक्तीकरण और नवाचार पर है। संस्थान कृषि क्षेत्र में महिलाओं से संबंधित शोध के लिए समर्पित है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब महिलाओं को केवल कठिन शारीरिक श्रम तक सीमित रखने के बजाय उन्हें नवाचार और कृषि-खाद्य मूल्य श्रृंखला, जिसमें खाद्य प्रसंस्करण और विपणन शामिल है, से जोड़ने पर बल दिया जा रहा है। अे धिकारी ने बताया कि आईसीएआर शोध से जुड़ी कमियों को पहचान कर उन्हें दूर करने की दिशा में काम कर रहा है।

हिंसा, शोषण और अभाव से मुक्त हो भारत का बचपन

विश्व बाल दिवस



ललित गर्ग

विश्व बाल दिवस का वास्तविक अर्थ तभी पूरा होगा जब भारत में ऐसा वातावरण बने जहां हर बच्चा सुरक्षित हो, सुना जाए, सम्मान पाए, पढ़ सके, खेल सके, अपनी प्रतिभा विकसित कर सके और बिना भय के सपने देख सके। हमें बच्चों को अपने सपनों के अनुसार जीने का अवसर देना होगा, अपने सपनों के अनुसार ढालने का नहीं। बचपन किसी राष्ट्र की प्रतीक्षा करती हुई सुबह है। यदि उस सुबह पर हिंसा, शोषण, भूख और भय के बादल छा गए तो विकसित भारत का सूर्योदय अधूरा रहेगा।

हम में से प्रत्येक को बच्चों के अधिकारों की वकालत करने, उन्हें बढ़ावा देने, उनके शोषण को रोकने, उनका समग्र विकास करने और बच्चों का उत्सव मनाने के लिए एक प्रेरणादायी अवसर के रूप में विश्व बाल दिवस है, यह उस समाज की आत्मपरीक्षा का अवसर है, जो अपने भविष्य को बच्चों की आंखों में देखता है। 20 नवंबर को मनाया जाने वाला यह दिवस हमें याद दिलाता है कि बच्चे केवल परिवार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं। वर्ष 2026 की थीम ÷मेरा दिन, मेरे अधिकार, मेरा भविष्य''है। इसी बुनियादी प्रश्न को सामने रखती है कि क्या हमारे बच्चों को वास्तव में अपने अधिकारों के साथ जीने, सपने देखने और अपना भविष्य गढ़ने का अवसर मिल रहा है? भारत में बचपन की तस्वीर विरोधाभासों से भरी है। एक ओर महानगरों के वातानुकूलित कमरों में पलते बच्चे आधुनिक शिक्षा, तकनीक और सुविधाओं से घिरे हैं, तो दूसरी ओर फुटपाथ, झुग्गियों, कारखानों, ढाबों और खेतों में ऐसे बच्चे भी हैं जिनके हाथों में किताब की जगह औजार हैं। किसी बच्चे के लिए बचपन खेल, शिक्षा और परिवार का स्नेह है, तो किसी के लिए भूख, श्रम, हिंसा और असुरक्षा से जूझने का नाम। यह असमानता केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना की भी परीक्षा है।

सबसे गंभीर चुनौती बाल हिंसा और मानसिक दबाव की है। हिंसा का अर्थ केवल बच्चे को पीटना नहीं है। लगातार डांटना, अपमानित करना, डराना, उसकी तुलना दूसरे बच्चों से करना, उसकी इच्छा और प्रतिभा को नकारना तथा हर समय परिणाम का दबाव बनाना भी हिंसा के ही रूप हैं। आज अनेक अभिभावक चाहते हैं कि उनका बच्चा डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस या किसी प्रतिष्ठित पेशे में जाए। महत्वाकांक्षा गलत नहीं, लेकिन जब माता-पिता की अधूरी इच्छाओं का बोझ बच्चे के कंधों पर रख दिया जाता है, तब शिक्षा विकास का माध्यम न रहकर तनाव का कारण बन जाती है। स्कूल भी इससे अछूते नहीं हैं। अनुशासन के नाम पर अपमान, डर और कठोरता बच्चे के व्यक्तित्व को भीतर से तोड़ सकती है। जिस विद्यालय में बच्चे को प्रश्न पूछने, गलती करने और फिर सीखने का अवसर मिलना चाहिए, वहां भय का वातावरण उसकी रचनात्मकता को कुंठित कर देता है। हमें यह समझना होगा कि डर से आज्ञाकारी बच्चा तो



बनाया जा सकता है, लेकिन आत्मविश्वासी नागरिक नहीं।

भारत में बाल मजदूरी, बाल तस्करी, यौन शोषण और भिक्षावृत्ति जैसी समस्याएं आज भी हमारी सामूहिक चेतना एवं राजनीतिक नेतृत्व पर प्रश्नचिह्न हैं। आर्थिक मजबूरी के कारण अनेक बच्चे शिक्षा से दूर होकर श्रम की दुनिया में पहुंच जाते हैं। कुछ खतरनाक उद्योगों और असुरक्षित कार्यस्थलों पर काम करने के लिए विवश होते हैं। कई बच्चे तस्करी के जाल में फंसकर अपने परिवार और बचपन दोनों से दूर हो जाते हैं। सबसे पीड़ादायक स्थिति उन बच्चों की है जिन्हें अपराध, भीख या यौन शोषण के अंधेरे में धकेल दिया जाता है। इन परिस्थितियों में उनसे केवल उनका वर्तमान नहीं छीना जाता, बल्कि भविष्य की संभावनाएं भी छीन ली जाती हैं। गरीबी बचपन की सबसे बड़ी चुनौती है, लेकिन गरीबी से भी बड़ी समस्या है अवसरों की असमानता। यदि किसी गरीब परिवार का बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य और सुरक्षित वातावरण से वंचित रहता है तो वह अपनी प्रतिभा का पूरा उपयोग कैसे करेगा? विकसित भारत का सपना तभी वास्तविक होगा जब विकास की रोशनी गांव, झुग्गी, श्रमिक परिवार और वंचित समुदाय के बच्चे तक पहुंचेगी। किसी राष्ट्र की प्रगति का सही पैमाना उसके सबसे कमजोर बच्चे की स्थिति है।

इसलिए बाल अधिकारों को केवल कानून की पुस्तकों तक सीमित रखने के बजाय घर, स्कूल और समाज की संस्कृति का हिस्सा बनाना होगा। बच्चे को यह विश्वास होना चाहिए कि वह अपनी समस्या बिना भय के माता-पिता, शिक्षक अथवा किसी विश्वसनीय व्यक्ति से कह सकता है। परिवार में संवाद की परंपरा विकसित करनी होगी। माता-पिता को बच्चों के साथ केवल उनकी पढ़ाई और परीक्षा की बात नहीं करनी चाहिए, बल्कि उनके डर, मित्रता, सपनों, असफलताओं और भावनाओं को भी सुनना चाहिए। शिक्षा व्यवस्था में भी बड़ा परिवर्तन आवश्यक है। शिक्षा का लक्ष्य केवल अंक और रोजगार नहीं, बल्कि संवेदनशील, आत्मनिर्भर, नैतिक और मानसिक रूप से स्वस्थ मनुष्य बनाना होना चाहिए। बच्चों को अधिकारों के साथ कर्तव्यों, संविधान, लैंगिक सम्मान, डिजिटल सुरक्षा, आत्मरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूक किया जाना चाहिए। सरकार को बाल संरक्षण कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ बाल श्रम, तस्करी और यौन अपराधों के विरुद्ध तंत्र को और मजबूत करना होगा। गरीब बच्चों की शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य को आर्थिक सहायता से जोड़ना भी जरूरी है। हमें यह भी स्वीकार करना होगा कि बच्चों की सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। पड़ोस में किसी बच्चे से दुर्व्यवहार हो रहा हो, किसी दुकान या कारखाने में बाल मजदूर दिखाई दे, कोई बच्चा लगातार भय में जी रहा हो या उसके साथ शोषण की आशंका हो, तो ÷हमें क्या लेना-देना है÷ कहकर आगे बढ़ जाना सामाजिक अपराध के प्रति मौन स्वीकृति है। बच्चे की रक्षा के लिए समाज को संवेदनशील प्रहरी बनना होगा।

विश्व बाल दिवस के अवसर पर बच्चों के सामने उभरती नई चुनौतियों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) भी एक गंभीर विषय बनकर सामने आई है। एआई शिक्षा, रचनात्मकता और ज्ञान-विस्तार का प्रभावी साधन हो सकता है, लेकिन उसका अनियंत्रित और अत्यधिक उपयोग बच्चों की सोचने-समझने की मौलिक क्षमता, कल्पनाशक्ति, एकाग्रता और निर्णय लेने की स्वतंत्रता को प्रभावित कर सकता है। चैटबॉट पर अत्यधिक निर्भरता बच्चों को स्वयं प्रश्न पूछने, उत्तर खोजने और गलतियों से सीखने की प्रक्रिया से दूर कर सकती है। साथ ही, एआई से बने भ्रामक या अनुपयुक्त कंटेंट, डीपफेक, साइबर बुलिंग, ऑनलाइन शोषण, निजता के खतरे और बच्चों के मानसिक संसार पर बढ़ते डिजिटल दबाव जैसी चुनौतियां भी चिंता का विषय हैं। इसलिए आज आवश्यकता केवल बच्चों को एआई से परिचित कराने की नहीं, बल्कि उन्हें एआई के सुरक्षित, संतुलित और विवेकपूर्ण उपयोग की शिक्षा देने की है, ताकि कृत्रिम बुद्धिमत्ता बच्चों की बुद्धि का विकल्प नहीं, बल्कि उनकी प्रतिभा और रचनात्मकता को विकसित करने का सहायक माध्यम बने।

विश्व बाल दिवस का वास्तविक अर्थ तभी पूरा होगा जब भारत में ऐसा वातावरण बने जहां हर बच्चा सुरक्षित हो, सुना जाए, सम्मान पाए, पढ़ सके, खेल सके, अपनी प्रतिभा विकसित कर सके और बिना भय के सपने देख सके। हमें बच्चों को अपने सपनों के अनुसार जीने का अवसर देना होगा, अपने सपनों के अनुसार ढालने का नहीं। बचपन किसी राष्ट्र की प्रतीक्षा करती हुई सुबह है। यदि उस सुबह पर हिंसा, शोषण, भूख और भय के बादल छा गए तो विकसित भारत का सूर्योदय अधूरा रहेगा। इसलिए आज जरूरत केवल बाल दिवस मनाने की नहीं, बल्कि बचपन को बचाने की है। जिस दिन भारत के हर बच्चे की आंखों में भय की जगह विश्वास, हाथों में श्रम की जगह किताब और होंठों पर शिकायत की जगह मुस्कान होगी, उसी दिन हम कह सकेंगे कि हमने विश्व बाल दिवस की भावना को वास्तव में आत्मसात किया है।

संपादकीय

बेकाबू दरिया के किनारे

तपोवन की दोपहर में लोकतांत्रिक विरासत के अहम बिंदु अगर सदन के प्रांगण में सवाल खड़े करते रहे, तो राजनीतिक महत्त्वाकांक्षाओं का दरिया बेकाबू होने लगा है। मीडिया से रूबरू होते कुल्लू और नगरोटा बगवां के विधायक आखिर इशारों-इशारों में कह क्या रहे हैं। सुंदर सिंह ठाकुर के वक्तव्यों ने बता दिया कि उनका वजन क्या है, जबकि पहली बार विधायक बने आर एस बाली अपने दबाव को तोल रहे हैं। एक को मंत्री पद चाहिए, तो दूसरे को कांगड़ा की पतवार। विधानसभा चुनाव से सिर्फ कुछ महीनों या साल भर के शेष में अपना रुतबा डालने की कोशिश कमोबेश हर विधायक करेगा। सुंदर सिंह ठाकुर मंत्री बन सकते हैं, तो ऐसी कौनसी शक्तियां कांग्रेस में हैं जो उनकी 'झंडी' को तार-तार कर रही हैं। हैं कई खामोशियां तेरे वजूद में, तूने तो सिर्फ खुद को पुकारा है। हिमाचल के राजनीतिक माहौल में अब तरह-तरह की खिचड़ी पक रही है, तो आकाश की हवा बेचैन है। आश्चर्य यह कि सारी बेचैनियां पलकों पर सवार होकर जुबान को हौसला दे रही हैं। सुंदर सिंह का हौसला विधानसभा परिसर के बाहर परवान चढ़ा, तो सियासत का यह रंग अब बिखर सकता है। अगर विधायक दल की बैठक में कांग्रेस के मुद्दे बिफर कर, मीडिया से चुगलखोरी कर रहे हैं, तो पार्टी के भीतर एक विपक्ष खड़ा है। बाली ने कांगड़ा जिला के विभाजन को लेकर अपनी कमान सीधी की है, तो इस लश्कर में बड़ा सामान है। कम से कम जिले के पुनर्गठन पर सियासत की आरजू-सियासत की ही गलियों से युद्धरत है। बहरहाल यह इक्का दुक्का विधायकों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि राज्य के सामने खड़े अनेक मसले सदन के बाहर अपना कद बता रहे हैं। इससे पहले कि सरकार द्वारा पूर्व भाजपा के शासन काल पर श्वेत पत्र बाहर आता, विपक्ष ने जमीनी मसलों की लुकाछिपी में अपनी विस्तृत तकरीर रख दी है। कांगड़ा एयरपोर्ट के दायरे में बिकी जमीनें या पालमपुर से निकलते जमीन घोटाले के धुएं को माचिस दिखाकर, भाजपा की फेहरिस्त में धारा 118 के जबड़ों में विरोध के टुकड़े फंसे हैं। कम से कम हम सत्र की तासीर में कई आक्रमण देख सकते हैं।

जाहिर है चुनावी मुद्दे बनाने के लिए अब शेष बचे सत्रों का लोहा पिघलेगा, तो सामने वही पुराने आक्रोश बाहुबली हो जाएंगे। ऐसे में तपोवन परिसर इस बार विभिन्न अवसरों पर अपने ही शोरगुल से कानों को ढांपने की कोशिश कर रहा है। जो सदन में नहीं कहा जाएगा या जिसे सुनने की मशक्कत बढ़ जाएगी, उसके लिए बाहर के दरवाजे काम आएंगे। विडंबना यह है कि हिमाचल के लिए आम सहमति के मुद्दे कब परवान चढ़ेंगे। ऐसे हजारों दस्तखत दोनों ओर से मिल जाएं, अनुबंधों पर तराशा रोजगार मिल जाएगा, सत्ता की नियुक्तियों में कई नेताओं का उद्धार हो जाएगा, लेकिन प्रदेश की साझी विरासत में दोनों पार्टियों में मतैक्य की कोशिश नहीं होगी। सदन में तपती राजनीति अगर मशगूल भी रहे, बाहर नवंबर महीने की खुशकी का असर कौन देखेगा। जलवायु परिवर्तन में उजड़ते खेत, माफिया के कब्जे में बजरी और रेत तथा जमीनों की खरीद फरोख्त में लुटता हिमाचल किसी एक पक्ष पर दोषारोपण से सबूत एकत्रित नहीं करेगा। हमने पढ़ाई के बहाने हजारों शिक्षण केंद्र बेकार कर दिए और बेरोजगारों की संख्या में हमारी प्राथमिकता क्या यही बनी रहेगी कि सत्ता के प्रभाव से चंद नेता अपने विधानसभा क्षेत्र में कई-कई नए संस्थान खोल लेंगे। एक बार या विधानसभा सत्र के कम से कम एक दिन दोनों दल मिल बांट कर उस दर्द को समझें कि जब पढ़ लिख कर बच्चे बेरोजगार रहते हैं, तो अभिभावकों के लिए न नए मंत्री और न ही नए जिले उद्धार करते हैं। जब बंदर, सूअरों और नीलगायों के उत्पात से खेत उजड़ते हैं, तो उनके जिम्मेदार मंत्री कितने बेकार लगते हैं।

चिंतन-मनन

मूल्य भावना का

भगवान बुद्ध जेतवन में ठहरे हुए थे। हर सुबह वह भिक्षावृत्ति को निकलते तो उन्हें मार्ग में एक किसान अपने खेत में काम करता मिलता। अपने कार्य के प्रति उसकी निष्ठा देख बुद्ध के मन में उसके लिए करुणा उमड़ी। वह प्रतिदिन वहां रुककर उस किसान को कुछ उपदेश देने लगे। जब उस किसान की फसल तैयार हुई तो उसने संकल्प किया कि वह अपनी फसल का एक हिस्सा भगवान बुद्ध को और भिक्षु संघ को भेंट करेगा। दुर्योगवश उसी रात मूसलाधार वर्षा हुई और उसकी सारी फसल चौपट हो गई। अगले दिन जब भगवान बुद्ध वहां से गुजरे तो उन्होंने किसान को वहां रोता हुआ पाया। पूछने पर किसान उनको सारी घटना सुना कर बोला, ''प्रभु! मुझे दुख अपने नुक्सान का नहीं, वरन इस बात का है कि मैं आपकी सेवा का यह अवसर चूक गया''

बुद्ध मुस्कराए और बोले, 'भंते! मूल्य वस्तुओं का नहीं, भावनाओं का होता है। तुम्हारे हृदय में उमड़ी भावनाएं तो मुझ तक कल ही पहुंच गई थीं। इनके कारण तुम उससे ज्यादा पुण्य के भागी बन गए हो, जितना तुम उस फसल को समर्पित करके बनते। मेरा आशीर्वाद सदा तुम्हारे साथ है'' किसान की आंखें यह सुनकर नम हो उठीं।

युवाओं में बढ़ते फास्ट फूड के प्रचलन से उत्पन्न स्वास्थ्य ख़तरों को रेखांकित करना समय की मांग



किशन सनमुखदास

एक ज़माना था जब हमारे घरों में माताएं लकड़ी और कोयले से जलते चूल्हे पर रोटी और चावल पकाते और हम सामने बोरा बिछाकर बैठ देखते थे और पलभर में थाली में भोजन परोसा जाता था और हम ग्रहण कर बाहर प्रकृति की गोद में खटिया पर बैठकर या झाड़ों के बीच चक्कर लगाते या अपने कार्य पर चले जाते थे। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र आज भी यह देखता हूं कि यही प्रक्रिया हमारे बड़े बुजुर्गों, पिछली पीढ़ियों और कई गांव शहरों में आज भी शुरू है,और खासियत है कि ऐसे लोगों में किसी भी प्रकार की बीमारी का कोई लक्षण नहीं था, पाश्चात्य संस्कृति का कोई लक्षण नहीं था, सीमित जिंदगी और सुखी जिंदगी की वह स्थिति, आज उस ज़माने की बात करें कर कहते हैं न जाने कहां गए वो दिन इस प्रकार की पुरानी यादों की बात वरिष्ठ नागरिक करते हैं तो सुनकर बहुत आश्चर्य और अच्छा लगता है, उत्साह होता है कि ऐसी सुखी जिंदगी जीने की, यह थी टिकाऊ जीवन शैली।

साथियों बात अगर हम वर्तमान जीवन शैली की करें तो इसके लिए उपरोक्त पुरानी टिकाऊ जीवन शैली की चर्चा करना बेहद ज़रूरी था जिसकी प्रित्यक्ष रिपोर्टिंग मैंने बुजुर्गों से की इसी जीवन शैली को बहुत नजदीक से देख करके किया, मैं खुद अनेक वर्षों तक बुजुर्गों के साथ में रहा हूं।

साथियों बात अगर हम वर्तमान निष्क्रिय जीवन शैली और अस्वास्थकर आहार की करें तो वर्तमान में हम देख रहे हैं कि अनेक चाइनीस फूड, पिज़्ज़ा जैसे सैकड़ों ऐसे फास्ट फूड हैं जिसपर आहार के रूप में हमारी निर्भरता बढ़ गई है हमनें हर दिन या हर दूसरे तीसरे दिन इनको ग्रहण करने के का प्रचलन कायम कर दिए हैं।हालांकि यह फास्ट फूड ग्रहण करने का हमारा विरोध या टीकाटिप्पणी नहीं है परंतु हमारा उद्देश्य अस्वास्थ्यकर आहारों की आदत से उत्पन्न खतरों के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना है क्योंकि अगर हम दशकों पुराने ज़माने और आज के जमाने की निरंतर बढ़ती खाई, अस्वास्थ्यता, बीमारियों का प्रकोप, स्वास्थ्य स्थिरता, शारीरिक कष्ट इत्यादि सैकड़ों स्वास्थ्य खतरों की करें तो यह समस्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है।

अगर हम खासकर वर्तमान पीढ़ी, देश का भविष्य बच्चों और युवाओं को इस बढ़ते फास्ट फूड के प्रचलन से उत्पन्न स्वास्थ्य खतरों को रेखांकित नहीं करा पाए तो यह गैप बहुत बढ़ जाएगी और हमारी ओरिजिनल भारतीय आहार संस्कृति, टिकाऊ जीवन शैली, विलुप्तता की ओर बढ़ने लगेगी इसलिए समय आ गया है कि हम युवाओं में इसके प्रति जागरूकता अभियान चलाकर उन्हें सचेत करें।

साथियों बात अगर हम पुरानी टिकाऊ जीवन शैली और वर्तमान जीवन शैली के अंतर की करें तो हमने कई बार सुना होगा,, दादा जी तुम तो पुरानी मज़बूत हड्डियों से बने हो! तुम्हारे पास पुराने ही घी मक्खन की ताकत है!! तुम पुराने ज़माने के सोने के अंडे खाए, लाभ पाए हो, इत्यादि इत्यादि बातें हम करते हैं जो बिल्कुल सच है परंतु यह असर कोई शक्तिशाली विटामिन का नहीं बल्कि टिकाऊ जीवन शैली, स्वास्थ्यकर आहार, नियमित कसरत, अपार मेहनत, प्रकृति की गोद में बिताए लम्हों की ताकत है जो स्वास्थ्य और शरीर को मजबूत और टिकाऊ बनाए हुए हैं इसीलिए हर बड़े बुजुर्ग का कर्तव्य है कि वह अपने मार्गदर्शन से एक सामाजिक टीम खड़ी कर युवाओं को हेल्दी फूड स्वस्थ्य आहार की आदत, पाश्चात्य जीवन शैली का त्याग, तेजी से बदलती जलवायु परिवर्तन के घातक परिणामों से सबक जैसे अनेक मुद्दों को रेखांकित कर युवाओं को मार्गदर्शन, जन जागरण अभियान चलाकर प्रेरित करें।

साथियों बात अगर हम अस्वास्थ्यकर आहार के खतरों पर देश में बने कानूनों, नियमों, विनियमों, राज्य स्तरीय कानूनों, शासन, प्रशासन की करें तो हालांकि उपभोक्ता कानून सहित अनेक नियमों कानूनों में इस संबंध में सख्त धाराएं हैं परंतु ज़रूरत उस सख्ती के साथकानून लागू करनें की, जनता को जागृत करने की, अधिकारियों में जांबाजी और जज्बे की, जिसके बल पर कुछ कानून का सहारा, कुछ जनजागरण का सहारा, प्रोत्साहन, सतर्कता इत्यादि के बल पर हम इन से बचकर एक टिकाऊ जीवन शैली,स्वास्थ्यकर आहार, आदतों को अपनाकर अपने शरीर, स्वास्थ्य, जीवन को सुरक्षित और सकारात्मक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं।

साथियों बात अगर हम दिनांक 10 अप्रैल 2022 को माननीय उपराष्ट्रपति द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो इस विषय पर उन्होंने भी कहा, भारत में गैर-संचारी रोगों में वृद्धि की चिंताजनक रूझान को रेखांकित करते हुए उन्होंने निजी क्षेत्र में चिकित्सा संस्थाओं से लोगों, विशेष रूप से युवाओं के बीच एक निष्क्रिय जीवन शैली और अस्वास्थ्यकर आहार की आदतों से उत्पन्न खतरों के बारे में जागरूकता पैदा करने का आग्रह किया। उन्होंने लोगों से निष्क्रिय जीवन शैली का त्याग करने और स्वस्थ जीवन जीने का तरीका अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी और तेजी से बदलती जलवायु हमें हमारी आदतों और जीवन के तरीके के बारे में कई सबक सिखाती है। उन्होंने प्रकृति की गोद में अधिक समय व्यतीत करने और अधिक टिकाऊ जीवन शैली अपनाने की अपील की।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि युवाओं में बढ़ते फास्ट फूड के प्रचलन से उत्पन्न स्वास्थ्य ख़तरों को रेखांकित करना समय की मांग आओ अस्वास्थ्यकर आहारों की आदत से उत्पन्न खतरों के बारे में जागरूकता उत्पन्न करें निष्क्रिय जीवन शैली और अस्वास्थ्यकर आहार की आदतों से उत्पन्न ख़तरों के बारे में जागरूकता पैदा करना ज़रूरी।

तो क्या ट्रंप के 'कूटनीतिक मायाजाल' में फंस जाएंगे पुतिन और जिनफिंग?



कमलेश पांडेय

दुनिया को अपने शब्द जाल में फंसाकर, साम-दाम-दंड-भेद की रणनीति अपनाकर 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' का स्वप्न संजोए राष्ट्रपति ट्रंप अपने इरादों में कितना कामयाब होंगे, यह तो गुजश्ता वक्त ही बताएगा। लेकिन भारत की कूटनीतिक स्वायत्ता और ग्लोबल साउथ की अगुवाई वाली रणनीति से अमेरिका इतना परेशान हो गया कि अब उन्हीं देशों के साथ टेबल की मेज पर बैठा हुआ है, जिनके खिलाफ वह अनवरत षड्यंत्र रचते आया है।

ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर रूस और चीन की क्या अंतर्राष्ट्रीय मजबूरी है जो वे वैश्विक रूप से प्रभुत्वहीन हो चुके अमेरिका के साथ मेज साझा कर रहे हैं! कहीं ऐसा तो नहीं कि भारत की कूटनीतिक व रणनीतिक स्वायत्तता से ये दोनों भी भीतर ही भीतर विचलित हो रहे हैं। मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय दुनियादारी में भारत, अपने समकक्ष देशों यथा- फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका के अलावा यूरोपीय संघ, मध्यपूर्व के देशों और आशियान देशों के साथ जो समझदारी भरे रिश्ते विकसित कर रहा है, इससे भी अमेरिका, रूस और चीन का चिंतित होना स्वाभाविक है।

ऐसे में अमेरिका, रूस और चीन के बीच उभरता त्रिकोणीय कूटनीतिक समीकरण केवल तीन महाशक्तियों के नेताओं की मुलाकात का विषय नहीं है, बल्कि इसके पीछे वैश्विक शक्ति संतुलन, रणनीतिक साझेदारियों, आर्थिक हितों और छोटे-बड़े देशों के भरोसे की बड़ी लड़ाई भी दिखाई देती है। ये देश नहीं चाहते कि इनके समानांतर कोई नया देश खड़ा हो और वह उनकी आवाज बने जिनका शोषण करते रहना इनकी नीतिगत फितरत है।

यही वजह है कि इस पूरे घटनाक्रम को समझने के लिए एक महत्वपूर्ण सवाल है कि क्या ट्रंप, रूस और चीन को आपसी मतभेदों, क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं और अपने-अपने सहयोगियों के हितों के बीच इस तरह उलझा सकते हैं कि दोनों देशों की विश्वसनीयता प्रभावित होने लगे?

भले ही यह एक विचारणीय भू-राजनीतिक परिकल्पना है। हालांकि, इसे किसी प्रमाणित अमेरिकी डीप स्टेट योजना का नाम देना अभी उचित नहीं होगा, जबतक कि पूरा खेल स्पष्ट न हो जाए। वैसे भी ट्रंप कब क्या कहेंगे, कब पलटीमार देंगे, भरोसे के साथ कुछ नहीं कहा जा सकता। इन सबके पीछे उनका स्वार्थ कितना साधता है, सबकुछ इसी बात पर निर्भर करता है।

पहला सवाल यह है कि ट्रंप की रणनीति का संभावित केंद्रीय सूत्र क्या है? तो जवाब होगा कि ट्रंप की विदेश नीति में व्यक्तिगत कूटनीति, आर्थिक सौदेबाजी और शक्ति प्रदर्शन को काफी महत्व मिलता है। रूस और चीन के साथ बातचीत के संभावित उद्देश्यों को निम्नलिखित तीन स्तरों पर समझा जा सकता है:- एक, रूस को साधनाः यूक्रेन युद्ध में समझौते के लिए पुतिन पर कूटनीतिक प्रभाव बनाना और मॉस्को के साथ अमेरिका के संबंधों को नए सिरे से परिभाषित करना, ताकि उसे लाभ होता रहे। दो, चीन को साधनाः व्यापार, तकनीक, दुर्लभ खनिजों और ताइवान जैसे मुद्दों पर बीजिंग से रियायतें हासिल करना, ताकि उनके उद्योगों के लिए रियायती कच्चा माल मिलता रहे। तीन, दोनों को एक मंच पर लानाः परमाणु हथियार नियंत्रण, ईरान और वैश्विक सुरक्षा के मुद्दों पर ऐसी बातचीत करना जिसमें अमेरिका अपनी भूमिका केंद्रीय बनाए रखना चाहे। हालांकि, इन सबमें एक महत्वपूर्ण विरोधाभास भी है। वह यह कि चीन और रूस की निकटता अमेरिका की उस पुरानी रणनीति को कमजोर करती है जिसमें दोनों महाशक्तियों के बीच मतभेदों का लाभ उठाकर वाशिंगटन अपनी स्थिति मजबूत करता था।

दूसरा सवाल है कि रूस और चीन के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपने सहयोगियों का भरोसा बनाए रखना होगा। खासकर भारत और ईरान आदि जैसे उभरते देशों का। यही इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है, जो इसप्रकार है- एक, रूस की विश्वसनीयताः यदि पुतिन अमेरिका के साथ किसी बड़े समझौते में यूक्रेन, ईरान या अन्य रणनीतिक साझेदारों के हितों को नजरअंदाज करते दिखाई देते हैं, तो मॉस्को के सहयोगियों के बीच उसकी प्रतिबद्धताओं को लेकर सवाल उठ सकते हैं। दो, चीन की विश्वसनीयताः यदि शी जिनपिंग अमेरिका के साथ किसी समझौते में ताइवान, ईरान या अपने दूसरे रणनीतिक साझेदारों के मुद्दों पर ऐसी रियायत देते हैं जिसे सहयोगी अपने हितों के विरुद्ध समझें, तो चीन की साझेदारी की विश्वसनीयता पर बहस हो सकती है। लेकिन इसका दूसरा पहलू भी है। रूस और चीन अपने सहयोगियों के साथ संबंधों को केवल अमेरिका के साथ बातचीत के आधार पर तय नहीं करते। उनके आर्थिक, सैन्य, राजनीतिक और क्षेत्रीय हित भी इसमें महत्वपूर्ण हैं।

तीसरा सवाल यह है कि क्या ट्रंप दोनों महाशक्तियों को एक-दूसरे के विरुद्ध इस्तेमाल कर सकते हैं? तो यहां 1970 के दशक की अमेरिकी त्रिकोणीय कूटनीति याद आती है। तब अमेरिका ने सोवियत संघ और चीन के बीच मतभेदों का लाभ उठाकर बीजिंग के साथ संबंध बेहतर किए थे। इससे वाशिंगटन को मॉस्को के मुकाबले कूटनीतिक लाभ मिला था। लेकिन 2026 की परिस्थितियां बिल्कुल अलग हैं। वह यह कि रूस और चीन के बीच रणनीतिक साझेदारी पहले से अधिक मजबूत है। दोनों देश अमेरिकी प्रभुत्व को लेकर कई मुद्दों पर समान चिंताएं रखते हैं। दोनों के आर्थिक और कूटनीतिक हित एक-दूसरे से जुड़े हैं। अमेरिका के सहयोगी देशों के साथ भी उसके संबंधों में कई बार अनिश्चितता दिखाई देती है। फिर भी आज अमेरिका के लिए रूस और चीन के बीच पुराने जमाने जैसी दरार पैदा करना आसान नहीं है।

चौथा सवाल क्या यही अमेरिकी डीप स्टेट का गेम प्लान है? क्योंकि ट्रंप भी अब इनके सामने घुटने टेक चुके हैं। मिड टर्म चुनावों में अपनी रिपब्लिकन पार्टी की हुई फजीहत से बौखलाए हुए भी हैं। लिहाजा इस सवाल को तीन अलग-अलग अवधारणाओं में समझना जरूरी है:- एक, डीप स्टेटः स्थायी प्रशासनिक, सुरक्षा और संस्थागत नेटवर्क का प्रभाव। दो, अमेरिकी रणनीतिक प्रतिष्ठानः विदेश नीति, रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े संस्थान एवं नीति निर्माता। तीन, ट्रंप की व्यक्तिगत कूटनीतिः नेताओं से सीधे बातचीत और द्विपक्षीय सौदेबाजी। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में सत्ता बदलने के बावजूद राष्ट्रीय सुरक्षा संस्थानों, रक्षा प्रतिष्ठानों और विदेश नीति से जुड़े स्थायी हित बने रहते हैं। लेकिन यह मान लेना कि इन सभी संस्थानों का कोई एक गुप्त और सर्वसम्मत गेम प्लान है, मौजूदा उपलब्ध प्रमाणों से पुष्ट नहीं होता। इसलिए डीप स्टेट की परिकल्पना को एक राजनीतिक व्याख्या के रूप में देखना चाहिए, स्थापित तथ्य के रूप में नहीं।

पांचवां सवाल यह है कि क्या 19 नवंबर की त्रिपक्षीय बैठक के पांच बड़े सवाल का संतुलित जवाब मिलेगा? चूंकि, ट्रंप, पुतिन और शी जिनपिंग की शेनझेन में प्रस्तावित त्रिपक्षीय बैठक पर पूरी दुनिया की नजरें बनी हुई हैं, क्योंकि इस बैठक से जुड़े पांच महत्वपूर्ण सवाल हैं- एक, क्या यूक्रेन युद्ध के समाधान पर कोई साझा रास्ता निकलेगा? दो, क्या चीन को अमेरिका-रूस परमाणु हथियार नियंत्रण वार्ता में शामिल करने की कोशिश सफल होगी? तीन, क्या ईरान के मुद्दे पर रूस और चीन अमेरिकी दृष्टिकोण के करीब आएंगे? चार, क्या अमेरिका ताइवान के मुद्दे पर चीन को कोई राजनीतिक आश्वासन देगा? पांच, क्या तीनों महाशक्तियां अपने सहयोगियों के हितों को ध्यान में रखकर कोई समझौता करेंगी? बैठक के एजेंडे और प्रारूप को लेकर बातचीत जारी थी, क्योंकि तीनों नेताओं के अलग-अलग उद्देश्यों और संभावित हितों को रेखांकित किया है।

छठा सवाल है कि भारत के लिए इसका क्या अर्थ है? चूंकि भारत के लिए यह घटनाक्रम विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि रूस भारत का पुराना रक्षा और ऊर्जा साझेदार है। अमेरिका भारत का महत्वपूर्ण तकनीकी, आर्थिक और रणनीतिक साझेदार है। चीन के साथ भारत के सीमा और क्षेत्रीय सुरक्षा संबंधी मुद्दे हैं। ईरान और मध्य एशिया भारत के संपर्क एवं ऊर्जा हितों के लिए महत्वपूर्ण हैं। भारत के लिए चुनौती यह होगी कि वह किसी एक महाशक्ति के कूटनीतिक समीकरण का हिस्सा बनने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर सभी प्रमुख शक्तियों से संबंध बनाए रखे। सातवां और अंतिम सवाल यह है कि असली लड़ाई भरोसे और रणनीतिक विश्वसनीयता की है। वास्तव में, इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में किसी देश की ताकत केवल उसकी सैन्य या आर्थिक क्षमता से तय नहीं होती। उसकी प्रतिबद्धताओं पर सहयोगियों का भरोसा भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है। यदि रूस या चीन अमेरिका के साथ किसी समझौते में अपने रणनीतिक सहयोगियों के हितों की अनदेखी करते हैं, तो उनकी विश्वसनीयता पर सवाल उठ सकते हैं। दूसरी ओर, यदि ट्रंप अपने सहयोगियों और प्रतिद्वंद्वियों दोनों के साथ अनिश्चित सौदेबाजी करते हैं, तो अमेरिका की अपनी विश्वसनीयता भी प्रभावित हो सकती है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में 27 ट्रांसजेंडर सैनिकों को सेना से निकालने पर लगी रोक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की संघीय अपीलीय अदालत ने ट्रंप प्रशासन को 27 से अधिक ट्रांसजेंडर सैनिकों को सेना से बाहर करने से रोक दिया है। अदालत ने मंगलवार को पेंटागन की उस मांग को खारिज कर दिया, जिसमें फैसले पर रोक लगाने की अपील की गई थी। तीन जजों की पीठ ने 2-1 से यह फैसला सुनाया। इससे पहले जून में अदालत ने माना था कि ट्रांसजेंडर सैनिकों को उनकी लैंगिक पहचान के आधार पर बाहर करने की नीति गलत है। हालांकि, इस फैसले से नए ट्रांसजेंडर सैनिकों की भर्ती का रास्ता नहीं खुला है। मामला दोबारा अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट पहुंच सकता है।

आयरलैंड के एयरपोर्ट पर कुल्हाड़ी से अमेरिकी सैन्य विमान तबाह

डबलिन , एजेंसी। आयरलैंड के शैनन एयरपोर्ट पर एक व्यक्ति ने अमेरिकी सैन्य विमान को भारी नुकसान पहुंचाया। अमेरिकी अभियोजकों के मुताबिक, 48 वर्षीय दाइशी ओ'कोरेन ने अप्रैल में एयरपोर्ट की सुरक्षा घेराबंदी तोड़कर सी-130 हरक्यूलिस विमान में घुसपैठ की थी। उसने विमान की हाइड्रोलिक लाइनें काटीं, कॉकपिट के उपकरण तोड़े और ईंधन टैंक में धातु के गोले डाल दिए। करीब 60 मिलियन डॉलर का यह विमान अब उड़ान भरने लायक नहीं बचा है। आरोपी पर अमेरिकी सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। दोषी साबित होने पर उसे 10 साल तक की जेल हो सकती है।

इस्राइल की संसद को मिला नया स्पीकर

येरुशलम, एजेंसी। इस्राइल की संसद ने मंगलवार को मातान कहाना को नया स्पीकर चुन लिया। उन्हें 120 सदस्यीय संसद में 66 वोट मिले, जबकि बेंजामिन नेतन्याहू के समर्थन वाले उम्मीदवार ओफिर काट्ज को 52 वोट मिले। कहाना, नेतन्याहू के विरोधी गठबंधन के नेता गादी आइजेनकोट के सहयोगी हैं। 27 अक्तूबर को हुए चुनाव में नेतन्याहू और उनके सहयोगियों ने संसदीय बहुमत खो दिया था। नया स्पीकर चुने जाने से विपक्षी गठबंधन को संसद में विधायी एजेंडा आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। गठबंधन न्यायपालिका से जुड़े विवादित कानूनों को बदलने और सात अक्तूबर 2023 के हमले की जांच कराने की तैयारी में है। इस्राइल में नेतन्याहू विरोधी गठबंधन संसद में कई विवादित कानूनों को बदलने की तैयारी कर रहा है। नए स्पीकर मातान कहाना के चुनाव से विपक्ष को विधायी प्रक्रिया में बढ़त मिली है। गठबंधन प्रधानमंत्री के कार्यकाल की सीमा तय करने, न्यायपालिका की शक्तियां कमजोर करने वाले कानूनों को पलटने और सात अक्तूबर 2023 के हमले की सरकारी जांच कराने वाले प्रस्ताव लाया है। हालांकि, गठबंधन के नेता गादी आइजेनकोट के पास सरकार बनाने के लिए पांच सप्ताह तक का समय है। यदि वह सरकार बनाने में नाकाम रहते हैं तो राष्ट्रपति नेतन्याहू को फिर मौका दे सकते हैं।

इटली में यहूदी-विरोधी भावना रोकने के लिए नया कानून

रोम, एजेंसी। इटली की संसद ने यहूदी-विरोधी भावना से निपटने के लिए नए कानून को मंजूरी दे दी है। निचले सदन में इसे 147 वोट मिले, जबकि 93 सांसदों ने विरोध किया और पांच ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। कानून में अंतरराष्ट्रीय होलोकॉस्ट रिमेंबरेंस एलायंस की यहूदी-विरोधी भावना की परिभाषा को शामिल किया गया है। समर्थकों का कहना है कि इससे यहूदी-विरोधी घटनाओं से निपटने में मदद मिलेगी। वहीं, आलोचकों को आशंका है कि इसका इस्तेमाल इस्राइल की नीतियों की आलोचना रोकने के लिए हो सकता है। कानून में नए अपराध या सजा का प्रावधान नहीं किया गया है।

अमेरिका में हवाई यातायात व्यवस्था पर फिर संकट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने पिछले सप्ताह हवाई यातायात व्यवस्था में आई गड़बड़ी के बाद नए राउटर लगाने पर रोक लगा दी है। पहले से लगाए गए जुनिपर राउटर भी बंद कर दिए गए हैं। जांच में पता चला कि अर्कांसस के एल डोराडो में लगाया गया एक राउटर खराबी की वजह बना था। इससे देश के 22 में से 17 क्षेत्रीय हवाई यातायात नियंत्रण केंद्र प्रभावित हुए थे। फिलहाल व्यवस्था चलाने के लिए 25 साल पुराने सिस्को राउटर इस्तेमाल किए जा रहे हैं।

नेतन्याहू की बढ़ीं मुश्किलें: संसद में विपक्ष का बहुमत, आइजेनकोट के करीबी मतान कहाना बने नए स्पीकर

यरूशलेम, एजेंसी। इस्राइल की संसद (नेसेट) ने मंगलवार को नए स्पीकर का चुनाव किया। इसे प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाली निवर्तमान सरकार की नीतियों को पलटने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। नए स्पीकर के रूप में मतान कहाना को चुना गया है, जो गादी आइजेनकोट के करीबी सहयोगी हैं। आइजेनकोट फिलहाल नेतन्याहू की जगह नई सरकार बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उनके गठबंधन ने कहाना के चुनाव के बाद नेतन्याहू की कुछ सबसे विवादित नीतियों को वापस लेने का वादा किया है।

कहाना को कितने वोट मिले : 120 सदस्यीय संसद में कहाना को 66 वोट मिले। उन्हें यह समर्थन यहूदी नेतृत्व वाले विपक्षी दलों के साथ-साथ अरब नेतृत्व वाले दलों से भी मिला। वहीं, नेतन्याहू के गठबंधन की ओर से समर्थित उम्मीदवार ओफिर काट्ज को 52 वोट मिले। स्पीकर के चुनाव को लेकर संसद में सात घंटे से अधिक समय तक तीखी बहस चली। मतदान से पहले आइजेनकोट ने कहा, 'मतान कहाना की नेसेट स्पीकर के रूप में नियुक्ति एक उचित लोकतांत्रिक कदम है। यह बदलाव के पक्ष में स्पष्ट बहुमत को दर्शाती है।'

यह चुनाव 27 अक्तूबर को हुए संसदीय चुनावों के कुछ सप्ताह बाद हुआ है। इन चुनावों में नेतन्याहू और उनके सहयोगियों ने संसद में अपना बहुमत खो दिया था। इसके बाद इस्राइल के राष्ट्रपति ने आइजेनकोट



को नई गठबंधन सरकार बनाने की जिम्मेदारी सौंपी थी।

आइजेनकोट के पास कितना समय : आइजेनकोट के पास गठबंधन बनाने के लिए जरूरी समर्थन जुटाने के लिए अधिकतम पांच सप्ताह का समय और है। सरकार गठन को लेकर बातचीत जारी रहने के बीच उनका गुट और असंबद्ध अरब नेतृत्व वाले दल नवगठित संसद में अपने बहुमत का इस्तेमाल विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए कर सकते हैं। पिछले सप्ताह इन दलों ने कई विधेयक पेश किए थे। इनमें प्रधानमंत्री के पद पर कार्यकाल की सीमा तय करना, सात अक्तूबर 2023 को हमास के नेतृत्व में हुए हमलों की जांच के लिए सरकार के नेतृत्व में जांच आयोग गठित करना और न्यायपालिका की शक्तियों को सीमित करने वाले कानूनों को वापस लेना शामिल है।

स्पीकर के पास संसद का एजेंडा तय करने की अहम भूमिका : यरुशलम स्थित थिंक टैंक इस्राइल डेमोक्रेसी इंस्टीट्यूट के असाफ शापिरा के मुताबिक, कहाना के स्पीकर बनने से विपक्षी गठबंधन को विधायी प्रक्रिया में बड़ा फायदा मिला है। उन्होंने कहा कि यह नियुक्ति इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि समय बहुत कम है। नेसेट का स्पीकर विधायी प्रक्रिया को बहुत तेज या बहुत धीमा कर सकता है। कहाना ने नेतन्याहू के सहयोगी अमीर ओहाना की जगह ली है। आइजेनकोट और उनके सहयोगियों पर आने वाले सप्ताहों में अपनी विधायी प्राथमिकताओं को तेजी से आगे बढ़ाने का दबाव है।

फिलहाल आइजेनकोट की याशर पार्टी के सदस्य रॉय फोकमैन अस्थायी समिति के प्रमुख हैं। सरकार बनने तक संसद के ज्यादातर कामकाज से जुड़े फैसले यही समिति करती है। अगर आइजेनकोट सरकार बनाने में नाकाम रहते हैं, तो इस्राइल के राष्ट्रपति नेतन्याहू को सरकार बनाने का एक और मौका दे सकते हैं। ऐसी स्थिति में नेतन्याहू की लिकुड पार्टी को समिति का नियंत्रण मिलने की संभावना है।

शापिरा ने कहा कि भले ही नेतन्याहू के विरोधियों के पास तब भी संसद में बहुमत बना रहे, लेकिन उन्हें लगेगा कि उनकी राजनीतिक गति धीमी पड़ गई है। इससे कुछ विधेयकों के अटकने का वास्तविक खतरा पैदा हो सकता है।

संसद में सात अक्तूबर के हमले को लेकर तीखी बहस : मंगलवार को संसद में हुई बहस के दौरान सात अक्तूबर के हमले के जख्म भी सामने आए। बहस शुरू होने के कई घंटे बाद लिकुड पार्टी की सदस्य तालिक ग्विली ने अरब ज्वाइंट लिस्ट के वरिष्ठ सदस्य अहमद तिबी के भाषण के बीच हस्तक्षेप किया।

ग्विली का बेटा पुलिस अधिकारी था, जिसकी सात अक्तूबर को फलस्तीनी आतंकियों ने हत्या कर दी थी। उस समय तिबी संसद में दक्षिणपंथी सांसदों की नस्लवादी टिप्पणियों की आलोचना कर रहे थे। इसी दौरान ग्विली ने चिल्लाते हुए पूछा, 'मेरे बेटे को किसने मारा?' इस पर तिबी ने जवाब दिया, 'आप मुझे इसके लिए जिम्मेदार क्यों ठहराने लगी हैं? किसी अरब सांसद से ऐसा सवाल मत पूछिए।' इसके बाद दोनों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। संसद के आसन से तिबी ने ग्विली से बिना किसी आधार के आरोप लगाने से बचने को कहा।

न्यूयॉर्क मेयर ममदानी बोले- हिंदू-सिखों के खिलाफ नफरत बढ़ी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने अमेरिका में हिंदू और सिख समुदाय के खिलाफ बढ़ती नफरत पर चिंता जताई है। ममदानी ने मंगलवार को अपने कार्यालय में दिवाली कार्यक्रम के दौरान कहा कि पिछले एक साल में हिंदू मंदिरों को निशाना बनाया गया और सिख समुदाय के खिलाफ भी नफरत फैलाई गई। रामायण और महाभारत का जिक्र करते हुए ममदानी ने कहा कि रामायण हमें सिखाती है कि हमें कैसा भाई, पति, पत्नी और दोस्त बनना चाहिए। महाभारत परिवारों की असली तस्वीर दिखाती है। ममदानी की मां मीरा नायर पंजाबी हिंदू परिवार से आती हैं। 35 साल के ममदानी न्यूयॉर्क के पहले भारतीय-अमेरिकी मेयर हैं।

वॉशिंगटन हो या दिल्ली, नफरत फैलाने वाली राजनीति को रोकना होगा : ममदानी ने अमेरिका और भारत की राजनीति का जिक्र करते हुए कहा कि लोगों की जिम्मेदारी है कि वे समाज में डर और नफरत फैलाने वाली बातों का विरोध करें। उन्होंने कहा, चाहे वॉशिंगटन हो या दिल्ली, हमें ऐसी राजनीति को खारिज करना चाहिए जो हमारी जिंदगी में अंधेरा लाती है। उन्होंने यह भी बताया कि बचपन से ही वह अपने परिवार के साथ दिवाली मनाते आए हैं। अब न्यूयॉर्क के मेयर के तौर पर पूरे शहर के लोगों के साथ यह त्योहार मनाना उनके लिए सम्मान की बात है।

हिंदू समुदाय के खिलाफ दो घटनाएं हुईं : इलिनॉय के मंदिर में गोलीबारी की कोशिश: 11 अक्टूबर को अमेरिका के इलिनॉय राज्य के औरोरा शहर में एक हिंदू मंदिर पर गोलीबारी की कोशिश हुई थी। पुलिस के मुताबिक 19 साल का एलेक्जेंड्रोस पापोराकिस हथियार और गोलियां लेकर मंदिर पहुंचा था। उस समय मंदिर में नवरात्रि मनाने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। आरोपी की राइफल जाम हो गई थी, जिसके बाद वह वहां से चला गया। उसके एक साथी कर्मचारी ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। जांच में उसके घर से राइफल, 300 से ज्यादा गोलियां और नाजी विचारधारा से जुड़ी चीजें मिलीं। आरोपी पर आतंकवादी धमकी देने और अवैध हथियार रखने के आरोप लगे हैं।

सिएटल में दिवाली कार्यक्रम में हंगामा: 7 नवंबर 2026 को अमेरिका के सिएटल में दिवाली कार्यक्रम के दौरान दो लोगों ने ने हंगामा किया। दोनों विवादित पोस्टर लेकर कार्यक्रम में घुस आए। पोस्टर पर लिखा था- 'सभी भारतीयों को देश से निकालो'। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद सांसद प्रमिला जयपाल ने इसकी निंदा की। 17 नवंबर को 13 अमेरिकी सांसदों ने FBI से मामले की जांच संभावित हेट क्राइम के तौर पर करने की मांग की। गुरुद्वारे की दीवारों पर नफरत भरी बातें लिखीं: 27 दिसंबर 2025 को न्यूयॉर्क के क्वींस इलाके में बाबा माखन शाह लुबाना सिख सेंटर की दीवारों पर अज्ञात लोगों ने आपत्तिजनक बातें लिख दीं।

कुवैत में ड्रोन हमलों का अलर्ट, सेना ने एक्टिवेट किया एयर डिफेंस सिस्टम

कुवैत सिटी, एजेंसी। खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते सैन्य तनाव के बीच ईरानी मीडिया ने किया विस्फोटों का दावा कुवैत सिटी। मध्य पूर्व और खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते भू-राजनीतिक व सैन्य तनाव के बीच कुवैत में ड्रोन हमलों का हाई अलर्ट जारी किया गया है। कुवैती सेना ने बुधवार को पुष्टि की कि देश की हवाई रक्षा प्रणालियां सक्रिय रूप से शत्रुतापूर्ण ड्रोन हमलों का मुकाबला कर रही हैं। सेना के जनरल स्टाफ ने स्पष्ट किया है कि देश के विभिन्न हिस्सों में सुनाई दे रही तेज धमाकों की आवाजें इन हवाई हमलों को हवा में ही रोकने (इंटरसेप्ट करने) की कार्रवाई का नतीजा हैं। कुवैती आर्मी ने सोशल मीडिया पर जारी किया बयान, ईरानी मीडिया ने दी विस्फोटों की खबरहवाई हमलों को नाकाम करने में जुटी सेनाः कुवैत आर्मी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा, 'कुवैत की हवाई रक्षा प्रणालियां इस समय शत्रुतापूर्ण ड्रोन हमलों का मुकाबला कर रही हैं।' जनरल स्टाफ के अनुसार, एयर डिफेंस यूनिट्स पूरी सतर्कता के साथ हवाई खतरों को निष्क्रिय करने में जुटी हुई हैं, जिससे आसमान में धमाकों की आवाजें सुनाई दे रही हैं।

अरब सूत्रों के हवाले से विस्फोटों का दावा: दूसरी ओर, बीबीसी फारसी से मिली जानकारी के अनुसार, ईरानी मीडिया ने 'अरब सूत्रों' के हवाले से कुवैत में कई विस्फोट होने की खबरें प्रसारित की हैं। खाड़ी क्षेत्र में गहराता सैन्य टकराव, ईरान ने दी है अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाने की चेतावनी

बहरीन के बाद अब कुवैत में हलचलः गौरतलब है कि यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका और ईरान के बीच सीधा तनाव चरम पर है। पिछले कुछ दिनों में ईरान ने बहरीन स्थित अमेरिकी रडार ठिकानों पर हमले करने की घोषणा की थी। तेहरान ने इसे केशम और सिरिक सहित खाड़ी के तटीय इलाकों में हुए अमेरिकी हवाई हमलों की जवाबी कार्रवाई करार दिया था।

अमेरिका: 83 महिला सांसदों की अश्लील डीपफेक तस्वीरें ऑनलाइन? पेरिस हिल्टन के खुलासे से मचा हड़कंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में ऑनलाइन यौन उत्पीड़न और बिना सहमति के बनाई गई अश्लील तस्वीरों (अश्लील डीपफेक) का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में है। मॉडल और रियलिटी टीवी स्टार पेरिस हिल्टन ने एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए दावा किया है कि अमेरिकी कांग्रेस की 156 महिला सांसदों में से 83 की अश्लील डीपफेक तस्वीरें फिलहाल इंटरनेट पर मौजूद हैं। हिल्टन ने मंगलवार शाम सीएनएन के कार्यक्रम 'द लीड' में एंकर जेक टैपर से बातचीत के दौरान यह जानकारी साझा की। उनका यह खुलासा सुनकर टैपर भी हैरान रह गए।

हिल्टन इन दिनों अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) से डीईएफआईएएनसीई एक्ट पारित कराने की मांग कर रही हैं। यह



विधेयक इंटरनेट पर बिना सहमति के बनाई और साझा की जाने वाली यौन तस्वीरों और डीपफेक सामग्री पर रोक लगाने के उद्देश्य से लाया गया है। मंगलवार को उन्होंने इस कानून को पारित कराने के लिए अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के नेतृत्व से मुलाकात भी की। हिल्टन ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि जनवरी में कांग्रेस में डेमोक्रेटिक बहुमत आने से पहले मौजूदा सत्र में ही यह विधेयक पारित हो जाएगा। इससे पहले यह विधेयक अमेरिकी सीनेट से पारित हो चुका है।

विधेयक पारित नहीं हुआ तो पीड़ितों के लिए होगा दुखद : सीएनएन के एंकर जेक टैपर ने जब हिल्टन से पूछा कि क्या इस विधेयक को प्रतिनिधि सभा में पर्याप्त समर्थन मिल रहा है, तो उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस का मौजूदा सत्र समाप्त होने से पहले इसे पारित नहीं किया गया, तो यह पीड़ितों के लिए बेहद दुखद होगा। हिल्टन ने इस मुद्दे को किसी राजनीतिक दल से जुड़ा मामला मानने से इनकार किया। उन्होंने कहा, 'यह रिपब्लिकन या डेमोक्रेटिक पार्टी का मुद्दा नहीं है।' उनके मुताबिक, ऑनलाइन यौन डीपफेक एक महामारी की तरह फैल रहे हैं और इससे निपटने के लिए कई स्तरों पर प्रयास करने की जरूरत है। हिल्टन ने प्रतिनिधि सभा की सांसद अलेक्जेंड्रिया ओकासियो-कोर्टेज (डेमोक्रेट-न्यूयॉर्क) और लॉरेल ली (रिपब्लिकन-फ्लोरिडा) की सराहना की। उन्होंने कहा कि दोनों सांसदों ने इस विधेयक पर उनके साथ काम किया है और इस मुद्दे को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने बताया कि उनकी टीम ने इस विषय पर एक अध्ययन किया है। इसके मुताबिक, अमेरिकी कांग्रेस की कुल 156 महिला सांसदों में से 83 की यौन डीपफेक तस्वीरें इस समय ऑनलाइन मौजूद हैं। हिल्टन ने कहा कि यह समस्या सभी को प्रभावित कर रही है। यह आंकड़ा सुनकर जेक टैपर ने हैरानी जताते हुए कहा, 'यह वाकई भयावह है।' डीईएफआईएएनसीई एक्ट का उद्देश्य बिना सहमति के किसी व्यक्ति की अश्लील या यौन तस्वीरें बनाने और उन्हें इंटरनेट पर साझा करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का रास्ता मजबूत करना है।

अलास्का में भी जीते डेमोक्रेट्स: मैरी पेल्टोला ने रिपब्लिकन से छीना राज्य, 70 साल बाद सीनेट में सबसे बड़ी बढ़त

अलास्का , एजेंसी। अलास्का में अमेरिकी सीनेट की कड़े मुकाबले वाली दौड़ में, पूर्व प्रतिनिधि मैरी पेल्टोला ने रिपब्लिकन सीनेटर डैन सुलिवन को हरा दिया है। इस जीत के साथ ही, रिपब्लिकन पार्टी के कब्जे वाली एक और सीट (कुल नौवीं सीट) डेमोक्रेट्स के खाते में चली गई है। यह पिछले लगभग 70 वर्षों में किसी मध्यावधि चुनाव (मिडटर्म इलेक्शन) में डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए सबसे बड़ी बढ़त है।

अलास्का के लिए यह जीत क्यों है खास : पूर्व अमेरिकी कांग्रेसवुमन पेल्टोला, अलास्का की पहली डेमोक्रेटिक सीनेटर बनेंगी। उनसे पहले मार्क बेगिच इस सीट पर थे, जो 2009 से 2015 तक इस पद पर रहे थे। बता



दें कि वह अमेरिकी सीनेट के लिए चुनी जाने वाली अलास्का की पहली मूल निवासी महिला हैं। वह उन केवल दो मूल निवासी महिलाओं में से एक हैं जो इस पद पर पहुंची हैं; दूसरी महिला पैगी फ्लैनागन हैं, जिन्होंने इस साल मिनेसोटा में सीनेट का चुनाव जीता है। अलास्का का मुकाबला मध्यावधि चुनावों में सीनेट की आखिरी दौड़ थी, जिसका परिणाम घोषित किया गया। इस मुकाबले में एक निर्दलीय उम्मीदवार को लेकर विवाद भी हुआ, जिसका नाम सुलिवन के नाम से मिलता-जुलता था।

पहले क्या थे ये आंकड़े : इससे पहले, 1958 में रिपब्लिकन राष्ट्रपति ड्वाइट आइजनहावर के दूसरे कार्यकाल के दौरान, डेमोक्रेट्स ने मध्यावधि चुनाव में नौ या उससे अधिक सीनेट सीटें जीती थीं। उस साल, डेमोक्रेट्स ने रिपब्लिकन पार्टी के कब्जे वाली 13 सीटें छीन ली थीं और अलास्का की दो नई बनी सीटों पर भी जीत हासिल की थी, जिससे उन्हें कुल 15 सीटों का फायदा हुआ था।

पेल्टोला की जीत के बाद, जनवरी में जब नई कांग्रेस शुरू होगी, तब डेमोक्रेट्स के पास 56-44 का बहुमत होगा। पिछले 16 वर्षों में सीनेट में डेमोक्रेटिक पार्टी की यह सबसे बड़ी बढ़त है। 3 जनवरी 2011 को समाप्त हुई 111वीं कांग्रेस के अंतिम दिनों में, डेमोक्रेट्स के पास सीनेट की 58 सीटें थीं। अगर अलास्का की सीट को छोड़ भी दें, तब भी डेमोक्रेट्स को जनवरी 2015 के बाद से सबसे बड़ा बहुमत मिल गया है। 2014 के मध्यावधि चुनावों में, राष्ट्रपति बराक ओबामा के दूसरे कार्यकाल के दौरान, रिपब्लिकन पार्टी ने डेमोक्रेट्स की नौ सीटें जीतकर सत्ता पर अपना नियंत्रण बना लिया था। बुधवार को मिसिसिपी में अमेरिकी सीनेट की दौड़ में डेमोक्रेट स्कॉट कोलोम की जीत के साथ, उनकी पार्टी को रिपब्लिकन पार्टी के कब्जे वाली आठवीं सीट मिल गई।

एनवीडिया के पूर्व सीईओ जेन्सन हुआंग वापसी को तैयार:कहा- बोर्ड के फैसले पर ही लौटूंगा; चेयरमैन बोले- ऐसा कोई इरादा नहीं

कैलिफोर्निया, एजेंसी। एनवीडिया के पूर्व सीईओ जेन्सन हुआंग पद पर वापसी के लिए तैयार हैं। उन्होंने इस्तीफे के बाद मंगलवार को पहली बार एक्स पर पोस्ट कर बयान जारी किया। हुआंग ने पिछले हफ्ते एक चीनी महिला जासूस से अफेयर की खबरों के बाद पद छोड़ा था। अपने पोस्ट में हुआंग ने लिखा, अगर बोर्ड फैसला करता है कि मेरी वापसी शेयरहोल्डर्स, कर्मचारियों, कंपनी और अमेरिका के हित में है, तो मैं उन अपीलों का जवाब देने और सीईओ के रूप में लौटने पर सम्मानित महसूस करूंगा। हालांकि, एनवीडिया के चेयरमैन ने साफ कर दिया है कि बोर्ड का जेन्सन हुआंग को फिर से सीईओ बनाने का कोई इरादा नहीं है।

इस्तीफे के बाद जेन्सन का ये बयान क्यों अहम है... ये वापसी की खुली अपील है: हुआंग ने सीधे नहीं कहा- 'मुझे वापस लो।' उन्होंने कहा- 'अगर बोर्ड चाहे तो मैं तैयार हूं।' ये एक तरह से बोर्ड पर जनता और कर्मचारियों का दबाव बनाने वाली रणनीति मानी जा रही है।

गलती मानी, लेकिन डिटेल नहीं दी: उन्होंने गंभीर गलतियां और बोर्ड के लिए समस्याएं मानीं, लेकिन किस अफेयर की बात हो रही है, इसका नाम नहीं लिया।

अमेरिका कार्ड खेला: बयान में 3 बार अमेरिका, अमेरिकी नागरिक, अमेरिका के हित में कहा। ये इसलिए, क्योंकि उन पर आरोप चीन से जुड़े हैं। वो ये दिखाना चाहते हैं कि वो अमेरिका के साथ हैं।

परिवार से माफी: आखिरी लाइन में पत्नी और बच्चों से माफी



मांगी, 'मैं बाकी जिंदगी तुम्हारे लायक बनने में बिताऊंगा।'

हुआंग की वापसी के समर्थन में आए 1.90 लाख लोग : जेन्सन हुआंग की एनवीडिया में वापसी की मांग वाली ऑनलाइन याचिका पर 1 लाख 90 हजार से ज्यादा लोग हस्ताक्षर कर चुके हैं। टेक इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी उनकी वापसी का समर्थन किया है।

अमेरिकी संसद की समितियों के सामने पेश होंगे हुआंग : एनवीडिया के चिप्स चीन भेजने और अमेरिकी नियमों के उल्लंघन को लेकर कंपनी की जांच चल रही है। अमेरिकी संसद की प्रमुख समितियों ने मंगलवार को बताया कि जेन्सन हुआंग जांच में अपना पक्ष रखने के लिए तैयार हो गए हैं। वह 1 दिसंबर को समितियों के सामने पेश होंगे। इसके अगले दिन, 2 दिसंबर को कंपनी के जनरल काउंसल टिम टेटर से सवाल-जवाब होंगे। इस बीच, एनवीडिया ने नियमों की निगरानी के लिए बोर्ड की एक नई समिति बनाई है। यह समिति देखेगी कि कंपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और दूसरे देशों को चिप्स बेचने से जुड़े अमेरिकी नियमों का पालन कर रही है।

ट्रंप को मारना चाहता था पाकिस्तानी, अमेरिका ने सुनाई 27 साल 6 महीने की सजा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की साजिश रचने वाले पाकिस्तानी नागरिक आसिफ मर्चेंट को 27 साल छह महीने जेल की सजा सुनाई गई है। अभियोजकों का कहना है कि यह साजिश ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के निर्देश पर रची गई थी। हालांकि, अमेरिकी जांच एजेंसियों ने समय रहते इसे नाकाम कर दिया और किसी हमले को अंजाम नहीं दिया जा सका। अमेरिकी न्याय विभाग ने मंगलवार को बताया कि न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन स्थित संघीय अदालत में जिला न्यायाधीश एरिक आर. कोमिटी ने मर्चेंट को 330 महीने की सजा सुनाई। 48 वर्षीय मर्चेंट को छह मार्च को जूरी ने हत्या के लिए सुपारी देने और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से परे आतंकवादी गतिविधि को अंजाम देने की कोशिश के आरोपों में दोषी ठहराया था।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, मर्चेंट ने एक अमेरिकी राजनीतिक नेता की हत्या के लिए पेशेवर हत्यारों की तलाश की थी। हालांकि, जिन लोगों को उसने इसके लिए पैसे दिए, वे वास्तव में एफबीआई के अंडरकवर एजेंट थे। जांच एजेंसी ने हमले से पहले ही पूरी योजना का खुलासा कर दिया। मर्चेंट ने अदालत में गवाही दी। उसका मानना था कि इस साजिश का मुख्य निशाना ट्रंप थे। अभियोजकों के मुताबिक, उस



समय के राष्ट्रपति जो बाइडेन और संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत निक्की हेली भी संभावित निशानों में शामिल थे। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच ने सजा की घोषणा करते हुए कहा, ''न्याय विभाग हमारे नेताओं के खिलाफ विदेशी आतंकवादी साजिशों को बर्दाश्त नहीं करेगा।'' अभियोजकों का दावा था कि इस साजिश का मकसद ईरानी सैन्य कमांडर कासिम सुलेमानी की हत्या का बदला लेना था। सुलेमानी जनवरी 2020 में ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान इराक में अमेरिकी ड्रोन हमले में मारे गए थे। हालांकि, मर्चेंट ने अभियोजन पक्ष के इस दावे पर सवाल उठाया था कि वह वास्तव में हत्या की योजना को अंजाम देने के लिए तैयार था। उसने अदालत में कहा था कि ईरान में उसके परिवार की सुरक्षा को लेकर उसे डर था और उसका इरादा कभी भी हत्या करवाने का नहीं था। अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, मर्चेंट स्वेच्छा से रिवोल्यूशनरी गार्ड के खुफिया अभियान में शामिल हुआ था और अमेरिका आने से पहले उसे प्रशिक्षण दिया गया था। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, एक रिश्तेदार के माध्यम से उसकी पहचान ईरान में मौजूद एक हैंडलर से कराई गई थी। इसके बाद तेहरान में दोनों की कई मुलाकातें हुईं।

मर्चेंट को कथित तौर पर काउंटर इंटेलिजेंस का प्रशिक्षण दिया गया और राजनीतिक रैली के दौरान हत्या को अंजाम देने के लिए अपराधियों की भर्ती करने के निर्देश दिए गए। मर्चेंट अप्रैल 2024 में ईरान में कुछ समय बिताने के बाद अमेरिका पहुंचा। उसने इस योजना में मदद के लिए अपने एक परिचित से संपर्क किया, लेकिन उस व्यक्ति ने एफबीआई को इसकी जानकारी दे दी और जांच एजेंसी के लिए मुखबिर बन गया। मुकदमे के दौरान पेश की गई एक रिकॉर्डिंग में मर्चेंट को कथित तौर पर यह समझाते हुए सुना गया कि किसी राजनीतिक नेता की रैली के दौरान हत्या किस तरह की जा सकती है। बाद में उसने उन लोगों से मुलाकात की, जिन्हें वह सुपारी लेकर हत्या करने वाले पेशेवर अपराधी समझ रहा था। उसने उन्हें बताया कि वह विदेश में मौजूद कुछ अन्य लोगों के साथ मिलकर काम कर रहा है। अमेरिकी अभियोजकों के अनुसार, प्रस्तावित गतिविधियों में दस्तावेजों की चोरी, राजनीतिक रैलियों में विरोध प्रदर्शन आयोजित करना और एक राजनीतिक नेता की हत्या करना शामिल था।

भूलकर भी निमोनिया में न करें इन चीजों का सेवन, खतरे में पड़ जाएगी जान



क्या होता है निमोनिया

निमोनिया सांस से जुड़ी एक गंभीर बीमारी है, जिसमें फेफड़ों (लंग्स) में इन्फेक्शन हो जाता है। निमोनिया होने पर फेफड़ों में सूजन आ जाती है और कई बार पानी भी भर जाता है।

क्यों होता है निमोनिया

निमोनिया ज्यादातर बैक्टीरिया, वायरस या फंगल इन्फेक्शन की वजह से होता है। यह ज्यादातर मौसम बदलने, सर्दी लगने, फेफड़ों पर चोट लगने या फिर चिकनपॉक्स जैसी बीमारियों के बाद हो सकता है। कई बार निमोनिया प्रदूषण में अधिक रहने से भी हो सकता है।

निमोनिया होने पर इन चीजों से करें परहेज

- जिन चीजों से आपको एलर्जी है उन चीजों का सेवन करने से बचें।
- निमोनिया से पीड़ित व्यक्ति को अधिक मीठे का सेवन करने से बचना चाहिए।
- डाइट में खासतौर पर प्रोसेस्ड फूड और शीतल पेय शामिल करने से बचें।
- दूध और डेरी उत्पाद का सेवन न करें क्योंकि ये सभी चीजें शरीर में बलगम बढ़ाने का काम करती हैं।
- ऐसे आहार जिसमें आर्टिफिशियल कलर, स्वाद या फिर कैफिन मौजूद हो डाइट में शामिल नहीं करने चाहिए।

निमोनिया में सब्जियां फल खाएं

निमोनिया के दौरान आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है और इसे मजबूत बनाने के लिए आपको भरपूर मात्रा में पोषक तत्व और एंटीऑक्सिडेंट की आवश्यकता होती है। इसलिए इस बीमारी में आपको अधिक से अधिक सब्जियां खानी चाहिए। सब्जियों में आप हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पत्ता गोभी और अजमोद आदि खाएं। इसके साथ ही साथ आप चुकंदर, खीरा और गाजर भी खा सकते हैं। इन सभी सब्जियों में भरपूर मात्रा में विटामिन ए, विटामिन सी, फोलिक एसिड और पौटैशियम जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। यह पोषक तत्व बीमारी को ठीक करने में मदद करते हैं और संक्रमण से लड़ने के लिए आपके शरीर को मजबूत भी बनाते हैं।

ताजा फलों से आपको पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्व प्राप्त होते हैं। जब आपके शरीर को भरपूर मात्रा में पोषक तत्व मिलता है, तब आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होने लगती है। रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होने से आप निमोनिया से जल्द ठीक हो जाते हैं। इसलिए आलूबुखारा, नाशपाती, स्ट्राबेरी, जामुन जैसे मीठे फलों को खाएं, लेकिन ध्यान रहे इन्हें सीमित मात्रा में खाएं।

एचआईवी पॉजिटिव महिलाओं में घट जाती है मेनोपॉज की उम्र

एचआईवी से संक्रमित महिलाओं को औसतन 48 वर्ष की उम्र में मेनोपॉज होने की संभीवना अधिक होती है, जब कि सामान्य औरतों को ये करीब 50-52 की उम्र या उसके बाद होती है। कनाडा में एक अध्ययन के दौरान, नॉर्थ अमेरिकन मेनोपॉज सोसाइटी (NAMS) के शोधकर्ताओं ने इस बात का पता लगाया है। शोधकर्ताओं की मानें तो एक आम महिला में मेनॉपोज की आयु 50 से 52 वर्ष के बीच होती है, जबकि एचआईवी से संक्रमित महिलाओं को 48 वर्ष की उम्र तक पीरिएड्स आना बंद हो जाता है। हालांकि चिकित्सा क्षेत्र में जिस तरीके से उन्नति की है और अब एचआईवी पीड़ित महिलाओं की जीवन प्रत्याशा बढ़ी है, वहीं अब इस शोध से इन महिलाओं को मेनोपॉज और इसके संक्रमण से अवगत कराया है। बता दें कि 48 की उम्र में मेनोपॉज का बंद हो जाना, सामान्य आबादी के मेनोपॉज फेज की उम्र से तीन साल कम है।

बढ़ेगी स्वास्थ्य से जुड़ी अन्य परेशानियां

वहीं इस शोध से एक बात और पता चलती है कि जो एचआईवी पॉजिटिव मरीज नवीनतम चिकित्सा प्रोटोकॉल का पालन करते हैं, वे लगभग 70 या इससे अधिक आयु तक जीवित रह सकते हैं। इसका मतलब है कि इन रोगियों को अब एचआईवी एक जानलेवा बीमारी नहीं है और सही वक्त से इलाज करवाने पर ये मरीज एक आम जीवन जी सकते हैं। साथ ही अब इस रिपोर्ट के अनुसार एचआईवी से संक्रमित महिलाओं के लिए मेनोपॉज की उम्र का घट जाना उनके यौन और प्रजनन स्वास्थ्य को प्रभावित करेगी। अब ऐसे में पीड़ित महिलाओं के पास मां बनने की उम्र में कटौती हो गई है।पिछले अध्ययनों से पता चला है कि एचआईवी पीड़ित महिलाओं में प्रारंभिक आयु 40 और 45 के बीच की है और समय से पहले मेनोपॉज को होना बाकी स्वास्थ्य परेशानियों को भी जन्म दे सकती है। हालांकि, कनाडा का यह अध्ययन एचआईवी रोगियों के लिए की औसत आयु, प्रारंभिक मेनोपॉज और अन्य सहसंबंधों के निर्धारण जैसे प्रजनन और गर्भावस्था से जुड़ा पहला अध्ययन है। अध्ययन के शोधकर्ताओं ने पुष्टि की कि एचआईवी के साथ रहने वाली महिलाओं को कम उम्र में पीरिएड्स बंद हो जाते हैं, विशेष रूप से 48 साल की उम्र में।

जागरूकता है जरूरी

इसके अलावा, प्रारंभिक शिक्षा और हेपेटाइटिस-सी का संक्रमण भी प्रारंभिक मेनोपॉज के जोखिम को प्रभावित कर सकती है। इसके अलावा इन महिलाओं की वैवाहिक स्थिति और जन्म क्षेत्र सहित अन्य संभावित संशोधन भी इस कम उम्र में मेनोपॉज के कारणों में शामिल है। रिपोर्ट की मानें तो पीरिएड्स के जल्दी बंद हो जाने के कारण एचआईवी से संक्रमित महिलाओं की मनोदशा में परिवर्तन, यौन कार्य, जीवन की गुणवत्ता में कमी और हृदय रोग का खतरा और बढ़ेगा। ऑस्टियोपोरोसिस जैसे अन्य हड्डियों से जुड़े विकार इनमें तेजी से बढ़ेगे। ऐसे में अब इस बात की जरूरत है कि इन महिलाओं में इस लेकर जागरूकता फैलाई जाए। साथ ही उन्हें मानसिक रूप से इसके लिए तैयार किया जाए। अब इन महिलाओं को अपनी प्रेग्नेंसी को और बेहर तरीके और सावधानी के साथ प्लान करना होगा ताकि उनके और उनके बच्चों के जान का जोखिम कम हो सके। शोधकर्ताओं का कहना है कि अब हेल्थकेयर चिकित्सकों को भी एचआईवी से पीड़ित महिला रोगियों में समय से पहले और शुरुआती मेनोपॉज के लिए बढ़े हुए जोखिम के बारे में पता होना चाहिए, ताकि शुरुआती एस्ट्रोजेन की कमी से जुड़े संभावित दीर्घकालिक स्वास्थ्य परिणामों के इलाज देने के लिए वो तैयार रहें। साथ ही पीड़ित महिलाओं को उचित परामर्श और प्रबंधन प्रदान किया जा सके।

रेसिपी



वेज कीमा मटर

सामग्री

■ 2 कप सोया ग्रेन्युल्स ■ 1 कप हरी मटर ■ 1/2 कप दही ■ 1 प्याज ■ 4 टीस्पून तेल ■ 5 काली मिर्च ■ 4 लौंग ■ 1 बड़ी इलायची ■ 1/2 टीस्पून जीरा ■ 1/2 टीस्पून धनिया पाउडर ■ 1/2 टीस्पून हल्दी पाउडर ■ लाल मिर्च पाउडर ■ 1 टीस्पून अदरक का पेस्ट ■ 1 टीस्पून लहसुन का पेस्ट ■ गर्म मसाला ■ नमक स्वादानुसार।

विधि

सोया ग्रेन्युल्स को गर्म पानी में 15 मिनट के लिए भिगो दें और 15 मिनट बाद निचोड़कर अलग रख दें। गर्म तेल में जीरा और साबुत गर्म मसाला डालकर चटकाएं। बारीक कटा प्याज पारदर्शी होने तक भूनें और उसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर भूनें। फिर इसमें धनिया, हल्दी, लाल मिर्च, दही और नमक डालें। जब मसाला तेल छोड़ने लगे तो उसमें सोया ग्रेन्युल्स और मटर डालकर 2 मिनट तक पकाएं। फिर 1 गिलास पानी डालकर उबाल आने तक पकाएं। गर्म मसाला डालें और बारीक कटे हरे धनिए से गार्निश कर सर्व करें।



चटपटा चीला

सामग्री

- कप सूजी
- 1 कप बेसन
- 100 ग्राम दही
- 1 बारीक कटी शिमला मिर्च
- 2 बारीक कटी हरी मिर्च
- कद्दूकस की हुई अदरक
- 1 कटोरी बारीक कटा हरा धनिया
- नमक स्वादानुसार

विधि

दही में दो कप पानी मिलाकर मट्ठा तैयार कर लें। एक बोल में सूजी और बेसन निकाल लें, उसमें मट्ठा और नमक मिलाने के बाद पंद्रह मिनट के लिए रख दें। अब इसमें शिमला मिर्च, हरी मिर्च, अदरक और हरा धनिया डालकर अच्छी तरह मिला लें। मिश्रण गाढ़ा लगे तो उसमें पानी मिला लें। नॉनस्टिक तवे पर थोड़ा तेल गर्म कर लें। चमच से मिश्रण को तवे पर गोल-गोल फैलाने के बाद गैस धीमी कर दें। एक छोटी चम्मच में तेल लेकर चीले के चारों ओर डालें, थोड़ा सा तेल चीले के ऊपर भी डालें। चीले की निचली सतह ब्राउन होने पर उसे कलछी की सहायता से पलटें और दूसरी तरफ भी ब्राउन होने तक सेंकें। चटनी या सॉस के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

टाइम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंग। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-8

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-4-6-8

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुखदायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-7

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

मनोविनोद बढ़ेगे। व्याधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-2-4-6

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। स्थान परिवर्तन की संभावना हैं। शुभांक-3-5-7

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का योग है। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-5-7

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। परिवारजन का सहयोग काम को बनाना आसान करेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। शुभांक-2-4-6

मकर मे जा जी खी खू खे खो गा गी

परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेंगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। शुभांक-1-3-5

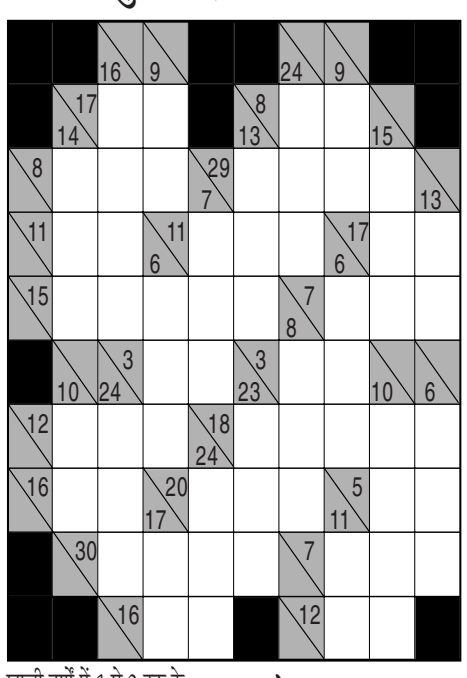
कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। पारिवारिक विवाद टालें। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-2-6-9

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

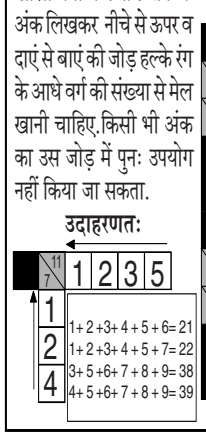
शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2652



खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



काकुरो - 2651 का हल

13	20		30	11		10	3	
14	6	8	8	6	2	4	3	1
16	7	9	16 23	7	9	6 24	4	2
	20	3	8	9	8	7	1	10
		14 10	6	8	13 23	8	2	3	4
	11 11	2	9	17 11	8	9	3	2	1
5	2	3	9	3	6		4 20	1	3
13	9	4	10 3	1	9	7 13	3	4	
	8	1	2	5	14	6	8		
		3	1	2	16	7	9		

हंसी के फव्वारें

एक अभिनेत्री ने ब्यूटी-क्लीनिक की मालकिन से अपने चेहरे के दाग को मिटाने का रेट पूछा.

'पांच सौ रुपये लगेंगे !'

'पांच सौ तो ज्यादा हैं !'

'फिर ?'

'कोई सस्ता तरीका बताइए !'

'सस्ता नहीं मुफ्त का तरीका है.'

'कृपया जल्दी बताइये !'

' घूंघट निकालना शुरू कर दीजिए! आपका काम मुफ्त में बन जायेगा.'

□ □ □

एक आंखों के डाक्टर ने अपने एक सर्जन मित्र को नजर का चश्मा बनाकर दिया. संयोग से उसी दिन आंखों के डाक्टर को उसी सर्जन से अपना ऑपरेशन करवाना पड़ा.

फिर जब वह ऑपरेशन टेबल पर लेट गया तो सर्जन चश्मा लगाकर बोला- 'रेडी ! मैं तैयार हो गया हूँ ! अब तुम बताओ कि तुम कहां हो?'

आंखों का डाक्टर तुरन्त मेज से कूद पड़ा.

□ □ □

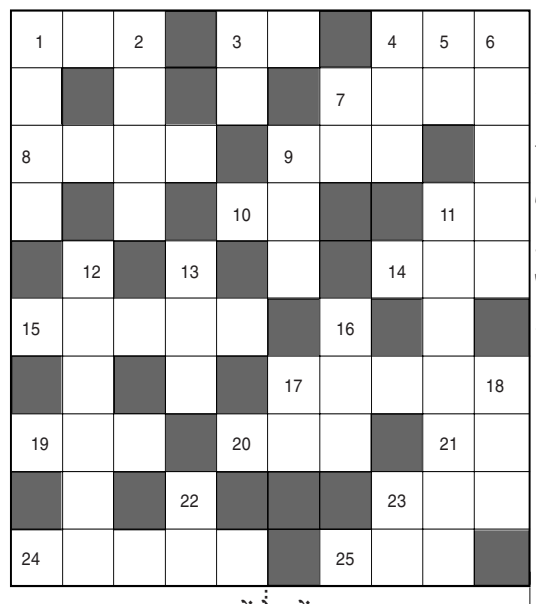
प्रशंसिका: ''आपके उपन्यास का अंतिम सीन बहुत अच्छा है.''

उपन्यासकार: ''उपन्यास के आरंभ के विषय में आपका क्या विचार है?''

प्रशंसिका: ''मैं उसे अभी पढ़ना शुरू करने वाली हूँ.''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2652



बायें से दायें:-

१. 'राह बनी खुद मंजिल' गीत वाली विस्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
३. संजीवकुमार, सुचित्रासेन की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
४. 'मैं ने तेरे लिए ही' गीत वाली अमिताभ, राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
७. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
८. 'कितना मजा आ रहा है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
९. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ना जइयो परदेस' गीत वाली दिलीपकुमार, अनिलकपूर, जैकी श्रॉफ, श्रीदेवी, पुनम ढिल्लों की फिल्म-२
११. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'ऐ मेरे मेहरबां ऐ मेरे हमनशी' गीत वाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
१५. जीतेंद्र, रेखा की 'गोकुल की गलियों का' गीत वाली फिल्म-२,२,१
१७. 'जाओ जाओ हम से क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ, अमृता सिंह की फिल्म-२,३
१९. अरविंद, प्रभुदेवा, काजोल की 'चंदा रे चंदा रे कभी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सिलसिला शुरू हुआ यहाँ से' गीत वाली फिल्म-३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली फिल्म-२
२३. शशि, संजीवकुमार, वहीदा, पूनम की फिल्म-३
२४. राहुलराय, शीबा की 'तेरी दोस्ती में मिला है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
२५. 'देखो मेरा दिल मचल' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, नाना पाटेकर, तब्बू की 'हम हैं बनारस के भैया' गीत वाली फिल्म-४
२. शाहरूख, विवेक, जूही की फिल्म-४
३. धर्मेन्द्र, माला सिन्हा की 'गैरों पे करम अपनों पे सितम' गीत वाली फिल्म-२
४. 'कभी तो मिलेगी कहीं' गीत वाली अशोक, प्रदीप, मीना की फिल्म-३
५. फिल्म 'परिवार' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
६. शाहबाद, किरण, तब्बू, रीता की फिल्म-५
७. सनी, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा छुप छुप के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'तेरे चेहरे में वो' गीत वाली फिरोज खान, हेमा मालिनी, रेखा की फिल्म-३
११. जॉय, सायरा की 'दिल की महफिल सजी है' गीत वाली फिल्म-२,२,३
१२. 'इक तुम पास ना आना' गीत वाली अमिताभ, लक्ष्मी छाया की फिल्म-२,१,३
१३. अक्षयकुमार, माधुरी दीक्षित की 'दुनिया से दूर जा रहा हूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. राजकुमार, शत्रुघ्नसिन्हा, हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म-३
१७. आमिर खान, फैजलखान, ट्विंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२२. 'आज सजन मोहे अंग लगालो' गीत वाली फिल्म-२
२३. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2651

वि	वा	ह		इ	श्क	वि	श्क		टा	
द्या		मे		श्क		धा		फ	र्ज	
बा	द	श	ह		शै	ता	न		न	
ल			सी	मा			का	ल		
न	ज	र	ना		श	बा	ब		सं	
	मी	ना		ना	र	ज		दा	ता	
आ	न		का		बी		ना	दा	न	
शि		जो	शी	ले		फि	जा			
क	शि	श		कि	ला		य	हू	दी	
	वा		डॉ	न		आ	ज		पा	

सूडोकु -2652

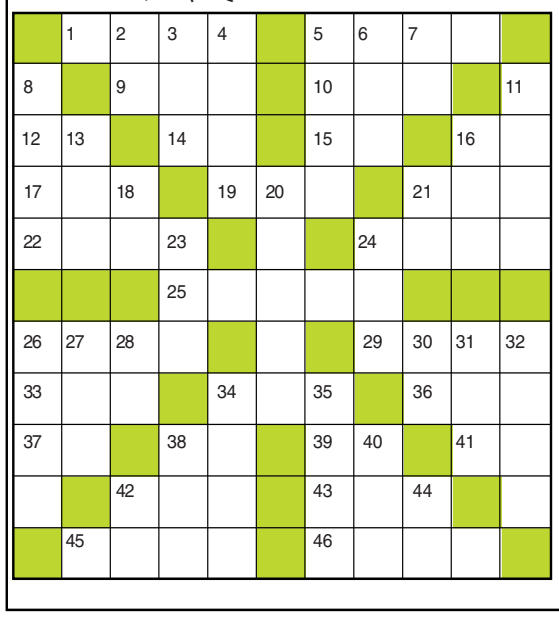
8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2651 का हल

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

शब्द पहेली - 2652



बाएँ से दाएँ

1. सरदार,अगुआ-4
5. जनमत,एक राय-4
9. पुराना जुकाम-3
10. चिंता,परवाह-3
12. पैंदा,तल्ला-2
14. ताल,सुर,आलाप-2
15. महोदय (अंग्रेजी-2)
16. लाडला,दुलारा-2
17. निवास करना-3
19. डोली उठाने वाले-3
21. नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22. तड़फाना-4
24. जल में रहनेवाला-4
25. दरियादिल,करुण-5
26. इराक की राजधानी-4
29. भेंट,पुरस्कार-4
33. पासों से भविष्य देखना-3
34. अश्ववाहक,घुड़सवार-3
36. चौकसी,रखवाली-3
37. हलक,कंठ-2
38. सदैव-2
39. लार -2
42. निश्चित-2
42. कालीन-3
43. बंदर,मर्कट-3
45. किसान-4
46. इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे

2. क्रिकेट में बनते हैं-2
3. नगमा,गीत (उर्दू-3)
4. जो लायक न हो-4
5. अधिकारी,अफसर-4
6. राशिचक्र की एक राशि -3
7. झगड़ा,बैर-2
8. आदत,व्यवहार-4
11. शमशीर-4
13. तरंग,हिलोर-3
16. तृष्णा,लोभ-3
18. अमेरिका स्थित वेधशाला-2
20. जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21. नीर,पानी-2
23. देवर्षि-3
24. ईर्ष्या,डाह-3
26. वटवृक्ष-4
27. जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28. दलहन-2
30. मंत्र जाप-2
31. तसल्ली,आराम-3
32. भगवान विष्णु-4
34. धर्मशीलता-4
35. पैजामा-4
38. तमीज-3
40. साजन,प्रेमपात्र-3
42. पहरा,चौकसी-2
44. अवकाश-2

शब्द पहेली -2651 का हल

	ना	स	म	झ			क	पा	स	
कु	ल		झ		क	रा	ह		म	न
ल			धा	र	ण		र			क
प	रि	चा	र	क		पा		अ	न	ल
ति		ह		म	नो	नी	त		सी	
	जा	त						त	ब	
	मु		फि	त	र	त		ना		ना
म	न	का		न		प	र	ब	रि	श
लि			न		पू	न	म			वा
का	बु		ख	ब	री		णी		खा	न
	आ	स	रा			जा	य	दा	द	

भाखड़ा नहर पर पुल ढहा, दो ट्रक फंसे, भीषण आग

पटियाला , एजेंसी। पंजाब के पटियाला में गुरुवार सुबह भाखड़ा नहर पर बना एक पुल ढह गया। हादसे में दो ट्रक पुल के क्षतिग्रस्त हिस्से में फंस गए, जिसमें से एक में भीषण आग लग गई। हालांकि, गनीमत रही कि दुर्घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। यह घटना सुबह करीब छह बजे पटियाला-संगरूर बायपास (एनएच-07) पर हुई। करीब 60 मीटर लंबा स्टील ट्रस पुल अचानक ढह गया, जिससे बालू से भरा एक ट्रक और दूसरा ट्रक बीच में ही अटक गए। एक ट्रक चालक सुखविंदर सिंह ने बताया कि दूसरे ट्रक के फंसते ही उन्होंने अपना वाहन रोकने का प्रयास किया, जिससे उनके पैर में मामूली चोट आई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमों ने आग पर काबू पाया और पुलिस ने स्थिति संभाली। हादसे के बाद मौके पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी। प्रभावित मार्ग पर यातायात को तत्काल मोड़ दिया गया। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने बताया कि वाहन चालकों की सुरक्षा के लिए बाईं ओर के यातायात को सर्विस रोड पर मोड़ा गया है। घटनास्थल पर चौबीसों घंटे सुरक्षा कर्मी, संकेतक और रोशनी की व्यवस्था की जा रही है। पुल ढहने के सटीक कारणों का अभी पता नहीं चला है, लेकिन स्थानीय निवासियों के अनुसार, पुल पहले भी हिलता था और इसकी शिकायत अधिकारियों से की गई थी। स्थानीय निवासी पवन कुमार ने पुल को करीब एक दशक पुराना बताया। एनएचएआई के अनुसार, चार लेन वाले पटियाला बायपास खंड को 2018 में उसे सौंपा गया था और अब यह मार्ग उसके अल्पकालिक रखरखाव अनुबंध के तहत है। दुर्घटनाग्रस्त पुल का निर्माण सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने पंजाब लोक निर्माण विभाग की निगरानी में किया था। भारतीय किसान यूनियन (क्रांतिकारी) के जिला अध्यक्ष अवतार सिंह भी घटना की सूचना मिलते ही मदद के लिए घटनास्थल पर पहुंचे।

गोधरा कांड के सात दोषियों की पैरोल तीन सप्ताह बढ़ी

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात हाईकोर्ट ने 2002 के गोधरा ट्रेन जलाने के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे सात दोषियों की पैरोल तीन सप्ताह बढ़ाने का आदेश दिया है। इन दोषियों को इसी वर्ष जून-जुलाई में चार महीने की पैरोल दी गई थी। अवधि बढ़ाने के लिए उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि दोषियों ने अपनी सजा में छूट यानी रिमिशन के लिए राज्य सरकार के समक्ष आवेदन किया है, लेकिन उन पर अब तक फैसला नहीं हुआ है। राज्य सरकार ने अदालत को बताया कि रिमिशन की अर्जियां अभी विचाराधीन हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि सजा माफी की अर्जियों पर निर्णय में देरी होना दोषियों की गलती नहीं है। इसी आधार पर अदालत ने सातों दोषियों की पैरोल अवधि तीन सप्ताह बढ़ाने का फैसला किया। मामले में आगे की कार्रवाई राज्य सरकार के स्तर पर लंबित रिमिशन अर्जियों के निर्णय पर निर्भर करेगी।

कोर्ट ने घर की कुर्की का दिया आदेश, नगीना सांसद को झटका

गाजियाबाद , एजेंसी। नगीना सांसद और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद को एक बड़ा झटका लगा है। विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट ने 17 नवंबर को सुनवाई में पेश नहीं होने पर सख्त रुख अपनाते हुए उनके घर की कुर्की का आदेश जारी कर दिया है। यह मामला साल 2018 में गाजियाबाद के साहिबाबाद थाना क्षेत्र स्थित वृंदावन गार्डन में एक शादी समारोह के दौरान हुई मारपीट और गाली-गलौज से जुड़ा है, जिसकी शिकायत धर्मेंद्र कुमार ने की थी। इससे पहले, इसी अदालत ने सांसद के खिलाफ गैर जमानती वारंट भी जारी किया था। 17 नवंबर को उन्हें अदालत में मौजूद रहने को कहा गया था, ताकि उनके खिलाफ आरोप तय किए जा सकें। हालांकि, वह एक बार फिर गैरहाजिर रहे। बताया गया कि चंद्रशेखर आजाद मुंबई में संसदीय कार्यसमिति की पूर्व निर्धारित बैठक में शामिल होने के कारण अदालत नहीं पहुंच सके। उनके अधिवक्ता ने हाजिरी माफी का प्रार्थना पत्र भी दिया था। लेकिन, अदालत ने इस प्रार्थना पत्र को अस्वीकार करते हुए कुर्की की कार्रवाई का आदेश दिया। मामले में अगली सुनवाई 8 दिसंबर को होगी। फिलहाल, अपने खिलाफ आए इस आदेश पर चंद्रशेखर आजाद की कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

योगी का सपा पर वार: गुंडे-माफिया कभी सीधे नहीं हो सकते



लखनऊ , एजेंसी। गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी (सपा) और उसके अध्यक्ष अखिलेश यादव पर रोड शो के दौरान हुई 14 वर्षीय मासूम आर्यवर्धन सिंह की मौत को लेकर कड़ा प्रहार किया। मुख्यमंत्री ने सपा को माफिया पोषक करार देकर कहा कि गुंडे-माफिया कभी सीधे नहीं हो सकते और उन्हें केवल डंडे से ही सीधा किया जा सकता है, जो काम उनकी सरकार कर रही है। सीएम योगी ने अपनी बात को बल देकर एक तीखी तुलना की। उन्होंने कहा, जैसे कुत्ते की पूंछ कभी सीधी नहीं हो सकती, उसी तरह सपा के गुंडे-माफिया कभी सीधे नहीं हो सकते। इन्हें डंडे से ही सीधा किया जा सकता है। उन्होंने सपा के रोड शो में व्याप्त अराजकता पर सवाल उठाकर कहा कि उनकी सरकार ने बेहतर सड़कें माफिया पोषक पार्टी के गुंडों को अराजकता फैलाने के लिए नहीं बनवाई हैं, बल्कि विकास और सुशासन के लिए बनाई हैं।

मुख्यमंत्री ने इस बात पर हरी नाराजगी जाहिर की कि दुर्घटना के बाद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना के दो शब्द भी नहीं कहे। उन्होंने भावुक होकर पूछा, आखिर उस होनहार मासूम आर्यवर्धन की गलती क्या थी? योगी ने घोषणा की कि वह स्वयं पीड़ित परिवार के घर जाएंगे और उन्हें हर हाल में न्याय दिलाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य में किसी भी कीमत पर अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और माफियापोषक पार्टी के गुंडों को उनकी सही जगह दिखाई जाएगी।

अपने निर्धारित कार्यक्रमों के तहत, मुख्यमंत्री योगी ने इससे पहले वानिकी विश्वविद्यालय का शिलान्यास किया, जहां वनमंत्री अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय का नाम ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ के नाम पर रखने की घोषणा की। इस कार्यक्रम के उपरांत, योगी आदित्यनाथ टाउनहॉल में जनचौपाल लगाएंगे और इसके बाद वे आर्यवर्धन के घर जाकर शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाएंगे।

झारखंड में इबोला को लेकर अलर्ट, अस्पतालों को 24 घंटे स्क्रीनिंग के निर्देश

रांची, एजेंसी। झारखंड में इबोला वायरस के संभावित खतरे को देखकर राज्य की हेमंत सोरोन सरकार अलर्ट मोड पर आ गई है। हालांकि, अब तक राज्य में इबोला संक्रमण का कोई मामला सामने नहीं आया है, लेकिन एहतियात के तौर पर स्वास्थ्य विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने अधिकारियों के साथ बैठक कर स्थिति की समीक्षा की और रिम्स, मेडिकल कॉलेजों, सदर अस्पतालों सहित सभी स्वास्थ्य संस्थानों को केंद्र सरकार की गाइडलाइन का पालन करने का निर्देश दिया। मंत्री अंसारी ने अस्पतालों को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने को कहा है। संदिग्ध मरीज मिलने पर तत्काल रिपोर्टिंग, जांच, आइसोलेशन और उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड, पीपीई किट और जरूरी चिकित्सा संसाधनों की उपलब्धता के साथ स्वास्थ्यकर्मियों को संक्रमण से बचाव का प्रशिक्षण देने पर भी जोर दिया गया है। एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और भीड़भाड़ वाले इलाकों में निगरानी बढ़ाने तथा राज्य के सभी 24 जिलों में 24 घंटे स्क्रीनिंग और रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने को कहा गया है। इससे पहले 12 नवंबर को रांची स्थित रिम्स में इबोला से निपटने की तैयारियों को लेकर मॉक ड्रिल आयोजित की गई थी। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, इबोला के लक्षण संक्रमण के 2 से 21 दिनों के भीतर दिखाई दे सकते हैं। इनमें तेज बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, कमजोरी, उल्टी और दस्त शामिल हैं। गंभीर स्थिति में रक्तस्राव भी हो सकता है। यह वायरस संक्रमित व्यक्ति के खून और शरीर के तरल पदार्थों के सीधे संपर्क से फैलता है, हवा से नहीं। मंत्री ने लोगों से घबराने और अफवाहों पर ध्यान देने के बजाय सतर्क रहने तथा लक्षण दिखने पर तुरंत स्वास्थ्य केंद्र पहुंचने की अपील की।

आजम खान को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, अंतरिम जमानत बरकरार

● आजम ने कहा- देश आजाद है, लेकिन संविधान कैद

लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री आजम खान को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी अंतरिम जमानत रद्द करने से इंकार किया है। शीर्ष अदालत ने केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका खारिज की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाई कोर्ट ने आजम खान को अंतरिम जमानत दी है और वह इसमें दखल नहीं देगा। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आगे की सुनवाई इस आदेश में की गई टिप्पणियों से प्रभावित हुए बिना की जाए। आजम को



मंगलवार को इलाहाबाद हाई कोर्ट ने जमानत दी थी, इसके खिलाफ ईडी बुधवार को ही सुप्रीम कोर्ट पहुंची और तत्काल सुनवाई की मांग की। ईडी ने गिरफ्तारी के आधार की जानकारी ने देने के आजम के दावे को गलत बताया। हालांकि, ईडी के जल्द सुनवाई के अनुरोध पर जस्टिस जोयमाल्या बागची ने टिप्पणी की थी कि अगर वह अंतरिम जमानत पर बाहर रहते हैं, तब कोई आसमान नहीं टूट पड़ेगा। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सुनवाई करने का फैसला किया था। इसके पहले आजम गाजियाबाद की डासना जिला जेल से रिहा हुए। उन्हें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 31 अक्टूबर को रामपुर जेल के बाहर से गिरफ्तार किया था। यह गिरफ्तारी दो पैन कार्ड मामले में सात साल की सजा पर रोक लगने के बाद उनकी रिहाई के दौरान हुई। रामपुर पहुंचने पर आजम ने अपनी रिहाई पर खुशी जताकर कहा कि उनका यह यकीन मजबूत हुआ है कि देश आजाद है, लेकिन संविधान कैद है। हम सभी को मिलकर संविधान की आजादी की मांग करनी चाहिए। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि अगर मुर्गी, बकरी और भैंस चोरी करने वाला व्यक्ति ईडी का आरोपी हो सकता है और विश्वविद्यालय बना सकता है, तब उनकी अल्लाह से दुआ है कि हर गली में एक मुर्गी चोर पैदा हो ताकि वह विश्वविद्यालय बना सके।

मोदी भी जेल में होते... लेकिन कांग्रेस के कुछ नेताओं ने उनके खिलाफ जांच बंद करवा दी

पूर्व केंद्रीय मंत्री वीरप्पा मोइली का सनसनीखेज दावा



नई दिल्ली , एजेंसी। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वीरप्पा मोइली ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ यूपीए सरकार के दौरान हुई एक जांच को लेकर सनसनीखेज दावा कर दिया है। उन्होंने कहा है कि पार्टी के भीतर के ही कुछ नेताओं ने उस जांच को रुकवा दिया था, इसकी कीमत कांग्रेस आज चुका रही है। पूर्व केंद्रीय मंत्री मोइली ने 17 नवंबर को बेंगलुरु में यह बात कहकर राजनीतिक गलियारों में एक नया विवाद खड़ा किया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री मोइली ने बताया कि जब वे कानून मंत्री थे (मई 2009-मई 2011), तब वर्तमान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को गुजरात से बाहर किया गया था और वे जेल जाने वाले पहले व्यक्ति थे। मोइली के अनुसार, इसके बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी की बारी आती और उन्हें भी राज्य से बाहर कर दिया जाता। लेकिन यह पार्टी के भीतर की कुछ दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं थीं, इसकारण पीएम मोदी के खिलाफ चल रही जांच को हमारी अपनी ही सरकार ने रुकवा दिया। पूर्व केंद्रीय मंत्री मोइली ने स्पष्ट किया कि यह फैसला तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की वजह से नहीं हुआ था, बल्कि कुछ अन्य नेताओं के कारण हुआ था। पूर्व केंद्रीय मंत्री मोइली के दावे का संदर्भ शाह से जुड़े सोहराबुद्दीन शेख एनकाउंटर मामले से है। सीबीआई ने 2010 में अमित शाह को मामले में गिरफ्तार किया था, तब वे गुजरात के गृह राज्यमंत्री थे। सोहराबुद्दीन शेख एक गैंगस्टर था जिसकी 26 नवंबर 2005 को गुजरात के अहमदाबाद में एक एनकाउंटर में मौत हुई थी। हालांकि, मुंबई की विशेष सीबीआई अदालत ने 30 दिसंबर 2014 को शाह को मामले में आरोप-मुक्त कर दिया था।

मोइली ने फिलहाल इस मामले की विस्तृत जानकारी देने या उन कांग्रेस नेताओं के नाम उजागर करने से इंकार किया है, जिन पर उन्होंने ये गंभीर आरोप लगाए हैं। उनके इस बयान ने कांग्रेस के भीतर और राजनीतिक गलियारों में एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री मोइली के दावे पर आरजेडी नेता मनोज झा ने प्रतिक्रिया देकर कहा है कि मोइली जैसे शक्तिशाली मंत्री रहे लोगों के पास इतिहास के बहुत सारे साक्ष्य हो सकते है। उन्होंने गुजरात में एसआईटी के गठन और क्लीन चिट जैसे घटनाक्रमों का जिक्र कर कहा कि इतिहास निरंतर मूल्यांकन करता है और अपने को रिवाइज भी करता है। मोइली का यह बयान तब आया है जब कांग्रेस आगामी चुनावों की तैयारियों में जुटी है, और इस बयान ने कांग्रेस पार्टी के लिए नई मुश्किलें खड़ी कर दी हैं।

संघ प्रमुख भागवत का दौरा मणिपुर में शांति बहाल करने में ठोस योगदान दे पाएगा

अब फिर आश्वासन देने की जरूरत नहीं, कांग्रेस विधायक दल के नेता ने उठाए सवाल

इम्फाल , एजेंसी। मणिपुर में कांग्रेस विधायक दल के नेता केशम मेघचंद्र सिंह ने सवाल उठाया है कि क्या संघ प्रमुख मोहन भागवत का मौजूदा दौरा इस हिंसाग्रस्त राज्य में शांति बहाल करने की दिशा में कोई ठोस योगदान दे पाएगा। उन्होंने कहा कि मणिपुर को अब एक बार फिर आश्वासन देने की जरूरत नहीं है, बल्कि उसे ''स्थायी शांति, सुरक्षा, पुनर्वास, जवाबदेही और एक विश्वसनीय राजनीतिक रोडमैप की जरुरत है।'' भागवत तीन दिवसीय दौरे पर इंफाल पहुंच गए हैं। इस दौरान वह राज्य में संगठन की गतिविधियों और सामाजिक पहलों की समीक्षा करेंगे।

संगठन के पदाधिकारी ने बताया कि भागवत आरएसएस के शताब्दी वर्ष समारोह के तहत राज्य में चलाए जा रहे कार्यक्रमों का आकलन करेंगे। केशम ने पोस्ट में कहा कि मणिपुर को शांति चाहिए, केवल संगठनात्मक बैठकें नहीं। भागवत का 18 से 20 नवंबर तक मणिपुर दौरा हमारे राज्य में जारी संकट को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है। कांग्रेस नेता ने कहा कि राज्य लंबे समय से जातीय संघर्ष झेल रहा है। इस दौरान निर्दोष लोगों की जान गई, हजारों परिवार विस्थापित हुए, घर और आजीविका के साधन नष्ट हो गए और कई समुदायों के बीच खाई और गहरी हो गई है। उन्होंने सवाल किया कि संघ प्रमुख भागवत का यह दौरा मणिपुर में स्थायी शांति बहाल करने में क्या ठोस योगदान देगा? क्या आरएसएस नेतृत्व हिंसा से प्रभावित विस्थापित परिवारों और समुदायों से सीधे बातचीत करेगा? सिंह ने यह भी पूछा कि क्या मेइती, कुकी-जो और नगा समुदायों के बीच विश्वास बहाली और मेल-मिलाप को बढ़ावा देने के लिए कोई ठोस कार्ययोजना तैयार की जाएगी। कांग्रेस विधायक ने कहा कि क्या आरएसएस नेतृत्व लंबे समय से जारी इस संकट के लिए बीजेपी के नेतृत्व वाले राजनीतिक तंत्र की जिम्मेदारी पर भी बात करेगा?'' उन्होंने कहा कि संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा और शताब्दी समारोह आरएसएस के आंतरिक एजेंडे का हिस्सा हो सकते हैं, लेकिन मणिपुर के लोगों की पीड़ा को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सिंह ने कहा कि राज्य को अब और आश्वासनों की जरूरत नहीं है। उसे स्थायी शांति, सुरक्षा, पुनर्वास, जवाबदेही और एक विश्वसनीय राजनीतिक कार्ययोजना चाहिए।



उन्होंने कहा कि यदि आरएसएस नेतृत्व का बीजेपी के राजनीतिक नेतृत्व पर प्रभाव है, तो मणिपुर के लोगों को यह उम्मीद करने का पूरा अधिकार है कि उस प्रभाव का इस्तेमाल शांति, मेल-मिलाप और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए ठोस और निर्णायक कदम उठाने में किया जाएगा। मई 2023 में घाटी में रहने वाले मेइती और पहाड़ी इलाकों में रहने वाले कुकी समुदायों के बीच शुरू हुए जातीय संघर्ष में अब तक कम से कम 306 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 49 लोग अब भी लापता हैं। इस संघर्ष के कारण हजारों लोग बेघर हो गए हैं। इस साल फरवरी से पहाड़ी जिलों में कुकी और नगा समुदायों के बीच हुई झड़पों में कम से कम 50 लोगों की मौत हो चुकी है।

चक्रवात अकवान का खतरा: ओडिशा में 80 हजार से अधिक लोग सुरक्षित निकाले गए

भुवनेश्वर , एजेंसी। ओडिशा सरकार ने चक्रवात 'अकवान' के आसन्न खतरे को देखकर अब तक 80 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। ओडिशा राज्य में 74 बचाव दल तैनात किए गए हैं और एहतियात के तौर पर कई जिलों में शैक्षणिक संस्थान बंद हैं। जिला अधिकारियों ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी।



भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, भीषण चक्रवाती तूफान 'अकवान' शुक्रवार दोपहर तक उत्तर आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा के तटों के बीच, नरसापुर (आंध्र प्रदेश) और पुरी (ओडिशा) के पास गोपालपुर के पूर्व में दस्तक दे सकता है। इस दौरान हवा की अधिकतम निरंतर गति 90 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे रहने और झोंकों की गति 110 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है। गुरुवार सुबह यह आंध्र प्रदेश के नरसापुर से करीब 440 किलोमीटर और ओडिशा के गोपालपुर से 530 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में केंद्रित था और बीते छह घंटों के दौरान 12 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर की ओर बढ़ा है।

ओडिशा के तटीय और दक्षिणी इलाकों में बुधवार रात से हल्की से मध्यम बारिश हो रही है, जिसकी तीव्रता धीरे-धीरे बढ़ने की संभावना है। ओडिशा सरकार ने कुल दो लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। चक्रवात से गंजाम जिले के सबसे अधिक प्रभावित होने की आशंका है, जहां गुरुवार सुबह तक 36,398 लोगों को सुरक्षित आश्रय स्थलों में पहुंचाया जा चुका था। जिले में 308 राहत केंद्र संचालित हैं, जहां विस्थापित लोगों के लिए मुफ्त भोजन की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा, गंजाम में 1,098 गर्भवती महिलाओं को भी सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। ओडिशा आपदा त्वरित कार्रवाई बल (ओडीआरएएफ), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं की टीमें मलकानगिरि, कोरापुट, गंजाम, पुरी सहित विभिन्न संवेदनशील जिलों में तैनात की गई हैं।

मौसम विभाग ने केंद्रपाड़ा, जगतसिंहपुर, पुरी, गंजाम, गजपति और कंधमाल जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि समुद्र में उठने वाली लहरों के कारण गंजाम और पुरी के निचले इलाकों में 0.5 से एक मीटर तक पानी भर सकता है। चक्रवात के आगे बढ़ने के साथ दक्षिण और उत्तर ओडिशा के तटीय इलाकों में तेज हवाएं चलने का भी अनुमान है, जिनकी रफ्तार फिलहाल 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे है और झोंकों के साथ 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच रही है।

सोनिया गांधी नागरिकता मामला की सुनवाई 27 को

नई दिल्ली, एजेंसी । राउज एवेन्यू कोर्ट ने कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी के खिलाफ दायर निजी शिकायत पर दिल्ली पुलिस से कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि सोनिया गांधी का नाम वर्ष 1980 में मतदाता सूची में दर्ज था, जबकि उस समय तक उन्होंने भारतीय नागरिकता हासिल नहीं की थी। एडिशनल चीफ जुडिशियल मजिस्ट्रेट विनोद जोशी ने मामले की अगली सुनवाई 27 नवंबर को तय की है। इसी दिन पुलिस की ओर से दाखिल की जाने वाली रिपोर्ट पर विचार किया जाएगा। शिकायत सेंट्रल दिल्ली कोर्ट बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष और अधिवक्ता विकास त्रिपाठी ने दायर की है। उन्होंने सोनिया गांधी पर कथित तौर पर जालसाजी और धोखाधड़ी के आरोप लगाए हैं। शिकायतकर्ता ने मामले में पुलिस कार्रवाई की मांग की है। अदालत अब पुलिस की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्यवाही पर विचार करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने सीजेपी, कांग्रेस और आप सहित कई दलों को नोटिस भेजे

नई दिल्ली, एजेंसी । सुप्रीम कोर्ट ने रामलीला मैदान में होने वाले विरोध प्रदर्शनों को लेकर एक अहम कदम उठाया है। व्यापारियों द्वारा दायर एक याचिका के बाद, अदालत ने अभिजीत दीपके की कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी), कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) सहित कई राजनीतिक दलों को नोटिस जारी किया है। व्यापारियों का तर्क है कि अगर प्रदर्शनों के लिए रामलीला मैदान की अनुमति दी जाती है, तो उनके व्यापार करने के अधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। व्यापारी पहले भी कांग्रेस के 1 नवंबर को हुए प्रदर्शन को लेकर आपत्ति जता चुके हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अगुवाई वाली एक बेंच ने इस मामले में सुनवाई की। इस बेंच में जस्टिस जॉयमाला बागची और जस्टिस वी मोहाना भी शामिल थीं। बेंच ने इससे पहले व्यापारी संगठनों से इन आंदोलनकारी समूहों को पक्षकार बनाने के लिए कहा था। 3 नवंबर को सीजेआई ने इस संबंध में निर्देश दिए थे। बुधवार को अदालत ने स्पष्ट किया कि विरोध करने के अधिकार और व्यवसाय चलाने के अधिकार के बीच संतुलन स्थापित होना बेहद ज़रूरी है। सीजेपी, आप और कांग्रेस के अलावा, ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन को भी नोटिस मिला है, जिसकी प्रमुख नेहा बोरा हैं। नेहा बोरा अक्सर कांग्रेस और सीजेपी दोनों के प्रदर्शनों में प्रमुख रूप से नजर आती रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में दिल्ली सरकार और दिल्ली पुलिस आयुक्त को भी नोटिस जारी किए हैं। ये नोटिस दिल्ली किराना कमेटी और दिल्ली आयरन एंड हार्डवेयर मर्चेंट एसोसिएशन की संशोधित याचिका पर दिए गए हैं। व्यापारियों की ओर से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने अदालत में अपनी दलीलें रखीं। बेंच ने कहा कि नई जोड़ी गई रिट याचिका को रिकॉर्ड पर लिया गया है और नए प्रतिवादियों को नोटिस जारी किए गए हैं। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि प्रदर्शनकारियों के विरोध करने का अधिकार और दूसरों के मौलिक अधिकार, जैसे कि व्यापार करने का अधिकार, दोनों पर एक साथ विचार किया जाना चाहिए। रोहतगी ने अपनी दलील में बताया कि रामलीला मैदान के पास की थोक मंडियों में विरोध प्रदर्शनों के कारण कारोबारी गतिविधियां बाधित होती हैं। उन्होंने इस बात पर भी आपत्ति जताई कि रामलीला मैदान को विरोध प्रदर्शन के लिए अधिसूचित स्थानों में से एक के रूप में क्यों रखा गया है, जबकि यह व्यावसायिक गतिविधियों का एक प्रमुख केंद्र है।

सब कुछ तय, बस ऐलान बाकी!

IPL 2027 में रोहित शर्मा फिर संभालेंगे MI की कमान? देख लीजिए ये पोस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2027 से पहले मुंबई इंडियंस में बड़े बदलाव देखने को मिले हैं. हार्दिक पंड्या ट्रेड के जरिए टीम से बाहर हो चुके हैं और अब रोहित शर्मा की कप्तानी में वापसी की चर्चाएं तेज हो गई हैं. इस बीच फ्रेंचाइजी के एक सोशल मीडिया पोस्ट ने इन अटकलों को और हवा दे दी है. मुंबई इंडियंस ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है. इसमें रोहित शर्मा की तस्वीर बैकग्राउंड में नजर आ रही है और उनके पीछे 'मुंबईचा राजा' लिखा है. इसका मतलब है मुंबई का राजा. फ्रेंचाइजी ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'सीजन 17 मुंबईचा राजा के लिए ब्लू एंड गोल्ड में! पलटन, TATAIPL 2027 के लिए तैयार?' इस पोस्ट के सामने आते ही फैन्स ने रोहित को दोबारा कप्तान बनाने की मांग शुरू कर दी. कई फैन्स ने कमेंट में 'कैप्टन रोहित शर्मा' और 'कैप्टन रोहित शर्मा के दौर में एक बार फिर तैयार' लिखा. हालांकि, मुंबई इंडियंस ने अभी आधिकारिक तौर पर कप्तान के नाम का ऐलान नहीं किया है.

रोहित शर्मा मुंबई इंडियंस के सबसे सफल कप्तानों में शामिल हैं. उनकी कप्तानी में टीम ने 2013, 2015, 2017, 2019 और 2020 में कुल पांच आईपीएल खिताब जीते थे. उन्होंने 2013 से 2023 तक टीम की कप्तानी की. इसके बाद 2024 से 2026 के बीच हार्दिक पंड्या ने यह जिम्मेदारी संभाली. अब हार्दिक के टीम



से बाहर होने के बाद रोहित की कप्तानी में वापसी की संभावना जताई जा रही है.

MI ने 16 खिलाड़ियों को किया रिटेन – मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2027 के लिए रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह, तिलक वर्मा, नमन धीर, रयान रिकेल्टन, शेरफेन रदरफोर्ड, क्विंटन डिकॉक, कॉर्बिन बॉश, विल जैक्स, शार्दुल ठाकुर, राज बावा, मिचेल सैंटनर, अश्वनी कुमार और रघु शर्मा को रिटेन किया है. वहीं, अर्शदीप सिंह ट्रेड के जरिए टीम से जुड़े हैं. फ्रेंचाइजी ने ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर, एएम गजनफर, अथर्व अंकोलेकर, केशव महाराज, मोहम्मद इजहार, दानिश मालवेर, मयंक मार्कंडे, मयंक रावत, महीपाल लोमरोर, रॉबिन मिंज, रुचित अहिर और कृष्ण भगत को रिलीज किया है. हार्दिक पंड्या भी ट्रेड के जरिए टीम से बाहर हुए हैं. मुंबई इंडियंस के पास अब 32.6 करोड़ रुपये का पर्स बचा है. टीम के पास कुल 9 स्लॉट खाली हैं, जिनमें 2 विदेशी खिलाड़ियों के लिए हैं.

पोलार्ड बने हेड कोच, उथप्पा को भी बड़ी जिम्मेदारी – मुंबई इंडियंस ने अपने कोचिंग सेटअप में भी बदलाव किया है. वेस्टइंडीज के दिग्गज ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड अब टीम के हेड कोच होंगे. भारत के पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा को बैटिंग कोच और न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज मिचेल मैक्लेनघन को बॉलिंग कोच बनाया गया है. इसके अलावा भारतीय टीम के पूर्व फील्डिंग कोच टी दिलीप को फील्डिंग कोच की जिम्मेदारी मिली है. मुंबई के अनुभवी तेज गेंदबाज धवल कुलकर्णी डेवलपमेंट बॉलिंग कोच के तौर पर नए कोचिंग सेटअप का हिस्सा होंगे.

सिराज को प्लेइंग इलेवन से बाहर करने पर शास्त्री-गावस्कर और रहाणे ने जताई नाराजगी, बोले-यह चौंकाने वाला फैसला

वेलिंग्टन, एजेंसी। भारत के पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री ने कहा कि मोहम्मद सिराज के अनुभव और आक्रामकता के कारण उन्हें बेसिन रिजर्व में न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रहे पहले टेस्ट के लिए भारत की अंतिम एकादश में जगह मिलनी चाहिए थी, और उन्होंने सवाल किया कि तेज गेंदबाज को ऐसी पिच पर क्यों बाहर रखा गया जहां सीम मूवमेंट को बढ़ावा मिलता था। रवि शास्त्री ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'उम्मीद है कि भारत मजबूती से वापसी करेगा। मगर अगर गति, कौशल और सीम मूवमेंट मानदंड थे और 140 क्लिक हासिल करना मुश्किल था, तो किसी को सवाल पूछना होगा। मोहम्मद सिराज कहां थे? अनुभव, आक्रामकता और गेंद के साथ कुछ करने की क्षमता। निश्चित रूप से यह कुछ मायने रखता है।' आंकड़े शास्त्री की बात का समर्थन करते हैं। सिराज वर्तमान विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र में 26.81 की औसत से 43 विकेट के साथ भारत की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। अंतिम एकादश से बाहर किए गए रवींद्र जड़ेजा भी 33 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वह भारत के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक रहे हैं, उन्होंने 60.76 की औसत से 790 रन बनाकर रन बनाने वालों की सूची में तीसरा स्थान साझा किया है, जिसमें दो शतक और छह अर्द्धशतक शामिल हैं। शास्त्री अकेले



नहीं थे जिनका मानना ??था कि भारत ने सिराज द्वारा गेंदबाजी आक्रमण में लाए गए योगदान को नजरअंदाज कर दिया है। जैसे ही बेसिन रिजर्व में पहला दिन बीत गया, अन्य पूर्व खिलाड़ियों ने भी चयन पर सवाल उठाया। भारत के पास न्यूजीलैंड का स्कोर 70/5 था, लेकिन हेनरी निकोल्स (नाबाद 113) और ग्लेन फिलिप्स (नाबाद 94) ने 173 रनों की अटूट साझेदारी की, जिससे स्टंप्स तक मेजबान टीम का स्कोर 243/5 हो गया। यह उस तरह का स्पैल था जिसमें सफलता दिलाने में सक्षम गेंदबाज की सबसे ज्यादा जरूरत थी। सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के प्रसारण पर महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने भी सिराज के वेलिंगटन में नहीं खेलने पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि संकेत तब थे जब उन्हें 50 ओवरों की टीम में शामिल किया गया था और उन्होंने केवल आखिरी गेम खेला था। दरअसल, जब उन्होंने आखिरी गेम खेला था, तो मैंने सोचा था कि वे उन्हें यहां मैच के लिए तैयार कर रहे थे। मगर अंतिम एकादश में उनका नाम न देखना एक आश्चर्य है, क्योंकि मुझे नहीं लगता कि उन्होंने भारत को निराश किया है, उन्होंने कभी भी भारत को निराश नहीं किया है। उनकी गेंदबाजी में कुछ भी गलत नहीं हुआ है। उनकी लय अच्छी है। हमने उन्हें बीच-बीच में देखा है कि उन्होंने जो भी क्रिकेट खेला है, वह ठीक रहा है। उन्हें क्यों नहीं चुना गया यह कुछ ऐसा है जो मुझे नहीं पता। '

वेलिंगटन टेस्टः

निकोलस का शतक, फिलिप्स सैकड़े के करीब, पहले दिन न्यूजीलैंड ने 5 विकेट पर 243 रन बनाए

वेलिंगटन, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वेलिंगटन में खेले जा रहे टेस्ट मैच का पहला दिन समाप्त हो गया। पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय न्यूजीलैंड ने टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 243 रन बना लिए हैं। न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पारी की शुरुआत करने उतरे कप्तान टॉम लैथम और डेवन कोनवे जल्दी आउट हो गए। लैथम 0 और कोनवे 4 के स्कोर पर आउट हुए। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए हेनरी निकोलस ने पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन रचिन रवींद्र (15), डेरिल मिशेल (1) और विकेटकीपर-बल्लेबाज टॉम ब्लंडेल (5) के विकेट गिरने से टीम की मुश्किलें बढ़ गईं। 70 के स्कोर पर 5 विकेट गंवा चुकी मेजबान टीम को निकोलस और सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए ग्लेन फिलिप्स ने संभाल लिया है।



प्रीमियर लीगः

मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए पोचेटिनो करेंगे डेब्यू, ऐतिहासिक उपलब्धि पर होगी आर्सेनल की नजर



नई दिल्ली, एजेंसी। प्रीमियर लीग के 11वें मैचवीक में कई बड़े मुकाबले देखने को मिलेंगे। एनफील्ड में लिवरपूल के खिलाफ होने वाले हाई-प्रोफाइल मुकाबले में मॉरिसियो पोचेटिनो पहली बार मैनचेस्टर यूनाइटेड के मैनेजर के तौर पर उतरेंगे। वहीं, न्यूकैसल यूनाइटेड के खिलाफ मैच में आर्सेनल एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने की कोशिश करेगा। अपने पहले 11 लीग मैचों में 10वीं जीत की तलाश कर रही आर्सेनल, प्रीमियर लीग के इतिहास में ऐसा करने वाली केवल पांचवीं टीम बन सकती है। इससे पहले केवल चेल्सी (2005-06), मैनचेस्टर सिटी (2011-12 और 2017-18) और लिवरपूल (2019-20) ही ऐसा कर पाई हैं। दूसरी ओर, मैनचेस्टर यूनाइटेड प्रीमियर लीग में लगातार 8 मैचों से जीत नहीं पाई है, जिसमें 5 ड्रॉ और 3 हार शामिल हैं। इस सीजन में यह किसी भी टीम का सबसे लंबा बिना जीत वाला सिलसिला है। इससे पहले, क्लब को नवंबर 1989 से फरवरी 1990 के बीच ऐसे ही दौर से गुजरना पड़ा था, जब वह लगातार 11 मैचों तक कोई जीत हासिल नहीं कर पाया था।

पोचेटिनो मैनचेस्टर यूनाइटेड के ऐसे पहले मैनेजर बन जाएंगे, जो क्लब के साथ प्रीमियर लीग में अपना डेब्यू लिवरपूल के खिलाफ करेंगे। लिवरपूल को कोडी गैकपो से भी काफी उम्मीदें होंगी। इस फॉरवर्ड खिलाड़ी ने यूनाइटेड के खिलाफ प्रीमियर लीग में 5 गोल किए हैं, जो किसी भी अन्य प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ किए गए उनके गोलों से अधिक हैं। मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाफ अपने पिछले 3 मैचों में से हर बार उन्होंने गोल किया है।

वहीं, मैनचेस्टर सिटी अपने घरेलू मैदान पर फुलहम का सामना करेगी और लंदन के इस क्लब के खिलाफ अपनी शानदार जीत की लय को आगे बढ़ाना चाहेगी। सिटी ने सभी प्रतियोगिताओं में फुलहम के खिलाफ अपने पिछले 20 मुकाबले जीते हैं, जिसमें लगातार 17 लीग मैच भी शामिल हैं। इंग्लिश फुटबॉल में एक टीम द्वारा दूसरी टीम के खिलाफ दर्ज की गई यह सबसे लंबी जीत की लय है। हालांकि, एंजो मारेस्का की टीम (चेल्सी) को इस सीजन में अपने पिछले तीन प्रीमियर लीग मैचों में हार का सामना करना पड़ा है, जबकि फुलहम अपने पिछले 4 मैचों में अजेय रही है, जिसमें उन्होंने 2 जीत हासिल की हैं और 2 मैच ड्रॉ खेले हैं। एस्टन विला में उनाई एमरी प्रीमियर लीग में 150 मैचों में टीम को मैनेज करने का मुकाम हासिल करेंगे। मार्टिन ओ'नील के बाद, ऐसा करने वाले वह विला के दूसरे मैनेजर बन जाएंगे। एमरी ने अपने पहले 149 लीग मैचों में 76 जीत, 33 ड्रॉ और 40 हार दर्ज की हैं। इस सीजन में विला के फॉरवर्ड निकोलस जैक्सन भी सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं। उन्होंने 6 गोल किए हैं और उनसे आगे केवल एर्लिंग हालैंड (9 गोल) और अलेक्जेंडर इसाक (7 गोल) हैं। बोर्नमाउथ का सामना नॉटिंघम फॉरेस्ट से होगा, तो उनकी कोशिश पहली बार लगातार 5 टॉप-फ्लाइट मैच जीतने की होगी।

रबाडा-हार्मर का चला जादू, साउथ अफ्रीका ने पहले टेस्ट में बांग्लादेश को 9 विकेट से रौंदा

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। साउथ अफ्रीका ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को पहले टेस्ट में 9 विकेट से रौंदा। द वांडरर्स क्रिकेट स्टेडियम में बांग्लादेश से मिले महज 12 रनों के लक्ष्य को साउथ अफ्रीका ने एक विकेट खोकर हासिल कर लिया। टेस्ट के पांचवें और आखिरी दिन अपने 100/5 के स्कोर से आगे खेलते हुए बांग्लादेश की पूरी टीम दूसरी पारी में 168 रन बनाकर सिमटी। टीम की ओर से लिटन दास ने 38 गेंदों में सर्वाधिक 39 रन बनाए, जबकि महफिजुल इस्लाम ने 32 रनों का योगदान दिया। हालांकि, इन दोनों को छोड़कर बांग्लादेश के बाकी बल्लेबाजों ने साउथ अफ्रीका के गेंदबाजों के आगे आसानी से घुटने टेक दिए। तौहीद हिरदॉय ने 23 रन बनाए जबकि मुशफिकुर रहीम ने 22 रनों का योगदान दिया। मेहदी हसन मिराज ने 15 रन बनाए। दूसरी पारी में बांग्लादेश के पांच बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। गेंदबाजी में साउथ अफ्रीका की ओर से साइमन हार्मर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 12.3 ओवर में 51 रन देकर 6 विकेट चटकाए। वहीं, पहली पारी में 5 विकेट लेने वाले कगिसो रबाडा ने दूसरी इनिंग में भी 3 विकेट झटके। मार्को जानसेन ने एक विकेट अपने नाम किया।



रबाडा ने दोनों पारियों को मिलाकर कुल 8 विकेट झटके और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इससे पहले, बांग्लादेश ने पहली पारी में तौहीद हिरदॉय द्वारा खेली गई 137 और लिटन दास की 120 रनों की शानदार पारियों की बदौलत 400 रन बनाए, जो टीम का टेस्ट क्रिकेट में साउथ अफ्रीका के खिलाफ सबसे बड़ा स्कोर भी रहा। तंजीद हसन तमीम ने 67 रनों का योगदान दिया। रबाडा ने पहली पारी में 5, जबकि डेन पैटरसन ने 4 विकेट निकाले। इसके जवाब में साउथ अफ्रीका ने 557 रन बनाए। टीम की ओर से मार्क्वेस एकरमैन ने जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए 157 रनों की लाजवाब पारी खेली।

वहीं, रयान रिकेल्टन ने 102 रन बनाए। जुबैर हमजा ने 83 और कप्तान टेंबा बावुमा ने 68 रनों का योगदान दिया। पहली पारी में गेंद से 5 विकेट लेने वाले रबाडा ने बल्ले से भी अहम योगदान दिया और 72 रनों की बेहतरीन पारी खेली। साउथ अफ्रीका ने पहली पारी के आधार पर 157 रनों की बड़ी बढ़त हासिल की। इस जीत के साथ ही साउथ अफ्रीका ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है।

हॉन्गकॉन्ग ओपनः

रक्षिता रामराज ने टोक्यो ओलंपिक चैंपियन को हराया, लक्ष्य सेन अगले दौर में; जानें अन्य नतीजे

हॉन्गकॉन्ग, एजेंसी। भारतीय खिलाड़ियों ने हॉन्गकॉन्ग ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। महिला एकल वर्ग में रक्षिता रामराज ने टोक्यो ओलंपिक चैंपियन चेन यू फेई को हराया। वहीं, पुरुष एकल वर्ग में लक्ष्य सेन अगले दौर में पहुंच गए। भारत की रक्षिता रामराज ने गुरुवार को हॉन्गकॉन्ग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में उलटफेर करते हुए टोक्यो ओलंपिक चैंपियन और दुनिया की चौथे नंबर की खिलाड़ी चीन की चेन यू फेई को सीधे गेम में हरा दिया। कोयंबटूर की 19 वर्षीय रक्षिता ने यूफेई को 21-18, 24-22 से हराकर अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की यादगार जीत में से एक दर्ज की। रक्षिता का अगला मुकाबला थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग से होगा।



रक्षिता ने करियर की सबसे बड़ी जीत बताया – रक्षिता ने शुरुआती दौर में डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ट को भी हराकर उलटफेर किया था। मैच के बाद रक्षिता ने कहा, मुझे लगता है कि यह मेरे करियर की अब तक की सबसे बड़ी जीत में से एक है। वह मेरी सबसे बड़ी आदर्श हैं और मुझे अब भी विश्वास नहीं हो रहा कि मैंने उन्हें हरा दिया। यह मेरे बैडमिंटन करियर के सबसे यादगार दिनों में से एक रहेगा।

चेसः

टोटल चेस वर्ल्ड चैंपियनशिप में अर्जुन एरिगैसी और प्रज्ञानंद ने अपने मुकाबले जीते, जानें किसे हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिन में पहले, भारतीय खिलाड़ी अपने चार ब्लिट्ज गेम में से दो और एक फास्ट क्लासिक मुकाबला हार गए थे। उन्हें दो रैपिड गेम में से एक में जीत मिली, जबकि दूसरे में हार का सामना करना पड़ा। एरिगैसी अब नौवें स्थान के लिए मैच में हाइक एम. मार्टिरोसियन से भिड़ेंगे। अर्जुन एरिगैसी ने जॉर्डन वैन फॉरेस्ट को आर्मागेडन टाई-ब्रेक में हराकर टोटल चेस वर्ल्ड चैंपियनशिप टूर पायलट में अपना मैच जीता। वहीं, आर. प्रज्ञानंद ने नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव को हराया। प्रज्ञानंद की जीत के साथ ही उनकी बहन



आर. वैशाली के साथ होने वाला संभावित मुकाबला टल गया। एरिगैसी ने पहले दिन का मुकाबला 11.5-8.5 से जीता था। फॉरेस्ट ने बुधवार को वापसी करते हुए दूसरे दिन 12-8 से जीत हासिल की। इससे नौवें से 12वें स्थान के लिए आर्मागेडन में एक निर्णायक मुकाबला हुआ। काले मोहरों से खेलते हुए, वैन फॉरेस्ट ने टाई-ब्रेक में ज्यादातर समय जीत की स्थिति बनाए रखी। लेकिन उन्होंने 34वें मूव पर अपना फायदा गंवा दिया। इसका फायदा एरिगैसी को मिला और भारतीय खिलाड़ी ने जीत हासिल कर ली। दिन में पहले, भारतीय खिलाड़ी अपने चार ब्लिट्ज गेम में से दो और एक फास्ट क्लासिक मुकाबला हार गए थे। उन्हें दो रैपिड गेम में से एक में जीत मिली, जबकि दूसरे में हार का सामना करना पड़ा। एरिगैसी अब नौवें स्थान के लिए मैच में हाइक एम. मार्टिरोसियन से भिड़ेंगे। आर. प्रज्ञानंद ने उज्बेकिस्तान के अब्दुसत्तोरोव को हराकर 21वें स्थान के लिए मुकाबले में अपनी जगह पक्की की। फास्ट क्लासिक गेम से पहले वह 3.5-8.5 से पीछे चल रहे थे, लेकिन काले मोहरों से खेलते हुए जीत के साथ वापसी की और दिन का स्कोर 11.5-8.5 कर दिया। अब उनका सामना अभिमन्यु मिश्रा से होगा। अगर प्रज्ञानंद यह मुकाबला हार जाते, तो उन्हें 23वें और 24वें स्थान के लिए वैशाली के खिलाफ खेलना पड़ता।

2027 में इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होंगे ऐश बार्टी और शिंगो कुनिदा

नई दिल्ली, एजेंसी । चार बार की मेजर चैंपियन और पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 ऐश बार्टी को खिलाड़ी श्रेणी में इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल करने के लिए चुना गया है। जापान के शिंगो कुनिदा, जो चार बार के पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता और 50 बार के मेजर चैंपियन हैं, उन्हें 'व्हीलचेयर टेनिस कैटेगरी' में चुना गया है। इस श्रेणी में उन खिलाड़ियों को जगह दी जाती है, जिनका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन और उपलब्धियों का रिकॉर्ड रहा हो। बार्टी तीन बार की मेजर सिंगल्स चैंपियन हैं। उन्होंने रोलैंड-गैरोस (फ्रेंच ओपन) 2019, विंबलडन 2021 और ऑस्ट्रेलियन ओपन 2022 के खिताब जीते हैं। इसके अलावा, उन्होंने 2018 यूएस ओपन में अपना पहला मेजर डबल्स खिताब भी जीता था। सिंगल्स में वह 2019 में वर्ल्ड नंबर 1 बनीं। वह कुल 121 हफ्तों तक टॉप पर रहीं, जिसमें लगातार 114 हफ्ते शामिल रहे। इसके साथ ही 2019 से 2021 तक लगातार तीन साल तक वह 'ईयर-एंड नंबर 1' (साल के अंत में नंबर 1) रहीं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2022 जीतने के बाद, जब वह वर्ल्ड नंबर 1 रैंकिंग पर थीं, तब उन्होंने संन्यास का ऐलान कर दिया था। वह इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाली 35वीं ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बनेंगी और 2013 के बाद यह सम्मान पाने वाली



पहली ऑस्ट्रेलियाई महिला होंगी। बार्टी ने कहा, 'मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे ऑस्ट्रेलिया के उन महान खिलाड़ियों को देखने का मौका मिला, जिन्होंने इस खेल को नई दिशा दी और बहुत गर्व के साथ हमारे देश का प्रतिनिधित्व किया। उनके साथ मेरा नाम लिया जाना एक अद्भुत अहसास है। मेरा करियर एक 'टीम एफर्ट' (सामूहिक प्रयास) था, इसलिए यह सम्मान मेरे परिवार, मेरे कोचों और उन सभी लोगों का भी है, जिन्होंने इस सफर में मेरी मदद की। ' वहीं, शिंगो कुनिदा इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाले जापान के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। वह इतिहास के सबसे सफल पुरुष व्हीलचेयर टेनिस खिलाड़ी हैं, जिनके नाम रिकॉर्ड 28 मेजर सिंगल्स खिताब और कुल 50 मेजर खिताब दर्ज हैं। चार बार के पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता शिंगो 'करियर गोल्डन स्लैम' पूरा करने वाले पहले पुरुष व्हीलचेयर टेनिस खिलाड़ी बने और उन्होंने रिकॉर्ड 582 हफ्तों तक विश्व नंबर 1 सिंगल्स रैंकिंग अपने नाम रखी। 2010 में हॉल ऑफ फेम द्वारा इस श्रेणी को शामिल किए जाने के बाद से कुनिदा इसमें जगह पाने वाले आठवें व्हीलचेयर टेनिस खिलाड़ी बन गए हैं। बार्टी और कुनिदा को यह खबर हॉल ऑफ फेम के सह-अध्यक्ष किम क्लाइस्टर्स और पैट्रिक मैकेनरो द्वारा किए गए सरप्राइज वीडियो कॉल के जरिए मिली।

खेल के सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में उनकी जगह को सम्मान देते हुए इस वीडियो कॉल में हॉल ऑफ फेम के लगभग 20 अन्य सदस्य भी शामिल हुए। ट्रेसी ऑस्टिन, जिम कूरियर, रोजर फेडरर, मार्टिना नवरातिलोवा, पैट राफ्टर, पैम श्राइवर, एस्टर वर्गीर और अन्य हॉल ऑफ फेम सदस्यों ने उन्हें बधाई संदेश दिए और आधिकारिक तौर पर इस खास क्लब में उनका स्वागत किया।



'आई प्ले रॉकी' के प्रीमियर पर कार्तिक आर्यन ने दिया सपनों, दृढ़ संकल्प और खुद पर विश्वास रखने के महत्व का संदेश

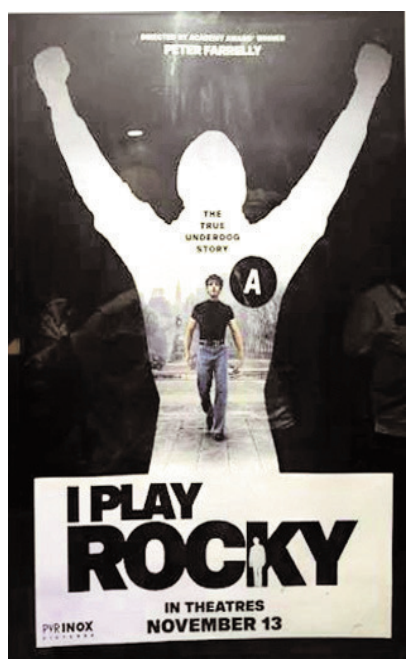
मुंबई फिल्म 'आई प्ले रॉकी' के प्रीमियर पर कार्तिक आर्यन ने सपनों, दृढ़ संकल्प और खुद पर विश्वास रखने के महत्व को लेकर एक दिल छू लेने वाला संदेश दिया। फिल्म को सपने देखने वालों और अपने सपनों पर विश्वास करने वालों की कहानी बताते हुए अभिनेता ने कहा कि यह उन सभी लोगों से जुड़ाव महसूस कराएगी, जिन्हें कभी न कभी यह कहा गया है कि उनकी महत्वाकांक्षाएं पूरी नहीं हो सकतीं।

अपनी बात रखते हुए उन्होंने कहा, 'यह फिल्म उन सभी लोगों के बारे में है, जो सपने देखते हैं और अपने सपनों पर विश्वास करते हैं। ऐसे लोग, जिनसे अक्सर कहा जाता है कि 'नहीं हो सकता, यह तू कभी नहीं बन सकता, यह कभी नहीं बन सकती।' मेरा मानना है कि यह फिल्म आपको विश्वास दिलाएगी कि आप यह कर सकते हैं और अपने सपनों को हासिल कर सकते हैं, चाहे कुछ भी हो जाए।'

अपने सफर से फिल्म की तुलना करते हुए कार्तिक ने बताया कि किस तरह ओरिजिनल फिल्म 'रॉकी' कई पीढ़ियों को प्रेरित करती आई है। उन्होंने यह भी साझा किया कि फिल्म का मशहूर गाना 'आई ऑफ द टाइगर' मुश्किल वक्त में उन्हें व्यक्तिगत रूप से प्रेरित करता है। उन्होंने कहा, 'मेरे सफर में कई बार ऐसा हुआ है कि जब भी मैं खुद को निराश महसूस करता हूं, तो 'आई ऑफ द टाइगर' एक ऐसा गाना है, जो मेरे लिए थीम सॉन्ग की तरह है और मुझे बहुत प्रेरित करता है। इसके बाद मैं बाकी चीजों से ध्यान हटाकर दोबारा अपने सपनों की दिशा में काम करना शुरू कर देता हूं।'

कार्तिक की ये बातें उस समय और भी खास हो गईं, जब उन्होंने ऐसे संदेश पर बात की, जो फिल्म इंडस्ट्री में उनके अपने सफर से काफी हद तक जुड़ा हुआ है। चुनौतियों का सामना करने से लेकर अपनी अलग पहचान बनाने तक, कार्तिक की कहानी फिल्म के बड़े संदेश यानी दृढ़ता और आत्मविश्वास को दर्शाती है। प्रीमियर पर उनकी स्पीच ने इस बात को रेखांकित किया कि आलोचनाओं, असफलताओं और दूसरों की सोच की परवाह किए बिना अपने सपनों पर ध्यान केंद्रित रखना कितना जरूरी है।

फिल्म को लेकर अपना उत्साह जाहिर करते हुए कार्तिक ने सिनेमा और 'आई प्ले रॉकी' के नाम एक जाम उठाया। साथ ही उन्होंने दर्शकों से फिल्म का पोस्ट-क्रेडिट सीन मिस न करने की अपील की। उन्होंने बताया कि वह खुद फिल्म देख चुके हैं और इसे दोबारा देखने की योजना बना रहे हैं। उनके मुताबिक, फिल्म का पोस्ट-क्रेडिट सीन दर्शकों के लिए एक प्यारा सा सरप्राइज है। प्रीमियर पर अपनी बातों के जरिए कार्तिक ने दर्शकों को एक खास संदेश दिया कि अपने सपनों पर विश्वास रखें, उन्हें पूरा करने के लिए लगातार मेहनत करते रहें और किसी को भी यह न कहने दें कि आप अपने सपने पूरे नहीं कर सकते।





'गन मास्टर जी9' में दिखेगा अपारशक्ति का खतरनाक अवतार

जब भी अपारशक्ति खुराना का नाम आता है, तो सबसे पहले स्त्री के प्यारे और मजेदार दोस्त बिट्टू की याद आती है, जो 'सॉफ्ट चिट्टी, वॉर्म चिट्टी' कहते नजर आते हैं। लेकिन अब अपारशक्ति ने अपने इस पुराने अंदाज को पीछे छोड़ दिया है। 'गन मास्टर जी9' में वह एक ऐसे खतरनाक विलेन के रूप में नजर आने वाले हैं, जिसे देखकर अच्छे-अच्छों के पसीने छूट जाएं!

फिल्म का शानदार ट्रेलर रिलीज हो चुका है और इसमें अपारशक्ति का ऐसा रूप देखने को मिला है, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। इतना तो तय है कि फिलहाल बिट्टू की मासूमियत को भूल जाइए, क्योंकि अब पर्दे पर उनका खतरनाक अंदाज छाने वाला है।

फिल्म में अपारशक्ति की पहली झलक से ही साफ हो जाता है कि वह इस बार एक अलग ही रूप में नजर आने वाले हैं। उनकी डरावनी नजरें, चेहरे के भाव और डायलॉग बोलने का अंदाज उनके किरदार को और भी खतरनाक बनाता है। सिर्फ इतना ही नहीं, एक्शन के मामले में भी वह किसी से पीछे नहीं हैं। उनके लड़ाई वाले दृश्य और जबरदस्त अंदाज उनके किरदार में एक अलग ही रोमांच पैदा करते हैं। फिल्म में अपारशक्ति, इमरान हाशमी के लिए सबसे बड़ा खतरा बनकर सामने आते हैं। ऐसे में दोनों के बीच होने वाली टक्कर को पर्दे पर देखना काफी दिलचस्प होने वाला है। अपारशक्ति का लुक भी उनके इस नए किरदार को खास बनाता है। कंधों तक लंबे और बिखरे हुए बाल, रंग-बिरंगी प्रिंट वाली शर्ट, धातु के फ्रेम वाला चश्मा और बोलने का अलग अंदाज उनके किरदार को एकदम देसी और खुरदरा रूप देते हैं। खास बात यह है कि अपारशक्ति अपने किरदार को दमदार बनाने के लिए न तो किसी बड़े फिल्मी अंदाज में एंट्री लेते हैं और न ही ऊंची आवाज में चिल्लाते हैं। उनका अंदाज और उनका बेखौफ व्यक्तित्व ही उनकी मौजूदगी का एहसास करा देता है। ट्रेलर देखकर तो यही लगता है कि बॉलीवुड में अब विलेन के किरदारों को एक नए अंदाज में पेश किया जा रहा है और अपारशक्ति इस बदलाव की एक शानदार मिसाल बनने वाले हैं! 'गन मास्टर जी9 आगामी 27 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।



साउथ एक्टर्स को हिंदी एक्सेंट के लिए ट्रोल करना 'बिल्कुल सही नहीं' है

'जेलर 2' की एक्ट्रेस अपेक्षा पोरवाल ने कहा कि साउथ इंडियन एक्टर्स को उनके हिंदी एक्सेंट के लिए ट्रोल किया जाना 'बिल्कुल सही नहीं' है। खास बातचीत में अपेक्षा ने बताया कि मजाक उड़ाने के बजाय एक्टर की मेहनत पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो लोग एक्टर्स को ट्रोल कर रहे हैं, अगर उनसे कहा जाए तो शायद वे खुद भी कोई दूसरी भाषा नहीं बोल पाएंगे।

अपेक्षा से पूछा गया, 'आजकल, साउथ इंडियन एक्टर्स को अक्सर सोशल मीडिया पर उनके हिंदी एक्सेंट और बोलने के तरीके के लिए ट्रोल किया जाता है। आप इस ट्रेंड को कैसे देखती हैं? क्या उन आर्टिस्ट्स का मजाक उड़ाना सही है, जो दूसरी भाषा में बात करने की कोशिश कर रहे हैं?'

यह समझाते हुए कि जिस भाषा को आप अच्छी तरह नहीं जानते, उसमें काम करना कितना मुश्किल है, उन्होंने आईएएनएस को बताया, 'हमें यह समझना चाहिए कि जब कोई किसी खास भाषा में कम्फर्टेबल नहीं होता, लेकिन फिर भी उसे सीखने और बोलने की कोशिश कर रहा होता है, तो हमें उस कोशिश की तारीफ करनी चाहिए, न कि उस पर हंसना या उसे ट्रोल करना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'मुझे यकीन है कि अगर इन्हीं ट्रोल्स से दूसरी भाषा बोलने के लिए कहा जाए, तो शायद वे खुद ऐसा नहीं कर पाएंगे। जब कोई कड़ी मेहनत कर रहा हो और कोशिश कर रहा हो, तो उसकी तारीफ होनी चाहिए, बुराई नहीं।'

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना को हाल ही में अपने हिंदी एक्सेंट के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा था। चैट शो 'कॉफी विद करण' के सीजन 9 में आने के दौरान 'एनिमल' फेम एक्ट्रेस ने बताया कि अपने पूरे करियर में उन्हें अपने एक्सेंट को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ा है। हालांकि, रश्मिका ने कहा कि उन्होंने कभी भी आलोचना को अलग-अलग फिल्म इंडस्ट्री और भाषाओं में काम करने से रोकने नहीं दिया। रश्मिका ने बताया कि साउथ इंडिया से होने की वजह से उनका एक्सेंट नेचुरली आता है। एक्ट्रेस ने आगे जोर देकर कहा कि वह खुद को एक इंडस्ट्री तक लिमिट करने के बजाय कई भाषाओं में काम करना चाहती हैं।



ग्लोबल म्यूजिक स्टेज पर दोसांझ, दुआ लीपा और मैडोना संग परफॉर्म करेंगे दिलजीत दोसांझ

पंजाबी म्यूजिक का जलवा अब दुनियाभर में देखने को मिल रहा है। सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ एक बार फिर अपने म्यूजिक से इंटरनेशनल स्टेज पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। दिलजीत दुनिया के सबसे बड़े म्यूजिक फेस्टिवल्स में शामिल कोचेला वैली म्यूजिक एंड आर्ट्स फेस्टिवल 2027 में परफॉर्म करते नजर आएंगे। फेस्टिवल के आयोजकों ने अगले साल होने वाले इस इवेंट की कलाकारों की लिस्ट जारी कर दी है, जिसमें दिलजीत के साथ दुआ लीपा, टेम इम्पाला और एसजेडए जैसे बड़े नाम शामिल हैं। इसके अलावा पॉप म्यूजिक की दिग्गज सिंगर मैडोना, जेआईएसओ, फोएबे ब्रिजर्स और रोबिन भी इस फेस्टिवल का हिस्सा होंगी। कोचेला 2027 का आयोजन कैलिफोर्निया के इंडियो स्थित एम्पायर पोलो क्लब में होगा। यह फेस्टिवल दो वीकेंड में आयोजित किया जाएगा। पहला वीकेंड 9 से 11 अप्रैल और दूसरा वीकेंड 16 से 18 अप्रैल तक चलेगा। इस बार शुक्रवार को दुआ लीपा, शनिवार को टेम इम्पाला और रविवार को एसजेडए हेडलाइनर के तौर पर परफॉर्म करेंगे। तीनों कलाकार अपने अलग-अलग म्यूजिक स्टाइल के लिए जाने जाते हैं। जहां दुआ लीपा अपने पॉप म्यूजिक से दर्शकों का मनोरंजन करेंगी, वहीं टेम इम्पाला साइकेडेलिक रॉक और एसजेडए आरएंडबी म्यूजिक का रंग जमाएंगी।

2023 में भी कोचेला का हिस्सा बने थे दिलजीत

भारतीय फैंस के लिए इस बार दिलजीत दोसांझ का नाम लिस्ट में शामिल होना खास है। दिलजीत इससे पहले साल 2023 में भी कोचेला फेस्टिवल में परफॉर्म कर चुके हैं। उस समय उन्होंने पंजाबी भाषा में गाने गाकर दुनियाभर के दर्शकों का ध्यान खींचा था। वह इस फेस्टिवल के मंच पर परफॉर्म करने वाले शुरुआती पंजाबी भाषा के कलाकारों में शामिल थे। अब 2027 में उनकी वापसी से एक बार फिर पंजाबी म्यूजिक को इंटरनेशनल पहचान मिलने की उम्मीद है।

मैडोना समेत ये बड़े कलाकार भी आएंगे नजर

इस बार कोचेला की लिस्ट में पॉप म्यूजिक की दिग्गज सिंगर मैडोना का नाम भी शामिल है। वह शुक्रवार को डांस टेंट में परफॉर्म करेंगी। वहीं डैडी यांकी को 'इन द डेजर्ट' स्पेशल बिलिंग दी गई है। इलेक्ट्रॉनिक म्यूजिक की मशहूर जोड़ी जस्टिस भी अपने गाने 'ब्लाइंडेड बाय द लाइट्स' के साथ बंकर में डेब्यू करेगी। फेस्टिवल के पहले दिन यानी शुक्रवार को जारा लार्सन, स्टीव लैसी, जेआईएसओ, पैगी गू, केलेनी, लियोन थॉमस और जॉर्जियो मोरोडर जैसे कलाकार परफॉर्म करेंगे। वहीं शनिवार को फोएबे ब्रिज, वीजर, रोबिन, मैनेस्किन, एनसीटी, लियोन ब्रिजेस, टिएस्टो, मार्टिन गैरिक और अंडरवर्ल्ड जैसे नाम शामिल हैं। रविवार को डॉन टॉलिवर, डोम डॉला, कायगो, एम्पायर ऑफ द सन, फोर टेट, द नेबरहुड, बेकी जी, बेबीमॉन्स्टर, विक्टोरिया मोनेट और जोरजा स्मिथ अपनी परफॉर्मेंस देंगे।

नील आपको यह एहसास नहीं होने देते कि आप किसी सीनियर अभिनेता के साथ काम कर रहे हैं



अभिनेत्री कशिका कपूर सॉन्ग 'बेवफा से' में नील नितिन मुकेश के साथ नजर आ रही हैं। उनके साथ काम करने के अनुभव को शेयर करते हुए कशिका ने बताया कि वह कभी आपको यह एहसास नहीं होने देते कि आप किसी सीनियर अभिनेता के साथ काम कर रहे हैं। अभिनेत्री कशिका कपूर ने बातचीत में अभिनेता नील नितिन मुकेश के साथ काम करने के अनुभव को मजेदार बताते हुए कहा, 'किसी सीनियर एक्टर से आपको हमेशा कुछ न कुछ सीखने को मिलता है और नील को इंडस्ट्री में कई साल काम करने का काफी अनुभव है। यह एक शानदार सीखने वाला अनुभव था और हमने खूब मस्ती भी की। कभी ऐसा लगा ही नहीं कि मैं किसी इतने सीनियर एक्टर के साथ काम कर रही हूं।' अभिनेत्री ने बताया कि शूट होने से पहले उन्हें गाने के बारे में ज्यादा बातें नहीं बताई गई थीं। उन्होंने कहा, 'नील नितिन मुकेश के आने से कुछ महीने पहले ही यह प्रोजेक्ट लॉक हो गया था, लेकिन हमें नहीं पता था कि यह गाना सच में बनेगा या इसका कॉन्सेप्ट क्या होगा। आखिर में जब नील नितिन मुकेश फाइनल हुए तो मेकर्स ने गाने की धुन को देखते हुए इसमें एक डांस नंबर जोड़ने का फैसला किया। हमने रिहर्सल शुरू की और सब कुछ काफी अच्छा हुआ। तभी कहानी भी तैयार हुई।'

कशिका कपूर ने बताया, 'मुझे उम्मीद थी कि गाना लोगों को पसंद आएगा, लेकिन जो रिस्पॉन्स मिल रहा है, वो कमाल का है। मुझे लगता है जेन जी इस कहानी से इसलिए जुड़ रहे है, क्योंकि हमारी जनरेशन में ऐसी चीजें काफी आम होती जा रही हैं। ओपन रिलेशनशिप और धोखा जैसी चीजें हम अपने आसपास देखते हैं और शायद यही वजह है कि दर्शक इस गाने से इतना जुड़ाव महसूस कर रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'लोगों ने हमारे गाने को खुले दिल से अपनाया है और इतना प्यार दिया है। मैं इस रिस्पॉन्स के लिए बहुत आभारी हूं। लोग मेरे डांस और एक्सप्रेशन्स की तारीफ कर रहे हैं और मुझे लगता है सबको यह गाना पसंद आ रहा है। यही हमारी सबसे बड़ी कामयाबी है।



हेल्थ का आईना पैर



अगर चेहरा मनुष्य के चरित्र का आईना है, तो आपके पैर स्वास्थ्य का आईना। अरे, यह हम नहीं, बल्कि मेडिकल साइंस कह रहा है। मेडिकल साइंस के अनुसार पैरों से व्यक्ति की सेहत की जानकारी ली जा सकती है।

पैरों से मिलने वाले संकेतों को पहचान कर समय रहते विभिन्न बीमारियों का पता लगाया जा सकता है, इसलिए अगर पैर स्वस्थ रहेंगे तो आप भी स्वस्थ रहेंगे। आइए जानते हैं पैरों के कुछ ऐसे लक्षण जो देते हैं संकेत-

पैरों का ठंडा पड़ना

पैरों का ठंडा पड़ना थॉयराइड के कारण हो सकता है। 40 साल से ज्यादा उम्र की महिलाओं के पैर ठंडे होने का मतलब थॉयराइड ग्लैंड का कम एक्टिव होना है। महिलाओं का बॉडी टेम्प्रेचर पुरुषों की तुलना में कम होता है।

पैरों का फटना

ज्यादातर प्रेग्नेंट महिलाओं को पैर फटने या जलन की शिकायत रहती है। सही तरीके की एक्सरसाइज न करने या शरीर में पानी की कमी से पैर फटते हैं। अगर ऐसा बार-बार होता है तो शरीर में कैल्शियम, पोटेशियम या मैग्नेशियम की कमी हो सकती है। इससे बचने के लिए बैलेंस डाइट लेनी जरूरी है। जहां तक हो सके आप ज्यादा से ज्यादा पानी पीएं।

पदार्थों की कमी बताए नाखून

पैरों के नाखूनों से शरीर में मौजूद पदार्थों की कमी का पता लगाया जा सकता है। कोई भी समस्या अकसर शरीर में किसी कमी की निशानी होती है। नाखूनों का सफेद होना शरीर में कैल्शियम की कमी की निशानी है। पीलापन हीमोग्लोबिन की कमी का संकेत है। ऐसे में नाखून टूटने भी लगते हैं।

सुन्न पड़ना

अगर पैर सुन्न पड़ते हों या सुई चुभने जैसा कुछ अहसास हो तो यह पैरीफेरल नर्वस सिस्टम डैमेज होने का संकेत हो सकता है। डायबिटीज के कारण या ज्यादा नशा करने से ऐसा हो सकता है। थोड़ी-सी लापरवाही भी बड़ा रूप ले सकती है। इसलिए समय रहते ही डॉक्टर से चेकअप करवाएं, ताकि आगे किसी भी परेशानी से बच सके।

याद रखें

- पैरों को स्वस्थ रखने के लिए प्रॉपर एक्सरसाइज करें।
- ज्यादा से ज्यादा पानी या फ्रूट जूस लें।
- कैल्शियम की कमी होने पर कैल्शियम की गोलियां लें।
- पैरों को प्रॉपर ढंककर रखें।
- नंगे पैर कहीं भी न जाएं।
- पैरों की एड़ियां जैसे ही फटें, उन पर क्रेक क्रीम जरूर लगाएं।



आंख में कैमरा

अभी तक आपने फिल्मों में ऐसे हीरो देखे होंगे, लेकिन यह एक हकीकत है। गोलीकांड में अपनी एक आंख गंवा चुके ब्रिटिश फिल्म निर्माता रॉब स्पेंस ने आंख की जगह कैमरा फिट करा लिया है। इस कैमरे में वे सारी चीजें रिकॉर्ड होती हैं, जो वह देखते हैं।

स्काई न्यूज से बातचीत में रॉब ने कहा, यह उतना आसान नहीं, लेकिन इंजीनियरों को मेरी आंख के लिए कैमरा बनाने में काफी मजा आया होगा। रॉब की आंख में लगे कैमरे में ठीक उसी तरह की तकनीक का प्रयोग गया है, जिस तरह एक वायरलेस माइक्रोफोन ट्रांसमीटर होता है। यह यंत्र उनके दिमाग से नहीं जुड़ा है और सिर्फ रिकॉर्डिंग करता है। रॉब्स को ह्यूमन रिवोल्यूशन नामक वीडियो गेम बनाने वाली कंपनी ने एक वृत्तचित्र बनाने का जिम्मा सौंपा है। यह वृत्तचित्र वर्ष 2027 तक ऐसे मनुष्यों की कल्पना को चित्रित करेगा, जो आधे मानवीय गुणों से युक्त हैं और आधे मशीनी हैं। रॉब कहते हैं कि तकनीक तो विकसित है ही और भविष्य में इस क्षेत्र के लिए अनंत संभावनाएं हैं। लोग कहते हैं कि कोई स्वयं का हाथ काटकर उसे बदल नहीं सकता, लेकिन अगर तकनीक किसी को शानदार कृत्रिम हाथ देने में सफल रहती है तो लोग इसके बारे भी में सोचना शुरू कर देंगे।

कैंसर दूर भगाएगी फूलगोभी

फूलगोभी खाइए और कैंसर को दूर भगाइए। अरे भई यह हम नहीं, बल्कि ब्रिटिश वैज्ञानिकों का कहना है। उन्होंने पता लगाया है कि फूलगोभी की एक खास किस्म कैंसर और दूसरी जानलेवा बीमारियों को दूर भगाती है।

26 साल की कड़ी मेहनत के बाद इस नतीजे पर पहुंचे यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एंग्लिया के वैज्ञानिकों का दावा है कि इससे कैंसर पर काबू पाया जा सकेगा। वहां एक खास प्रजाति की फूलगोभी की खेती की जाती है। इटली से लाई गई कुछ फूलगोभियों से इनकी ब्रीडिंग शुरू की गई है और इससे आखिरकार फूलगोभी की नई वैरायटी विकसित की गई, जो दिल की बीमारी से भी लड़ सकती है। फूलगोभी में ग्लूकोरैफैनिन की प्रचुर मात्रा होती है, जो कई दवाओं से ज्यादा कारगर है।



कम खाओ ज्यादा जिओ

यह यकीन करने वाली बात नहीं है, लेकिन सच है। एक अध्ययन से पता चला है कि जहां औसत भोजन करने से शरीर सुडौल और स्वस्थ रहता है, वहीं जो कम खाते हैं, उनकी उम्र ज्यादा खाने वालों की अपेक्षाकृत अधिक होती है।



ब्रिटिश वैज्ञानिकों के अनुसार, जानवरों पर किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि जो जानवर सिर्फ जीने के लिए पर्याप्त आहार पर निर्भर रहते हैं, उनका जीवन चक्र काफी लंबा होता है। अध्ययन के लिए जानवरों को दो वर्गों में बांटा गया था। इसके बाद दिए गए अलग-अलग आहारों के आधार पर उनका अवलोकन किया गया। इस प्रक्रिया से वैज्ञानिकों ने पाया कि जिन जानवरों को लो-कैलोरी फूड दिया गया, उनकी जीवन अवधि ओवर इटिंग करने वाले जानवरों से ज्यादा रही। इस अनुसंधान के आधार पर माना गया कि यदि जानवरों में इस तरह के गुण पाए जा सकते हैं, तो इंसानों पर भी डाइट का असर अवश्य होगा।

हाई हील पहनकर ड्रिंक खतरनाक

वैसे तो महिलाओं को विशेषकर युवतियों को हाई हील पहनने का बड़ा शौक होता है। यह जहां आपके फैशन में चार-चांद लगाते हैं, वहीं आपके लिए मुसीबत का द्वार भी खोल देते हैं। विशेषज्ञों की मानें तो हाई हील पहनकर ड्रिंक करना बेहद खतरनाक हो सकता है।

आजकल मल्टीपल फ्रैक्चर के केस उन महिलाओं में ज्यादा देखे जा रहे हैं, जो हाई हील पहनकर ड्रिंक करती हैं। हाई हील से होने वाला यह फ्रैक्चर इतना खतरनाक होता है कि इलाज के बाद भी मरीज दौड़ने में असमर्थ होता है। विशेषज्ञों के मुताबिक हाई हील के कारण आपका पूरा शरीर जमीन से 8 इंच की दूरी पर हवा में रहता है। इससे बैक बॉस पर जोर पड़ता है और वह टेढ़ी हो जाती है। एक रिपोर्ट के अनुसार ज्यादातर महिलाओं को फ्रैक्चर हील पहनकर गिरने से होता है। यह घटना उन महिलाओं में ज्यादा देखी जा रही है, जो शराब का सेवन कर हाई हील पहनकर चलती हैं और वह ज्यादातर 20 साल से कम उम्र की पेशेंट होती हैं। चोट लगने के बाद ठीक होने में उन्हें छह महीने का समय लग जाता है। शौक के तौर पर हाई हील पहना जा सकता है, लेकिन ड्रिंक करने के बाद इसे पहनने से बचें। क्योंकि ड्रिंक करने के बाद शारीरिक संतुलन बिगड़ जाता है और गिरने की आशंका बढ़ जाती है।

